राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका

स्वर्णिम मुंबई

फरवरी - 2024

मूल्य ₹ 50/-

RNI NO. : MAHHIN-2014/55532

हेमंत सोरेन के गले में ED की फांस

▶ झारखंड में 'सियासी भूचाल'

नीतीश कुमार की सियासत में

▶ 'पलटनीति'

बजट का लेखा-जोखा

- **5** वर्षों में बनेंगे **2** करोड़ घर
- **3** करोड़ महिलायें बनेंगी लखपति दीदी

वित्त वर्ष 2024-25

स्वच्छता की आवश्यकता है भारत में आज
स्वच्छ भारत
स्वच्छ तन , स्वच्छ मन से बनता - स्वच्छ समाज।

राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका

स्वर्णिम मुंबई

•वर्ष : 8 •अंक: 11 •मुंबई •फरवरी-2024

मुद्रक-प्रकाशक,संपादक

नटराजन बालसुब्रमणियम

कार्यकारी संपादक

मंगला नटराजन अय्यर

उप संपादक

भाग्यश्री कानडे, तोषिर शुक्ला,
संतोष मिश्रा, जेदवी आनंद

ब्यूरो चीफ

ओडिशाः अशोक पाण्डेय
उत्तर प्रदेशः विजय दूबे
पटनाः राय यशेन्द्र प्रसाद

टंकन व पृष्ठ सज्जा

ज्योति पुजारी, सोमेश

मार्केटिंग मैनेजमेंट

राजेश अय्यर,शैफाली,

संपादकीय कार्यालय

Add: Tirupati Ashish CHS., A-102, A-1 Wing , Near Shahad Station , Kalyan (W) , Dist: Thane, PIN: 421103, Maharashtra.
Phone: 9082391833 , 9820820147
E-mail: swarnim_mumbai@yahoo.in, mangsom@rediffmail.com
Website: swarnimumbai.com

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक : बी. नटराजन द्वारा तिरुपति को. ऑप, हॉसिंग सोसायटी, ए-१ विंग १०२, नियर शहाड स्टेशन, कल्याण (वेस्ट)-४२११०३, जिलाः ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित व *महेश प्रिन्टर्स, बिरला कॉलेज, कल्याण से मुद्रित।*

RNI NO. : MAHHIN-2014/55532

सभी विवादों का निपटारा मुंबई न्यायालय होगा।

इस अंक में...

उद्धव ठाकरे बोले- मोदीजी हम कभी आपके दुश्मन नहीं थे...	05
Budget २०२४-२५ः बड़े ऐलान से परहेज	06
बिहार में सियासी घमासान	14
पकवान	20
शतरंज के अद्भुत सच...	23
राशिफल	24
झीलों का शहर...	26
सिनेमा	29
प्रथम विश्व ओड़िया भाषा सम्मेलन	30
बुरी तरह फंसे हेमंत सोरेन,	31
रजाई	40
पाषाणी (कथा सागर)	44
धनिया की खेती	56

सुविचारः

संकोच युवाओं के लिए एक आभूषण है, लेकिन बड़ी उम्र के लोगों के लिए धिक्कार.

संपादकीय

नेतागण ईडी के निशाने पर

झारखंड राज्य में जमीन खरीद में गड़बड़ी, अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग के कथित पुराने मामलों की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई से झारखंड की सरकार संकट में आ गयी और उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। भ्रष्टाचार के खिलाफ केन्द्रीय एजेंसियों ने इस समय कार्रवाई का बिगुल बजाया हुआ है, जिससे राजनीति में बढ़ रहे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया सूरज उदित होता हुआ दिखाई दे रहा है, जो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के आदर्श एवं सशक्त होने की बड़ी अपेक्षा है। हेमंत सोरेन के बाद अब अगला नम्बर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल का है। स्पष्ट है कि अब भ्रष्टाचारियों की नैया पार होने वाली नहीं है। अगर ये लोग सोचते हैं कि ताकतवर होने के कारण कानून उन तक नहीं पहुंच सकता, तो ये मुगालते में हैं। अगर उन्होंने भ्रष्टाचार किया है, तो उन्हें अपने किए की सजा मिलेगी ही। भ्रष्ट आचरण से करोड़ों-अरबों की संपत्ति लूटने वाले नेतागण शायद नहीं जानते कि केंद्र में ऐसी मजबूत सरकार है, जो भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करती। इसीलिए तो जांच एजेंसियों को पूरी छूट मिली हुई है कि वे भ्रष्ट आचरण करने वालों को पकड़ें। दबाव मुक्त केन्द्रीय एजेंसियां अपने काम में जुटी भी हुई हैं, उनकी टांग खींचने की बजाय उनका हौसला बढ़ाना चाहिए।

इन दिनों गैर-भाजपा प्रांतों में भ्रष्टाचार के मामले बड़ी संख्या में उजागर हो रहे हैं। इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक दल आम आदमी सरकार के स्वास्थ्य मंत्री रहे सतेन्द्र जैन, उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया एवं पश्चिम बंगाल में उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी जेल की सल ाखों के पीछे हैं। इनकी गिरफ्तारी बता रही है कि ममता बनर्जी एवं अरविन्द केजरीवाल भ्रष्टाचार मुक्त शासन के कितने ही दावे क्यों न करें, लेकिन उनके वरिष्ठ मंत्री भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों एवं विभिन्न प्रांतों की सरकारों में भ्रष्टाचार की बढ़ती स्थितियां गंभीर चिन्ता का विषय है। ऐसा लगता है आज हम जीवन नहीं, राजनीतिक मजबूरियां जी रहे हैं। राजनीति की सार्थकता एवं साफ-सुथरा उद्देश्य नहीं रहा, स्वार्थपूर्ति का जरिया बन गया है। राजनीतिक दल अच्छे-बुरे, उपयोगी-अनुपयोगी का फर्क नहीं कर पा रहे हैं। मार्गदर्शक यानि नेता शब्द कितना पवित्र व अर्थपूर्ण था पर अब नेता खलनायक बन गया है। नेतृत्व व्यवसायी एवं भ्रष्टाचारी बन गया। आज नेता शब्द एक गाली है। जबकि नेता तो पिता का पर्याय था। उसे पिता का किरदार निभाना चाहिए था। पिता केवल वही नहीं होता जो जन्म का हेतु बनता है अपितु वह भी होता है, जो अनुशासन सिखाता है, ईमानदारी का पाठ पढ़ाता है, विकास की राह दिखाता है। आगे बढ़ने का मार्गदर्शक बनता है।

भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराधीकरण एवं जाति-सम्प्रदाय के हिंसक आग्रहों पर इंडिया गठबंधन में कोई बहस नहीं है, कोई आदर्श राष्ट्र निर्माण की दृष्टि एवं दिशा नहीं है। राजनीति में लगे लोगों में जब इन मसलों की गहराई तक जाने का धैर्य और गंभीरता चुक जाए, तो उनके मंच के संवाद पहले निम्न दर्जे तक गिरते हैं और फिर कीचड़ को ही संवाद का विकल्प मान लिया जाता है। इन दिनों यही हो रहा है। भ्रष्टाचार के लिए मोदी सरकार जो कार्रवाइयाँ कर रही हैं, वह सराहनीय है। भारतीय राजनीति में भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुके ऐसे नेताओं की कमी नहीं है, जो यह मानते हैं कि सरकार उनकी है और वे कुछ भी कर सकते हैं। इस तरह की भ्रामक सोच भारतीय राजनीति का पतन कर रही है। इसकी शुचिता और पारदर्शिता को धूमिल कर रही है। पहले राजनीति का अर्थ लोगों की सेवा करना होता था, लेकिन बाद में यह अपने लोगों की सेवा का माध्यम समझी जाने लगी। बिहार, बंगाल, दिल्ली और झारखंड जैसे राज्य तो इसमें सबसे ऊपर दिखते हैं। झारखंड में ही अभी जो घटनाक्रम हुआ है, क्या उससे यह धारणा नहीं बनती कि हेमंत सोरेन ने जरूर कुछ ऐसे कार्य किए हैं कि पहले उन्हें ईडी से भागना पड़ा और जब उन पर दबिश बढ़ी, तो उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर ईडी अधिकारियों के हाथों गिरफ्तार होना पड़ा।

बिहार का हाल भी झारखण्ड से अलग नहीं है। वहां पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का भ्रष्टाचार लगातार खबरों में रहा है, वे भी सजा भुगत चुके हैं। उनके पुत्र तेजस्वी यादव व अन्य परिजनों पर भी जमीन घोटाले के आरोप हैं। कहा जाता है कि जब ईडी ने तेजस्वी यादव से सवाल पूछे, तो वह भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। उन्होंने घोटाल ` के वक्त खुद के नाबालिग होने की बात कही। जब ईडी अधिकारियों ने पूछा कि करोड़ों की कंपनी कैसे बनाई, तो उन्होंने इस बारे में कोई जानकारी न होने की बात कही। जबकि लालू यादव के पास इतनी संपत्ति कैसे जमा हुई, यह कोई छिपा रहस्य नहीं है। इसलिए यह कयास भी गलत नहीं है कि देर-सबेर तेजस्वी यादव भी अपने पिता की तरह जेल में दिख सकते हैं। कुछ इसी तरह की कहानी देश के अन्य राज्यों में भी है, जहां मुख्यमंत्री और बड़े नेता ईडी के निशाने पर हैं, इसलिए मुमकिन है कि आने वाले दिनों में हम और भी कई नेताओं को कालकोठरी में देख सकते हैं।

हमारे पास राजनीति ही समाज की बेहतरी का भरोसेमंद रास्ता है और इसकी साख गिराने वाले कारणों में अपराधीकरण और भ्रष्टचार के बाद तीसरा नंबर इस कीचड़ उछाल राजनीति का भी है, जिसमें गल त को गलत नहीं माना जाता। ये तीनों ही राजनीति के औजार नहीं हैं, इसलिए राजनीति को तबाही की ओर ले जाते हैं। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार का मसला काफी गहरा है और इसके खिलाफ लड़ाई के लि ए काफी वक्त और ऊर्जा की जरूरत है, लेकिन कीचड़ उछाल से परहेज करके और सार्थक बहस चलाकर देश की राजनीति का सुधार आंदोल न शुरू किया जा सकता है। राजनैतिक कर्म में अपना जीवन लगाने वालों से इतनी उम्मीद तो की ही जानी चाहिए कि भ्रष्टाचार के खिलाफ होने वाली कार्रवाइयों को राजनीतिक रंग न दें। ऐसी ही उम्मीद भरी एवं स्वच्छ राजनीति से भारत का लोकतंत्र समृद्ध हो सकेगा। ■

उद्धव ठाकरे बोले- मोदीजी हम कभी आपके दुश्मन नहीं थेः कहा- शिवसेना आज भी आपके साथ, आपने हमें खुद से दूर किया

मोदीजी, हम आपके दुश्मन नहीं हैं; नीतीश कुमार के बाद अब उद्धव ठाकरेका भी डोल रहा मन?

रैली को संबोधित करतेहुए उद्धव ठाकरेनेकहा, ''मैं मोदीजी को बताना चाहता हूं कि हम कभी भी आपके दुश्मन नहीं थे। आज भी हम दुश्मन नहीं हैं। हम आपके साथ थे।''

महाराष्ट्र के पूर्वमुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने रविवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने एक रैली को संबोधित करतेहुए कहा कि मोदीजी, हम कभी भी आपके दुश्मन नहीं थे और हमेशा ही आपके साथ थे। ठाकरे के इस बयान के बाद कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एनडीए में वापसी की है, जिसके बाद अब उद्धव के इस बयान के कई मतलब निकाले जा रहे। उद्धव ठाकरेकी शिवसेना लंबेसमय तक एनडीए का हिस्सा रही है, लेकिन कुछ साल पहलेबीजेपी और शिवसेना में टकराव हुआ। अब शिवसेना (यूबीटी) विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा है। उद्धव नेरैली मेंकहा कि पीएम की हाल की महाराष्ट्र यात्राएं इस बात का निरीक्षण करनेके बारे में हैं कि यहां से गुजरात क्या लेजाया जा सकता है। रैली को संबोधित करतेहुए उद्धव ठाकरेनेकहा, ''मैंमोदीजी को बताना चाहता हूं कि हम कभी भी आपके दुश्मन नहीं थे। आज भी हम दुश्मन नहीं हैं। हम आपके साथ थे। शिवसेना आपके साथ थी, लेकिन आपनेहमेंखुद दूर कर दिया। हमारा हिंदुत्व और भगवा ध्वज आज भी कायम हैलेकिन आज, भाजपा उस भगवा झंडे को फाड़नेकी कोशिश कर रही है।'' अपने भाषण में उद्धव ठाकरे ने यह दावा किया कि वह बीजेपी ही थी, जिसने शिवसेना से नाता तोड़ा था। हालांकि, रैली में उद्धव ने बीजेपी पर निशाना भी साधा। उन्होंने कहा कि किसी भी अन्य चुनाव की तुलना में साल २०२४ का लोकसभा चुनाव अब तक का सबसे अहम चुनाव है। महाराष्ट्र के पूर्वमुख्यमंत्री नेकहा, ''अगर भाजपा (कुछ महीनों मेंहोनेवाले) लोकसभा चुनावों मेंफिर सेजीततती है, तो अगले साल कोई गणतंत्र दिवस नहीं होगा।'' उद्धव ठाकरेने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी महाराष्ट्र के ल गातार दौरेकर रहेहैं। उन्होंने कहा, ''वह जब भी आते हैं, राज्य से कुछ न कुछ गुजरात लेजातेहैं। सिंधुदुर्ग में कोंकण तट पर नौसेना दिवस मनाया गया। प्रधानमंत्री यहां आए और फिर सुना कि मैंने मुख्यमंत्री रहते हुए जिस पनडुब्बी पर्यटन परियोजना को मंजूरी दी थी, उसे गुजरात स्थानांतरित किया जा रहा है।''

महाराष्ट्र के पूर्वमुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरेनेरविवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंनेएक रैली को संबोधित करतेहुए कहा कि मोदीजी, हम कभी भी आपके दुश्मन नहीं थे और हमेशा ही आपके साथ थे। ठाकरे के इस बयान के बाद कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। उल्ल खनीय है कि हाल ही में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एनडीए में वापसी की है, जिसके बाद अब उद्धव के इस बयान के कई मतलब निकाले जा रहे।

'सरकार के गिरोहों के बीच छिड़ गया युद्ध'

पूर्वमुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के सावंतवाड़ी में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि १९९० के दशक में पिछली शिवसेना-भाजपा सरकार नेमुंबई में 'अंडरवर्ल्ड ' गिरोहों की कमर तोड़ दी थी। उन्होंनेएकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार के किसी सहयोगी का नाम लिए बिना कहा, ''लेकिन अब मौजूदा सरकार मेंगिरोहों के बीच युद्ध छिड़ गया है।

तीसरा गिरोह ७०,००० करोड़ रुपयेके सिंचाई घोटाल में डूबा हुआ है और इसलिए उसके पास सिर उठानेका समय नहीं है।''

उन्होंने कहा कि मोदी को यह समझना चाहिए कि अन्य दलों को तोड़ने और उनके नेताओं को अपने पाल में लाने की प्रवृत्ति के कारण भाजपा की राज्य इकाई ''कमजोर'' हो गई है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह किसी व्यक्ति विशेष के विरोधी नहीं हैं, बल्कि झूठ और तानाशाही के खिलाफ हैं। उन्होंनेकहा कि देश को पूर्णबहुमत वाली सरकार की नहीं, बल्कि विभिन्न विपक्षी दलों द्वारा गठित 'इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस' (इंडिया) के शासन की जरूरत है, जो सभी को साथ लेकर चलेगा।

Budget 2024-25: बड़े ऐलान से परहेज, टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं...

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को संसद में अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में पिछले १० साल में गहरा सकारात्मक परिवर्तन देखा गया है। सीतारमण ने अपने चुनाव पूर्व बजट में कहा कि भारत के लोग आशा और विकल्पों के साथ भविष्य की ओर देख रहे हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किसानों, महिलाओं, युवाओं और सबसे गरीब आबादी को सशक्त बनाने पर प्रमुख ध्यान देने के साथ अंतरिम बजट २०२४-२५ पेश कर दिया है। सीतारमण ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता गरीब, महिलाएं, किसान और युवा हैं। यह व्यापक रूप से उम्मीद की गई थी कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने, महिलाओं को सशक्त बनाने और युवाओं के लिए अधिक नौकरियां पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। इस साल लोकसभा के चुनाव होने हैं इसलिए अंतरिम बजट पेश किया गया। नई सरकार के गठन के जुलाई में पूर्ण बजट पेश किया जाएगा। इसलिए सरकार की ओर से बड़े ऐलान से परहेज किया गया है।

बजट की बड़ी बातें

- सीतारमण ने कहा कि सरकार २०४७ तक भारत को एक विकसित देश बनाने की दिशा में काम कर रही है। सीतारमण ने अंतरिम बजट २०२४-२५ पेश करते हुए कहा कि ''अन्नदाता'' (किसानों) के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य समय-समय पर और उचित रूप से बढ़ाया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार के लिए सामाजिक न्याय एक प्रभावी तथा आवश्यक 'मॉडल' है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार प्रणालीगत असमानताओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

- वित्त मंत्री ने कहा कि देश में ८० करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिलने से उनकी भोजन संबंधी चिंताएं खत्म हो गयी हैं। उन्होंने लोकसभा में अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा कि २०१४ में जब मोदी सरकार सत्ता में आई, तो भारत भारी चुनौतियों का सामना कर रहा था और सरकार ने सही तरीके से चुनौतियों पर काबू पाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले साल नवंबर में कहा था कि उनकी सरकार गरीब आबादी के लिए मुफ्त राशन योजना को पांच साल के लिए बढ़ाएगी।

- वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले १० साल में २५ करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से मुक्ति मिली है। उन्होंने लोकसभा में अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा कि गरीबी से निपटने के पिछली सरकारों के नजरिये से बेहद मामूली परिणाम मिले। सीतारमण ने कहा कि अब पारदर्शिता के आधार पर सभी पात्र नागरिकों को लाभ हस्तांतरित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिये परिवर्तनकारी सुधारों की शुरुआत की जा रही है। सरकार वृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए अगली पीढ़ी के सुधार करेगी

और अगले पांच साल अभूतपूर्व वृद्धि वाले होंगे।

- सीतारमण ने कहा कि आयकर स्लैब में कोई बदलाव नहीं। प्रत्यक्ष और परोक्ष कर की दरों में कोई बदलाव नहीं किया जा रहा। वित्त वर्ष २०२४-२५ में ३०.८० लाख करोड़ रुपये की कुल प्राप्तियां (उधारी को छोड़कर) रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि कर रिटर्न की प्रक्रिया में लगाने वाला समय २०१४ में ९३ दिन से घटकर अब १० दिन रह गया है, रिफंड तेजी से किया गया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों के तेजी से विकास में राज्यों की मदद करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार २०१४ से पहले के वक्त के आर्थिक कुप्रबंधन पर श्वेतपत्र लेकर आएगी।

- देश ग्रामीण आवास योजना के तहत तीन करोड़ घरों का लक्ष्य हासिल करने के करीब है और अगले पांच साल में दो करोड़ घरों का निर्माण किया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को अंतरिम बजट पेश करते हुए यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस महीने की शुरुआत में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) के तहत ग्रामीण आवास योजना के एक लाख लाभार्थियों को ५४० करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की थी। सीतारमण ने कहा कि सरकार पात्र मध्यम वर्ग को अपना घर खरीदने या बनाने के लिए एक आवासीय योजना शुरू करेगी।

संसद में अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में पिछले १० साल में गहरा सकारात्मक परिवर्तन देखा गया है। सीतारमण ने अपने चुनाव पूर्व बजट में कहा कि भारत के लोग आशा और विकल्पों के साथ भविष्य की ओर देख रहे हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किसानों, महिलाओं, युवाओं और सबसे गरीब आबादी को सशक्त बनाने पर प्रमुख ध्यान देने के साथ अंतरिम बजट २०२४-२५ पेश कर दिया है। सीतारमण ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता गरीब, महिलाएं, किसान और युवा हैं। यह व्यापक रूप से उम्मीद की गई थी कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने, महिलाओं को सशक्त बनाने और युवाओं के लिए अधिक नौकरियां पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। इस साल लोकसभा के चुनाव होने हैं इसलिए अंतरिम बजट पेश किया गया।

- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा कि वित्त वर्ष २०२४-२५ में राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष के ५.८ प्रतिशत के मुकाबले सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का ५.१ प्रतिशत रहने का अनुमान है। वित्त मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष २०२४-२५ के लिए कर प्राप्तियां २६.०२ लाख करोड़ रुपये का अनुमान है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष २०२३-२४ में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का ५.८ प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पहले के अनुमान ५.९ प्रतिशत से कम है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए GDP का अर्थ गवर्नेंस, परफॉर्मेंस और डेवलपमेंट है।

- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को देश में दूध और दुग्ध (डेयरी) उत्पादन बढ़ाने की योजना की घोषणा की। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे बड़ा दूध उत्पादक है, लेकिन उत्पादकता कम है। भारत का दूध उत्पादन २०२२-२३ में चार प्रतिशत बढ़कर २३.०५ करोड़ टन हो गया। उन्होंने यह भी कहा कि तिलहन उत्पादन के लिए आत्मनिर्भरता के लिए एक रणनीति विकसित की जाएगी।

- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि पीएम किसान योजना के तहत ११.८ करोड़ किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) योजनाओं में से है। पीएम-किसान योजना के तहत सरकार तीन समान मासिक किस्तों में प्रति वर्ष ६,००० रुपये का वित्तीय लाभ प्रदान करती है। यह पैसा देशभर के किसान परिवारों के बैंक खातों में 'डीबीटी' के जरिये डाला जाता है।

- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध और संघर्षों के कारण वैश्विक स्थिति अधिक जटिल और चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। रूस-यूक्रेन संघर्ष और इजराइल-हमास युद्ध ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर दिया है, जिससे व्यापार प्रभावित हुआ है। वित्त मंत्री ने कहा कि नई वैश्विक व्यवस्था उभर रही है और भारत ने ईंधन और उर्वरक की कीमतों में बढ़ोतरी की वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है।

Income Tax Slab: अंतरिम बजट पेश होने के बाद जानिए वित्त वर्ष २०२४-२५ में क्या होगा इनकम टैक्स स्लैब और टैक्स रेट्स!

Income Tax Slab 2024-25: अंतरिम बजट पेश किया जा चुका है. और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट में इनकम टैक्स स्लैब रेट्स में कोई बदलाव नहीं किया है. ऐसे में हर टैक्सपेयर्स के मन में ये सवाल होगा कि वित्त वर्ष २०२४-२५ में में इनकम टैक्स रेट्स क्या होगा. नई इनकम टैक्स रिजीम हो या पुरानी इनकम टैक्स रिजीम दोनों ही टैक्स व्यवस्था में टैक्स रेट्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है. फिलहाल यही टैक्स स्लैब मान्य होगा.

ये संभव है कि नई सरकार जब जुलाई में वित्त वर्ष २०२४-२५ के लिए पूर्ण बजट पेश करे तो टैक्स स्लैब में बदलाव किया जा सकता है. पर फिलहाल अप्रैल २०२४ से नए टैक्स स्लैब के आधार पर टैक्सपेयर्स को टैक्स बचाने की प्लानिंग करनी होगी. आइए जानते हैं नई इनकम टैक्स स्लैब और पुरानी इनकम स्लैब क्या रहने वाला है.

नई टैक्स रिजीम के तहत २०२४-२५ के लिए इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है ऐसे में नई टैक्स रिजीम के तहत टैक्स रेट्स इस प्रकार होगा. नए टैक्स रिजिम में ७ लाख रुपये तक जिनकी आय है उन्हें कोई टैक्स नहीं देना होता है. सरकार २५,००० रुपये का टैक्स रिबेट देती है. नई इनकम टैक्स व्यवस्था के तहत अब ३ लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं है. ३ - ६ लाख वाले स्लैब में ५ फीसदी, ६ - ९ लाख रुपये तक के स्लैब पर १० फीसदी, ९ - १२ लाख रुपये तक के स्लैब पर १५ फीसदी, १२ - १५ लाख रुपये तक के स्लैब पर २० फीसदी और १५ लाख रुपये से ज्यादा आय पर ३० फीसदी इनकम टैक्स देना होता है.

ओल्ड टैक्स रिजीम के इनकम टैक्स स्लैब पर नजर डालें तो पुरानी टैक्स व्यवस्था में २.५० लाख रुपये तक के इनकम पर टैक्स छूट है. २.५० से ५ लाख रुपये तक के आय पर ५ फीसदी, ५ - १० लाख रुपये तक के इनकम पर २० फीसदी और १० लाख रुपये से ज्यादा के आय पर ३० फीसदी टैक्स देना होता है. पुरानी टैक्स व्यवस्था में ५ लाख रुपये तक जिनकी आय है उन्हें कोई टैक्स नहीं चुकाना होता है. २.५० से ५ लाख रुपये तक के इनकम पर ५ फीसदी के दर से जो १२५०० रुपये का जो टैक्स बनता है सरकार उसपर रिबेट देती है.

वित्त वर्ष २०२४-२५ के लिए अंतरिम बजट में स्टैंडर्ड डिडक्शन को ५०,००० रुपये पर बरकार रखा गया है. ५०,००० रुपये स्टैंडर्ड डिडक्शन का फायदा नए और पुराने टैक्स रिजीम अपनाने वाले दोनों ही तरह के टैक्सपेयर्स को मिलेगा.

नए वित्त वर्ष में टैक्सपेयर्स पर जो भी टैक्स बनेगा उन्हें एजुकेशन और हेल्थ सेस के रूप में कुल टैक्स के रकम पर ४ फीसदी सेस भी देना होगा. और जिन टैक्सपेयर्स की टैक्सबेल आय ५० लाख रुपये से ज्यादा है उन्हें टैक्स पर १० फीसदी अलग से सरचार्ज देना होगा.

Budget 2024: नहीं बढ़ी पीएम किसान की रकम, ४ करोड़ किसानों को मिला फसल बीमा योजना का लाभ

प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत मिलने वाली रकम में बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहे लोगों को बजट से निराशा हाथ लगी. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अगले वित्त वर्ष के लिए अंतरिम बजट पेश करते हुए इस संबंध में कोई ऐलान नहीं किया. दरअसल पीएम किसान योजना की शुरुआत भी अंतरिम बजट में हुई थी, इस कारण रकम बढ़ाए जाने के कयास तेज थे.

पीएम किसान योजना की शुरुआत पांच साल पहले की गई थी. फरवरी २०१९ में बजट पेश करते हुए तत्कालीन वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने पीएम किसान योजना का ऐलान किया था. दिलचस्प बात ये है कि वह बजट भी अंतरिम बजट था, जो मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के समाप्त होने से ऐन पहले पेश किया गया था. उसके बाद यह मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतरिम बजट आया है.

पीएम किसान योजना के डैशबोर्ड के अनुसार, अभी ९ करोड़ से ज्यादा छोटे किसान इस योजना का लाभ उठा रहे हैं. इस योजना के तहत हर साल छोटे किसानों को केंद्र सरकार की ओर से ६-६ हजार रुपये की मदद दी जाती है. यह मदद हर चार महीने में किसानों के खाते में ट्रांसफर की जाती है. किसानों को तीन बार में २-२ हजार रुपये की किस्त में इसका भुगतान किया जाता है. अगस्त-नवंबर २०२३ की अवधि के लिए ९,०७,५२,७५८ किसानों को दो-दो हजार रुपये की पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त का भुगतान मिला था.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए बताया कि पीएम-किसान योजना के तहत ११.८ करोड़ किसानों को वित्तीय सहायता मिली है. वित्त मंत्री ने कहा कि देश भर के किसानों को मौजूदा सरकार ने काफी मदद पहुंचाई है. सरकार की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से ४ करोड़ किसानों की सहायता हुई है. पिछले बजट में योजना को १३,६२५ करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे.

उन्होंने इस दौरान बताया कि अब १,३६१ ई-मंडियों को ई-नाम के तहत इंटीग्रेट किया गया है. इससे ३ लाख करोड़ रुपये के टेडिंग वॉल्यूम को सपोर्ट मिल रहा है. किसानों से फसलों की सरकारी खरीद भी बढ़ रही है. २०२३-२४ में किसानों से ३८ लाख मीट्रिक टन चावल और २६२ लाख टन गेहूं की खरीद की गई है. उन्होंने नैनो यूरिया की सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि अब नैनो डीएपी की पहल शुरू करने की तैयारी चल रही है.

Budget 2024: जीडीपी के हिसाब से तय किया जाए डिफेंस बजट, नए तरह के युद्ध के लिए रहना होगा तैयार

Interim Budget 2024: देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भारत सरकार को रक्षा बजट (Defence Budget) पर विशेष ध्यान देना चाहिए. इसके लिए सरकार को एक बेंचमार्क तय करने की जरूरत है, जिसके हिसाब से डिफेंस बजट में बढ़ोतरी की जा सके. यह बेंचमार्क जीडीपी के हिसाब से तय किया जाना चाहिए. देश का रक्षा बजट जीडीपी का कुछ प्रतिशत में होना चाहिए. संसदीय समिति ने यह रिपोर्ट बुधवार को पेश की है. इसमें कहा गया है कि पड़ोसी देशों के बढ़ते रक्षा बजट, सुरक्षा संबंधी ग्लोबल चुनौतियां और भविष्य के सुरक्षा खतरों के मद्देनजर ऐसा किया जाना बेहद जरूरी है.

संसदीय समिति ने आश्चर्य व्यक्त किया कि अभी तक रक्षा मंत्रालय (Defence Ministry) ने इस संबंध में कुछ नहीं किया, जबकि पहले भी ऐसे ही सुझाव दिए जा चुके हैं. रक्षा मामलों की संसदीय समिति ने कहा कि हमें ड्रोन, एंटी ड्रोन और इलेक्ट्रॉ निक युद्ध में इस्तेमाल होने वाले सिस्टम डेवलप करने चाहिए. हाल के युद्धों के मद्देनजर हमें अपनी सेनाओं को मजबूत बनाने की आवश्यकता है. युद्ध के तौर तरीके बदल रहे हैं. हमें भी इस इलेक्ट्रॉनिक वॉर के लिए खुद को तैयार रखना होगा. यदि हम तैयारी रखेंगे तो आसानी से इन चुनौतियों का सामना कर जाएंगे.

समिति ने कहा कि नए तरह की जंग के लिए खुद को तैयार रखने के लिए फंड की जरूरत पड़ेगी. इसलिए सरकार को जीडीपी का कुछ हिस्सा रक्षा बजट के तौर पर फिक्स कर देना चाहिए. हमें लगता है कि इससे देश का रक्षा खर्च सही दिशा में जाएगा. पिछले कुछ सालों से देश का रक्षा बजट जीडीपी का १.८ से १.९७ फीसदी बना हुआ है. सरकार ने वित्त वर्ष २०२३-२४ के लिए अपने कुल खर्च का १३.१८ फीसदी और जीडीपी का लगभग १.९७ फीसदी दिया था. समिति ने बताया कि रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में कहा है कि पूरी दुनिया में औसतन जीडीपी का ल गभग ३ फीसदी रक्षा बजट के तौर पर दिया जा रहा है. हमारी सरकार को भी इसी तरह का बेंचमार्क फिक्स करने की जरूरत है. हमें सेनाओं को आधुनिक बनाने पर खर्च बढ़ाने की सख्त जरूरत है.

Budget 2024: बजट में ग्रामीण इलाकों के लिए बड़ा तोहफा, अगले ५ साल में बनाए जाएंगे २ करोड़ घर

Interim Budget २०२४-२५: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने १ फरवरी को छठवां बजट पेश किया। लोकसभा चुनाव-२०२४ से पहले नरेंद्र मोदी सरकार का ये आखिरी अंतरिम बजट है। बजट भाषण के दौरान निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर बड़ी घोषणा की है। संसद में अंतरिम बजट पेश करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि, अगले ५ साल में ग्रामीण इलाकों में २ करोड़ और घर बनाए जाएंगे। निर्मला सीतारमण ने कहा कि, कोरोना के बाद भी हमने इसपर काम करना जारी रखा है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, ''कोविड के कारण चुनौतियों के बावजूद, पीएम आवास योजना (ग्रामीण) का काम जारी रहा है। पीएम आवास योजना ग्रामीण के तहत अब तक हमने ३ करोड़ घर बनाने का काम पूरा किया है। आने वाले पांच सालों में हम २ करोड़ और घर बनाएंगे।'' २०२४ की अहम बातें संसद में अंतरिम बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'जुलाई में पूर्ण बजट में हमारी सरकार विकसित भारत के लक्ष्य का विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत करेगी।' केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, इस बार इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यानी इस बार आयरकरदाताओं को कोई राहत नहीं है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि तीन नए रेल कॉरिडोर शुरू होंगे। निर्मल ा सीतारमण ने कहा, तीन प्रमुख आर्थिक रेलवे कॉ रिडोर लागू किए जाएंगे। पहला ऊर्जा, खनिज और सीमेंट कॉरिडोर। दूसरा, पोर्ट कनेक्टिविटी कॉरिडोर और तीसरा उच्च यातायात घनत्व कॉरिडोर। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि, ट्रेनों के परिचालन में सुधार किया जाएगा। माला-भाड़ा परियोजना को भी विकसित किया जाएगा। वहीं ४० हजार नॉर्मल रेल डिब्बों को वंदे भारत में बदला जाएगा। वित्त मंत्री निर्मल ा सीतारमण ने कहा कि, लखपति दीदी को बढ़ावा दिया जाएगा। हमने अब तक १ करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाया है। अब हमने २ करोड़ से बढ़ाकर इसे ३ करोड़ का करने का फैसला लिया है।

Budget 2024: 'यह देश के भविष्य के निर्माण का बजट है', अंतरिम बजट २०२४ पर पीएम मोदी का बयान

केंद्र सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल का गुरुवार को अंतरिम बजट २०२४ पेश किया। नई संसद से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किसान, महिलाओं, स्वास्थ्य और इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर कई बड़ी घोषणाएं की। इस बजट में महिलाओं, युवाओं और किसानों से जुड़ी वेलफेयर स्कीम के लिए फंड जारी किया गया है। वहीं अंतरिम बजट पर अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिक्रिया आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरिम बजट को समावेशी और इनोवेटिव बताया है। साथ ही कहा कि यह बजट विकसित भारत के चार स्तंभ- युवा, गरीब, महिला, किसान सभी को सशक्त करेगा। उन्होंने इसे देश के भविष्य के निर्माण का बजट करार दिया है। साथ ही उन्होंने दावा करते हुए कहा कि यह बजट २०४७ तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की गारंटी देता है। यह बजट मजबूत भविष्य की गारंटी- पीएम मोदी बजट पेश होने के बाद पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि यह बजट मजबूत भविष्य की गारंटी है। अपने बयान में पीएम मोदी ने कहा कि 'इस बजट में युवा भारत की युवा आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। बजट में दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। अनुसंधान और नवाचार पर १ लाख करोड़ का फंड बनाने की घोषणा की गई है, बजट में स्टार्टअप को मिलने वाले टैक्स छूट के विस्तार का भी ऐलान किया गया है।

बजट में किसानों के लिए महत्वपूर्ण निर्णय-मोदी उन्होंने कहा कि इसमें राजकोषीय घाटे को नियंत्रण में रखते हुए पूंजीगत व्यय को ११ लाख ११ हजार १११ करोड़ रुपए की ऐतिहासिक ऊंचाई दी गई है। अंतरिम बजट पर पीएम ने कहा, 'आज इस बजट में किसानों के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण और बड़े निर्णय लिए गए हैं। NANO DAP का उपयोग, पशुओं के लिए नई योजनाएं, PM मत्स्य संपदा योजना के विस्तार और आत्मनिर्भर ऑयल सीड अभियान से किसानों की आय बढ़ेगी और खर्च कम होगा।' Budget 2024: लोकसभा चुनाव से पहले बजट में जनता के लिए क्या-क्या है खास, जानिए १० अहम बातें २ करोड़ और घर बनाने की घोषणा अंतरिम बजट पर पीएम मोदी ने कहा कि आयकर छूट योजना से मध्यम वर्ग के १ करोड़ लोगों को राहत मिलेगी। इस बजट में किसानों के लिए अहम फैसले लिए गए हैं। उन्होंने कहा, 'यह बजट गरीबों और मध्यम वर्ग के सशक्तिकरण और उनके लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने पर जोर देता है। गरीबों के लिए २ करोड़ और घर बनाने की घोषणा की गई है। हमारा लक्ष्य ३ करोड़ 'लखपति दीदी' बनाना है। अब आशा और आगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भी आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिलेगा।

क्या है लखपति दीदी योजना, जिससे ३ करोड़ महिलाओं को आर्थिक मजबूती देगी सरकार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने १ फरवरी २०२४ को केंद्र का अंतरिम बजट संसद में पेश कर दिया. बजट भाषण के दौरान उन्होंने महिलाओं के लिए कई अहम घोषणाएं कीं. उन्होंने इस दौरान लखपति दीदी योजना का जिक्र भी किया. उन्होंने कहा कि अब तक एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बना दिया गया है. साथ ही कहा कि अब ३ करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य तय किया गया है. बता दें कि पहले २ करोड़ लखपति दीदी बनाने का लख्य तय किया गया था, जिसे अब बढ़ा दिया गया है.

सरकार ने लखपति दीदी योजना के जरिये स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक तौर पर मजबूत बनाने की पहल की. इसके तहत सरकार पात्र महिलाओं को स्वरोजगार शुरू करने के लिए १-५ लाख रुपये तक की ब्याजमुक्त आर्थिक सहायता करती है. सरकार का मकसद इस योजना के जरिये महिलाओं को रोजगार से जोड़ना, उनके जीवनस्तर को बेहतर बनाना, आमदनी में बढ़ोतरी करना, आत्मनिर्भर व सशक्त बनाना है. दूसरे शब्दों में कहें तो सरकार ने आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं को आगे लाने के लिए लखपति दीदी योजना शुरू की थी.

लखपति दीदी योजना की मदद से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अपना उद्योग शुरू करके ना सिर्फ अपनी बल्कि दूसरी महिलाओं की आर्थिक स्थिति में भी सुधार ला रही हैं. देश में इस समय करीब ८३,००,००० स्वयं सहायता समूह हैं. इनसे ९ करोड़ से ज्यादा महिलाएं जुड़ी हैं. सरकार ने इन्हीं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए लखपति दीदी योजना शुरू की थी. सरकार का दावा है कि योजना के जरिये अब तक १ करोड़ महिलाओं को फायदा मिल चुका है.

लखपति दीदी स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी उन महिलाओं को कहा जाता है, जिनकी प्रति परिवार सालाना आमदनी १ लाख रुपये या इससे ज्यादा पर पहुंच गई है. ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना है. उन्होंने देश के ७७वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से इस योजना का ऐलान किया था. सरकार योजना के तहत महिलाओं को कई सहूलियतें देती है. इनमें वित्तीय और कौशल प्रशिक्षण भी दिया जाता है. प्रशिक्षित महिलाएं अपनी आय बढ़ाकर लखपति बन रही हैं. योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को एलईडी बल्ब बनाने से लेकर प्लंबिंग, ड्रोन रिपेयरिंग जैसे तकनीकी काम सिखाए जाते हैं. इससे उन्हें अपनी आमदनी बढ़ाने में पूरी मदद मिलती है.

Budget 2024: बजट में महिलाओं के लिए क्या रहा खास? वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने की ये घोषणाएं...

Budget 2024: केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को संसद में अंतरिम बजट २०२४ पेश किया है। इस अंतरिम बजट में महिलाओं के लिए कई घोषणाएं की गईं हैं। हालांकि, महिलाओं के लिए बजट घोषणाओं का अंदाजा राष्ट्रपति के अभिभाषण से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने संकेत में दे दिया था, जब उन्होंने अपने संबोधन में 'नारी शक्ति' पर विशेष रूप से जोर दिया था। मोदी सरकार ने संसद भवन के पहले सत्र में ही नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित कर दिया था। निर्मला सीतारमण ने आज पेश किए गए अपने अंतरिम बजट में कई बड़ी घोषणाएं की है।

लोकसभा चुनाव से पहले बजट में जनता के लिए क्या-क्या है खास,

● उद्यमिता के सहारे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश की।

● पिछले १० वर्षों में उच्च शिक्षा में महिला नामांकन में २८ प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

● एसटीईएम पाठ्यक्रमों में लड़कियों और महिलाओं का नामांकन ४३ प्रतिशत है, जो दुनिया में सबसे अधिक है।

● तीन तलाक गैरकानूनी घोषित किया गया।

● पीएम आवास के तहत ७० प्रतिशत महिलाओं को घर दिया गया।

● महिलाओं को संसद में आरक्षण देने के लिए कानून लेकर आए हैं।

● लखपति दीदी योजना के तहत एक करोड़ महिला लखपति दीदी बन गई हैं। महिलाओं के लिए क्या-क्या घोषणाएं की गईं

● सर्वाइकल कैंसर को रोकने के लिए टीकाकरण को बढ़ावा दिया जाएगा।

● आयुष्मान भारत योजना के तहत आशा, आंगनवाड़ी वर्कर्स और सेविकाओं को भी हेल्थ कवर दिया जाएगा।

● मिशन इंद्रधनुष में टीकाकरण बढ़ाया जाएगा। इसके तहत ९ से १४ साल की लड़कियों को मुफ्त टीका लगाया जाएगा।

● वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि लखपति दीदी को बढ़ावा दिया जाएगा।

● ग्रामीण आवास २ करोड़ से बढ़ाकर ३ करोड़ करने का निर्णय लिया गया है। ९ करोड़ महिलाओं के जीवन में बदलाव आया है। २०२३-२४ बजट में महिलाओं को क्या मिला था?

● महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया गया।

● महिला सम्मान बचत पत्र योजना शुरू की गई थी । इसमें महिलाओं को २ लाख की बचत पर ७.५% का ब्याज मिल रहा है।

● दीन दयाल अंत्योदय योजना के तहत ग्रामीण महिलाओं को ८१ लाख स्वयं सहायता समूह से जोड़ा गया था।

● स्वयं सहायता समूह को आर्थिक सशक्तिकरण के अगले चरण तक पहुंचाने के लिए बड़े उत्पादक उद्यम बनाये गये।

● उज्जवला योजना के तहत ९.६ करोड़ एलपीजी कनेक्शन दिए गए। अंतरिम बजट क्या होता है? गौर करने वाली बात ये है कि १ फरवरी, २०२४ को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा अंतरिम बजट पेश किया गया है। ये कोई आम बजट नहीं हैं। अंतरिम बजट आम बजट से छोटा होता है। इसमें नई सरकार के गठन तक राजस्व और व्यय के अनुमान को प्रस्तुत किया जाता है ताकि बाजार में निवेशकों का भरोसा बना रहे। अप्रैल से जुलाई यानी ४ महीने में जो खर्च होने हैं उसकी अनुमति इस बार के अंतरिम बजट के जरिये ली जाएगी। संसद में अंतरिम बजट दो स्थितियों में पेश किया जाता है। एक या तो सरकार के पास पूर्ण या आम बजट पेश करने का समय नहीं हो या फिर तुरंत लोकसभा चुनाव होने वाला हो। इस बार का बजट, अंतरिम बजट इसलिए है क्योंकि सरकार को कुछ महीने बाद चुनाव में जाना है।

'नौकरी का मतलब दफ्तर में काम ही नहीं' : निर्मला सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'काम का मतलब सिर्फ नौकरी या दफ्तर में काम करना नहीं है. काम का मतलब रोजगार है. अपना कारोबार चलाना या स्टार्ट अप करना भी रोजगार है. मोदी सरकार कोई भी योजनाएं बनाने से पहले इस बात पर खासा जोर देती है कि नई योजनाओं से नए जॉब क्रिएशन पर क्या असर पड़ेगा?'

नई दिल्लीः वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार २.० के अंतरिम बजट में भविष्य की मजबूत नींव रखने की कोशिश की है. सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष में बुनियादी ढांचे के खर्च को ११ फीसदी तक बढ़ाने की योजना बनाई है. वित्त मंत्री ने अगल पांच सालों की रूपरेखा तैयार की है. इसमें रोटी, कपड़ा, मकान, सेहत, शिक्षा और रोजगार का ध्यान रखा गया है. अंतरिम बजट २०२४ को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने NDTV से कहा कि मोदी सरकार ने अंतरिम बजट में ही भविष्य के नए भारत की नींव रख दी है. सीतारमण ने बताया कि बजट में ऐलान किए गए योजनाओं से रोजगार सृजन (Job Creation) में क्या मदद मिलेगी और भारत कैसे आत्मनिर्भर बनेगा.

इंटरव्यू में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'काम का मतलब सिर्फ नौकरी या दफ्तर में काम करना नहीं है. काम का मतलब रोजगार है. अपना कारोबार चलाना या स्टार्ट अप करना भी रोजगार है. मोदी सरकार कोई भी योजनाएं बनाने से पहले इस बात पर खासा जोर देती है कि नई योजनाओं से नए जॉब क्रिएशन पर क्या असर पड़ेगा? हर योजना पर पीएम पूछते हैं-कितनी नौकरी बनेगी? अगर आप में क्षमता है और आप अपना बिजनेस चलाना चाहते हैं, तो सरकार मदद करती है. हमारे पास ऐसी योजनाएं हैं. हमने सशक्तीकरण पर खास जोर दिया है. प्राइवेट इन्वेस्टमेंट बढ़ाने पर सरकार काम करेगी.'

निर्मला सीतारमण ने कहा, 'हमें पीएम के नेतृत्व में अटूट विश्वास है. पीएम मोदी देश के आर्थिक मामलों में पूरा अनुशासन रखते हैं. मोदी सरकार ने जनता को समझ में आने वाले बजट दिए. हमने किसानों के ऊपर कोई बोझ नहीं डाला. हमने बजट में आमदनी और खर्च का पूरा ब्योरा दिया. सब्सिडी कट की वजह से किसी पर कोई बोझ नहीं डाला है.'

आर्थिक वृद्धि को बढ़ाने और रोजगार पैदा करने के लिए मोदी सरकार ने मौजूदा बजट में पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में ११.१ फीसदी की बढ़ोतरी की है. वित्त मंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर, एग्रिकल्चर, टूरिज्म, सोलर, फिशिंग, रिसर्च एंड डेवलपमेंट जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए कई उपायों की घोषणा की, जिससे रोजगार के मौके पैदा होंगे और इनकम बढ़ेगी.

अंतरिम बजट में सरकार के वो ऐलान, जिनसे बनेंगे रोजगार के मौकेः-

१. रूफटॉप सोलराइजेशन के जरिए १ करोड़ परिवार हर महीने ३०० यूनिट तक मुफ्त बिजली प्राप्त करने में सक्षम होंगे. इस योजना के माध्यम से सप्लाई और इंस्टॉलेशन के लिए बड़ी संख्या में लोगों की जरूरत होगी. जिससे रोजगार के मौके बनेंगे. मैन्युफैक्चरिंग, इंस्टॉलेशन और मेंटेनेंस में टेक्निकल स्किल रखने वाले युवाओं को रोजगार मिलेगा.

२. सरकार कृषि क्षेत्र में वैल्यू एडिशन और किसानों की इनकम बढ़ाने के प्रयास बढ़ाएगी. निर्मला सीतारमण ने कहा, 'कृषि क्षेत्र की तेज वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए हमारी सरकार एग्रीगेशन, मॉर्डन वेयरहाउसिंग, सप्लाई चेन, प्राइमरी और सेकेंडरी प्रोसेसिंग, मार्केटिंग और ब्रांडिंग समेत फसल कटाई के बाद की गतिविधियों में निजी और सार्वजनिक निवेश को बढ़ावा देगी. इससे भी रोजगार के मौके बनेंगे.'

३. अंतरिम बजट में सरकार ने मत्स्य पालन को लेकर भी योजना का ऐलान किया है. इससे जल्द ही लगभग ५५ लाख रोजगार के अवसर पैदा होंगे, क्योंकि सरकार का लक्ष्य प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (झ्श्एभ) के कार्यान्वयन को बढ़ाना है.

४. भारत के टेक्नोलॉजी फ्रेंडली युवाओं पर फोकस करते हुए सरकार ने अंतरिम बजट में '५० वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण' के साथ १ लाख करोड़ रुपये का एक फंड बनाने का ऐलान किया है. यह फंड लंबी अवधि और कम या जीरो ब्याज दरों के साथ लॉन्ग टर्म फंडिंग मुहैया कराएगी. इससे निजी क्षेत्र को रिसर्च और इनोवेशन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा.

५. इंफ्रास्ट्रक्चर में भी सरकार ने रोजगार को लेकर ऐलान किए हैं. पिछले ४ वर्षों में कैपिटल एक्सपेंडिचर ३ गुना होने से आर्थिक विकास और रोजगार सृजन पर कई गुना प्रभाव पड़ा है. अगले वर्ष के लिए कैपिटल एक्सपेंडिचर ११.१ फीसदी बढ़ाकर ११.११ लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है. यह जीडीपी का ३.४ फीसदी होगा.

६. घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने अंतरिम बजट में लक्षद्वीप समेत भारतीय द्वीपों पर बंदरगाह कनेक्टिविटी, पर्यटन बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के लिए परियोजनाएं शुरू करने का ऐलान किया. इससे रोजगार पैदा करने में मदद मिलेगी.

राजनीति

बिहार में सियासी घमासान

बिहार की राजनीति में आ गया भूचाल !

बिहार में सियासी घमासान थ्द्धः रविवार सुबह १० बजे इस्तीफा, शाम को ले सकते हैं नीतीश ण्श पद की शपथ; लालू ने भी 'खेला' खेल

ॅर्ग इ्दतूर्ग्मे ृीेग थ्वन ळ्ज्रौः बिहार में सत्ता परिवर्तन को लेकर बीते दो दिनों से चल रहे अटकलों पर विराम लगाया। नीतीश कुमार की अगुवाई वाली JDU की कोर कमेटी की बैठक में RJD से गठबंधन तोड़ने का फैसला लिया गया।

बिहार में नीतीश कुमार की JDU ने लालू प्रसाद यादव की RJD से गठबंधन तोड़ने का फैसला लिया है। जेडीयू की कोर कमेटी की बैठक में यह निर्णय लिया गया। सूत्रों के हवाले से मिली खबर के अनुसार नीतीश कुमार रविवार सुबह १० बजे राज्यपाल को इस्तीफा सौंप देंगे। इसके लिए पूरी रणनीति तैया हो चुकी है। जेडीयू ने अपने सभी विधायकों को शाम ६ बजे मुख्यमंत्री आवास पर बैठक के लिए बुलाया है।

राजद की नेता मीसा भारती ने कहा कि क्या चल रहा है अभी मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। जब भी बिहार में राष्ट्रीय जनता दल की सरकार बनी है, हमने बिहार के लोगों की भलाई के लिए काम किया है। हम आगे भी ऐसा करते रहेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि आसानी से तख्तापलट नहीं होने देंगे और इतनी आसानी से दोबारा ताजपोशी नहीं होने देंगे। राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने शनिवार दोपहर एक बजे पटना में तेजस्वी यादव के सरकारी आवास ५ सर्कुलर रोड पर विधायक दल की बैठक बुलाई है। इस बैठक में तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अभी खेला हुआ नहीं है होना बाकी है। तेजस्वी ने यह भी कहा कि नीतीश हमारे आदरणीय थे और हमेशा रहेंगे। आरजेडी विधायकों से इस्तीफा नहीं देने के लिए कहा गया।

बिहार में चल रहे सियासी उठापटक के बीच बिहार बीजेपी की कोर कमेटी शनिवार शाम खत्म हो गई। इसमें जेडीयू के साथ गठबंधन करने के बारे में बातचीत हुई। बैठक में शामिल होकर बाहर निकलने पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि अभी मैं कुछ भी नहीं कह सकता। नीतीश कुमार अभी भी मुख्यमंत्री और तेजस्वी यादव उप मुख्यमंत्री बने हुए हैं।

केसी त्यागी ने कहा कि INDIA गठबंधन टूट के कगार पर है। हमारे नेता नीतीश कुमार ने विपक्ष के दलों को एकजुट किया था। कांग्रेस पार्टी के गैर जिम्मेदाराना और अड़ियल रवैये ने इसे तार-तार कर दिया है। पंजाब में बीजेपी और अकाली दल के बीच गठबंधन की संभावना बढ़ी है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच झगड़े की संभावना बढ़ी है। यूपी में अखिलेश यादव दुखी हैं। उन्होंने कांग्रेस को सुझाव दिया है कि कांग्रेस ज्यादा जिम्मेदारी से पेश आए। बंगाल में टीएमसी ने कांग्रेस की यात्रा को इजाजत न देकर झगड़ा बढ़ा दिया है। इंडिया गठबंधन टूट की कगार पर है।

बिहार भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने पूर्व सीएम जीतन राम मांझी से पटना में उनके आवास पर मुलाकात की। करीब १० मिनट चली मुलाकात के बाद सम्राट कोर कमेटी की मीटिंग में शामिल हुए। दिल्ली में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने उनके आवास पर पहुंचे हैं। उनके साथ

Bihar Political Crisis : *बिहार में सत्ता परिवर्तन को लेकर बीते दो दिनों से चल रहे अटकल ों पर विराम लगाया। नीतीश कुमार की अगुवाई वाल ी व्ळ्ळ की कोर कमेटी की बैठक में व्ङ्क से गठबंधन तोड़ने का फैसला लिया गया। बिहार की राजनीति में घटनाक्रम बहुत तेजी से बदलता हुआ दिखाई दे रहा है। बिहार में राजद, जदयू और कांग्रेस की महागठबंधन सरकार फिलहाल वेंटिलेटर पर नजर आ रही है। राजद और जदयू के बीच जबरदस्त तरीके से दूरियां दिखाई दे रही हैं। इन सबके बीच खबर यह है कि नीतीश कुमार भाजपा के साथ मिलकर एक बार फिर से सरकार बना सकते हैं। जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह जदयू की बड़ी बैठक होगी। इसके बाद एनडीए की बैठक होगी। सूत्रों के मुताबिक तब नीतीश कुमार अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंपेंगे और साथ ही साथ सरकार बनाने का दावा भी करेंगे। रविवार शाम ४:०० के आसपास मुख्यमंत्री के तौर पर नीतीश कुमार एक बार फिर से शपथ लेंगे। इस बार उनके साथ भाजपा के नेता उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। इसका मतलब साफ है कि रविवार को बिहार में नई सरकार होगी। लेकिन उसके चेहरा नीतीश कुमार रहेंगे। नीतीश कुमार ९वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। भाजपा विधायक दल की आज बैठक हुई जिसमें तमाम चीजों को लेकर राय ली गई है। बिहार बीजेपी प्रदेश कार्यकारिणी समिति की बैठक पर बीजेपी सांसद राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि यह बैठक पटना में हुई, इसमें पार्टी के सभी विधायक, सांसद और वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। हमने मूल रूप से चर्चा की, कर्पूरी ठाकुर के लिए भारत रत्न के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया, पार्टी ने पीएम मोदी के फैसले की सराहना की। जहां तक राजनीतिक मोर्चे का सवाल है, हम अभी भी घटनाक्रम का इंतजार कर रहे हैं। दूसरी ओर खबर यह है कि नीतीश और भाजपा के बीच २०२० वाल ` फॉर्मूले पर डील पक्की हो गई है। नीतीश कुमार के साथ भाजपा कोटे से दो उपमुख्यमंत्री शामिल हो सकते हैं। वहीं, स्पीकर का पद भी भाजपा के पास जाएगा। हालांकि राजद खेमा भी पूरी तरीके से सक्रिय है और जोड़-तोड़ की गणित की कोशिश में लगा हुआ है। हालांकि, फिलहाल ८ विधायकों को जुटा पाना लालब यादव के लिए मुश्किल दिखाई दे रहा है।*

बिहार के सियासी घमासान पर अपडेट्स...

नीतीश कुमार रविवार को जेडी (यू)-बीजेपी गठबंधन के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं, जबकि बीजेपी के दिग्गज नेता सुशील मोदी उनके डिप्टी के रूप में लौटेंगे।

एएनआई के अनुसार, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह समेत कई भाजपा कार्यकर्ता नीतीश कुमार को एनडीए में फिर से लेने की अटकलों से नाखुश हैं।

जदयू नेता संजीव कुमार और विधायक गोपाल मंडल ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता नीतीश कुमार के साथ रहेंगे, चाहे वह कोई भी निर्णय लें। संजीव कुमार ने कहा कि अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है। नीतीश कुमार १८ साल तक मुख्यमंत्री रहे हैं और उनके साथ काम करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है।

गोपाल मंडल ने दावा किया कि नीतीश कुमार का महागठबंधन में सम्मान नहीं किया गया। उनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। जेडीयू के विधायक एकजुट हैं, इसलिए उन्हें तोड़ना संभव नहीं है।

विकासशील इंसान पार्टी (न्ध्झ) के अध्यक्ष मुकेश सहनी ने कहा कि उन्हें कुछ भी पता नहीं है।लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि महागठबंधन सरकार अभी तक गिरी नहीं है।

राजद विधायक रीतलाल यादव ने कहा कि पार्टी प्रमुख लालू यादव को कोई धोखा नहीं दे सकता, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि राजद बिहार में सत्ता में रहेगा या नहीं। बिहार में मौजूदा राजनीतिक उथल-पुथल के परिणाम की परवाह किए बिना जनता के लिए काम जारी रहेगा।

केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (थ्द्भ) के प्रमुख पशुपति कुमार पारस ने बिहार राजनीतिक संकट के बीच लोगों से १-२ दिन इंतजार करने को कहा। समय व्यक्ति से अधिक शक्तिशाली है और समय के साथ, राज्य की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

चिराग पासवान भी हैं।

बीजेपी सांसद दिलीप घोष ने कहा कि लोग जानना चाहते हैं कि नीतीश कुमार क्या वह फिर से यू-टर्न लेंगे, या लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे?। आरजेडी और जदयू गठबंधन पर दिलीप घोष ने कहा कि समस्या यह है कि न तो वे अलग-अलग काम कर सकते हैं और न ही एक साथ काम कर सकते हैं।

जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार जी राज्य के निर्वाचित सीएम हैं। उन्हें किसी पद की चाहत नहीं है। जिनके मन में भ्रम है वे बेहतर जान लें। कांग्रेस नेता प्रेम चंद्र मिश्रा ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को भ्रम की स्थिति को खत्म करना चाहिए और स्पष्टता लानी चाहिए। हमारे लिए, नीतीश जी अभी भी भारत गठबंधन का हिस्सा हैं।

भाजपा ने प्रदेश कार्यसमिति की बैठक २७ और २८ फरवरी को पटना में बुलाई है। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी हिस्सा ले सकते हैं। दावा किया जा रहा है कि बैठक में लोकसभा चुनावों और बिहार की मौजूदा सियासी तस्वीर को लेकर चर्चा होगी। सभी भाजपा सांसदों और विधायकों को आज की बैठक में शामिल होने के लिए कहा गया है, जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और बिहार प्रभारी विनोद तावड़े भी मौजूद रहेंगे।

जनता दल (यूनाइटेड) यानी नीतीश कुमार की पार्टी ने रविवार सुबह १० बजे विधायक दल की बैठक बुलाई है। अभी इस बात को लेकर सस्पेंस है कि नीतीश कुमार एक बार फिर बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ जा सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, बैठक के बाद उनके राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिलने और रविवार शाम या सोमवार सुबह शपथ ग्रहण समारोह से पहले नई सरकार बनाने का दावा पेश करने की संभावना है।नीतीश कुमार रविवार को जेडी (यू)-बीजेपी गठबंधन के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं, जबकि बीजेपी के दिग्गज नेता सुशील मोदी उनके डिप्टी के रूप में लौटेंगे।

एएनआई के अनुसार, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह समेत कई भाजपा कार्यकर्ता नीतीश कुमार को एनडीए में फिर से लेने की अटकलों से नाखुश हैं।

जदयू नेता संजीव कुमार और विधायक गोपाल मंडल ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता नीतीश कुमार के साथ रहेंगे, चाहे वह कोई भी निर्णय लें। संजीव कुमार ने कहा कि अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है।

INDIA गठबंधन को बीच मझधार में क्यों छोड़ गए नीतीश कुमार?

नीतीश कुमार १८ साल तक मुख्यमंत्री रहे हैं और उनके साथ काम करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। गोपाल मंडल ने दावा किया कि नीतीश कुमार का महागठबंधन में सम्मान नहीं किया गया। उनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। जेडीयू के विधायक एकजुट हैं, इसलिए उन्हें तोड़ना संभव नहीं है।

विकासशील इंसान पार्टी (VIP) के अध्यक्ष मुकेश सहनी ने कहा कि उन्हें कुछ भी पता नहीं है।लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि महागठबंधन सरकार अभी तक गिरी नहीं है।

राजद विधायक रीतलाल यादव ने कहा कि पार्टी प्रमुख लालू यादव को कोई धोखा नहीं दे सकता, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि राजद बिहार में सत्ता में रहेगा या नहीं। बिहार में मौजूदा राजनीतिक उथल-पुथल के परिणाम की परवाह किए बिना जनता के लिए काम जारी रहेगा। केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (RLJP) के प्रमुख पशुपति कुमार पारस ने बिहार राजनीतिक संकट के बीच लोगों से १-२ दिन इंतजार करने को कहा। समय व्यक्ति से अधिक शक्तिशाली है और समय के साथ, राज्य की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

अध्यक्ष पद के लिए, सुझाव कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे का था, जिनका नाम विपक्ष के प्रधान मंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने भी पिछली बैठक में प्रस्तावित किया था।

बिहार में बीजेपी और नीतीश कुमार कैबिनेट बर्थ साझा करने के लिए २०२० के फॉर्मूले पर कायम रहेंगे। बिहार के मुख्यमंत्री ने पिछले हफ्ते - एक दशक में पांचवीं बार - पाला बदल लिया और भाजपा के साथ साझेदारी में एक नई सरकार बनाई, जिसे उन्होंने २०२२ में छोड़ दिया था। उन्होंने रविवार को भाजपा के दो विधायकों के साथ शपथ ली। सूत्रों ने बताया कि अगले कुछ दिनों में मंत्रिपरिषद का विस्तार किया जाएगा और उसके बाद विभागों का बंटवारा किया जाएगा। महत्वपूर्ण गृह विभाग कुमार के पास रहेगा। सूत्रों ने संकेत दिया कि आने वाले दिनों में दोनों पक्ष लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर भी चर्चा करेंगे, लेकिन बिहार की ४० संसदीय सीटों के लिए पहले के १७-१७ फॉर्मूले में बदलाव करना होगा।

ऐसा इसलिए क्योंकि नए सहयोगियों के लिए भी सीटें आवंटित करनी होंगी, जिनमें जीतन राम मांझी की हम भी शामिल है। सूत्रों ने कहा, नीतीश १३ जनवरी को विपक्ष छोड़ने का मन बना लिया था, जिस दिन वे एक वीडियो बैठक कर रहे थे। राहुल गांधी से नाराज होकर वह १० मिनट पहले ही बैठक छोड़कर चले गए थे। सूत्रों ने कहा कि जिस बात ने उन्हें अंतिम कदम तक पहुंचाया वह राहुल गांधी की प्रतिक्रिया थी कि वह इंडिया ब्लॉक के समन्वयक के पद पर ममता बनर्जी से परामर्श करेंगे। इसके कुछ देर बाद ही नेताओं ने उन्हें संयोजक चुन लिया। लेकिन सूत्रों ने कहा कि नाराज कुमार ने यह पद अस्वीकार कर दिया और कहा कि इसे लालू यादव को दिया जा सकता है।

अध्यक्ष पद के लिए, सुझाव कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे का था, जिनका नाम विपक्ष के प्रधान मंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने भी पिछली बैठक में प्रस्तावित किया था। जनता दल (यूनाइटेड) ने बिहार में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के टूटने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि इसके नेता अपनी पार्टी को मजबूत करने में लगे थे, विपक्षी गठबंधन को नहीं। जद (यू) के प्रवक्ता के. सी. त्यागी ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस के भीतर का एक ''गुट'' 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व हथियाना चाहता था और साजिश के तहतनेता मल्लिकार्जुन खरगे का नाम गठबंधन के अध्यक्ष के तौर पर प्रस्तावित किया गया।

त्यागी ने कहा कि इंडिया पार्टियों के बीच समन्वय स्थापित नहीं हो सका। बाहर से सब कुछ सामान्य लग रहा था लेकिन कांग्रेस गठबंधन दलों के साथ राजनीति कर रही थी। जब हम गठबंधन को मजबूत करने के लिए काम कर रहे थे, तो कांग्रेस महत्वपूर्ण पद हथियाने में व्यस्त थी। वे सपा, द्रमुक, टीएमसी और अन्य क्षेत्रीय दलों को कमजोर करने की कोशिश कर रहे थे। एक बार राहुल गांधी ने कहा था कि क्षेत्रीय पार्टियों की कोई विचारधारा नहीं होती। इस कारण हमने गठबंधन से नाता तोड़ लिया।

उन्होंने कहा कि इससे पहले मुंबई में हुई बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि बिना किसी पीएम चेहरा, इंडिया गठबंधन चलेगा...एक साजिश के तहत ममता बनर्जी से खड़गे का नाम पीएम चेहरे के तौर पर प्रस्तावित करवाया गया। बाकी सभी पार्टियों ने कांग्रेस के खिलाफ लड़कर अपनी अलग पहचान बनाई है। कांग्रेस सीट बंटवारे को लेकर खींचतान करती रही, हम कहते रहे कि सीटों का बंटवारा तुरंत होना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इंडिया गठबंधन के पास बीजेपी के खिलाफ लड़ने की योजना का अभाव है।

मुख्यमंत्री के तौर पर नीतीश कुमार का सफर...

नीतीश कुमार जब-जब असहज हुए हैं उन्होंने अपना सियासी पार्टनर बदला है. २०१२ में जब नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री उम्मीदवार के तौर पर नाम आया तब २०१३ आते-आते नीतीश कुमार NDA से १७ साल पुराना नाता तोड़ लिया. यहीं से उन्होंने अपनी सियासत में 'पलटनीति' को अपना अस्त्र बना लिया. तब नीतीश कुमार नरेंद्र मोदी को लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान समिति का अध्यक्ष बनाया गया था. इससे नाराज होकर उन्होंने पहली बार पाला बदल लिया और लालू यादव के साथ मिलकर सरकार बना ली.

नीतीश कुमार पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री साल २००० में बने थे। हालांकि बहुमत साबित नहीं कर पाने की वजह से महज सात दिन में ही इस्तीफा देना पड़। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर से पाल ा बदलने की तैयारी कर चुके हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि वही RJD और कांग्रेस के साथ नाता तोड़कर भाजपा के साथ आएंगे। अगर ऐसा होता है तो नीतीश कुमार नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे। नीतीश कुमार का बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर कार्यकाल का समय काफी दिलचस्प है। नीतीश कुमार कभी सात दिन के लि ए मुख्यमंत्री बने, कभी , तीन साल तो कभी साल भर के भीतर ही दोबारा मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

पहला कार्यकाल (२०००): मार्च २००० में नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री चुने गये। सरकार ७ दिनों तक चली और नीतीश ने सदन में बहुमत साबित करने में विफल रहे और इस्तीफा दे दिया।

दूसरा कार्यकाल (२००५-२०१०): २००५ के बिहार विधानसभा चुनाव के बाद नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अपना कार्यकाल सफल ता से पूरा किया। सड़कों का निर्माण करवाने जैसे कार्यों के लिए तारीफ मिली।

तीसरा कार्यकाल (२०१०-२०१४): २०१० में नितीश कुमार ने तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके चार साल बाद लोकसभा चुनाव में पार्टी को मिली हार की जिम्मेदारी लेते हुए १७ मई २०१४ को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाया गया।

चौथा कार्यकाल (२०१५): साल २०१५ में जीतन राम मांझी के साथ नितीश कुमार का कलह शुरू हो गया। जीतन राम मांझी के फैसले से नाराज होकर २०१५ में नीतीश कुमार ने एक बार फिर से कमान संभाली और चौथी बार मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लिया।

पांचवा कार्यकाल (२०१५ - २०१७): २०१५ के बिहार विधान सभा चुनाव के बाद २२ फरवरी २०१५ को नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री बने। इस बार जद (यू), राजद और कांग्रेस वाले महागठबंधन ने चुनाव जीता। तेजस्वी यादव उप मुख्यमंत्री बनाए गए। हालांकि, तेजस्वी यादव पर भ्रष्टाचार के आरोप ल गने के बाद नीतीश कुमार ने दो साल बाद २६ जुल ाई, २०१७ इस्तीफा दे दिया।

छठा कार्यकाल (२०१७ - २०२०): इस्तीफा देने के के बाद नीतीश कुमार ने पाला बदला और एनडीए में शामिल हो गए। कुछ ही घंटों में सत्ता में वापस आ गए और मुख्यमंत्री की गद्दी संभाल ली। सुशील मोदी को बिहार का उप मुख्यमंत्री बनाया गया।

सांतवा कार्यकाल (२०२०): नीतीश कुमार ने २०२० में सातवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस बार नीतीश का गठबंधन एनडीए के साथ थी। चुनाव में नीतीश की पार्टी ने कम सीटें जीतीं फिर भी एनडीए ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया। हालांकि, दो साल बाद ही ९ अगस्त, २०२२ एनडीए गठबंधन छोड़ महागठबंधन में शामिल हो गए।

आठवां कार्यकाल (२०२२ - वर्तमान): १० अगस्त २०२२ को महागठबंधन के नेता के तौर पर आठवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अब यह अटकलें आ रही है कि २८ जनवरी को नीतीश कुमार एक बार फिर से महागठबंधन छोड़ कर एनडीए में वापसी करेंगे। अगर ऐसा होता है तो नीतीश कुमार नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे।

कौन हैं गणपत गायकवाड़, जिन्होंने पुलिस स्टेशन में शिवसेना नेता महेश गायकवाड़ को मारी गोलियां

पुलिस स्टेशन में हुई फायरिंग

महाराष्ट्र के उल्हासनगर में भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ द्वारा एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता महेश गायकवाड़ को गोली मारने के आरोपों पर राजनीति गरमा गई है। विपक्ष ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पुलिस ने इस मामले में भाजपा विधायक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं।

गणपत गायकवाड़, कल्याण ईस्ट सीट से भाजपा विधायक हैं। गायकवाड़ तीन बार के विधायक है और साल २००९ से लगातार चुनाव जीत रहे हैं। गणपत गायकवाड़ दो बार निर्दलीय विधायक रहे हैं। गायकवाड़ ने सुलभा गायकवाड़ से शादी की है और इनके तीन बच्चे वैभव गायकवाड़, सयाली गायकवाड़ और प्रणव गायकवाड़ हैं। वहीं शिवसेना नेता महेश गायकवाड़ कोरपोरेटर हैं और सीएम एकनाथ शिंदे के करीबी माने जाते हैं। महेश गायकवाड़ उल्हासनगर शिवसेना के प्रमुख भी हैं।

महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता विजय वडेत्तिवार ने घटना को लेकर सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में लिखा 'उल्हासनगर के एक पुलिस स्टेशन में भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ और शिंदे गुट के कोरपोरेटर के बीच फायरिंग की घटना हुई है। भाजपा के बॉस 'सागर' बंगले में बैठे हैं और शिंदे गुट के बॉस 'वर्षा' बंगले में बैठे हैं, इसलिए दोनों पार्टियों के पदाधिकारियों और विधायकों को लगता है कि वह पुलिस के साथ खेल सकते हैं और कानून को अपने हाथ में ले सकते हैं।'

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता आनंद दुबे ने घटना को लेकर कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि 'जिस विधायक को लोगों की भलाई के लिए काम करना चाहिए, वे लोगों पर फायरिंग कर रहे हैं। तीन इंजन की सरकार में दो पार्टियों के नेता लड़ रहे हैं और एक दूसरे को मारने की कोशिश कर रहे हैं।'

भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ और शिवेसना नेता महेश गायकवाड़ के बीच कल्याण ईस्ट में एक संपत्ति पर मालिकाना हक को लेकर विवाद चल रहा है। इस मुद्दे पर दोनों पक्ष बीती ३१ जनवरी को आमने-सामने आ गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों पक्ष इसी मामले में शिकायत करने के लिए शुक्रवार शाम को उल्हासनगर के हिल लाइन पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। इसी दौरान दोनों पक्षों में फिर विवाद हो गया और विवाद इतना बढ़ा कि भाजपा विधायक पर आरोप है कि उन्होंने महेश गायकवाड़ और उनके समर्थकों पर फायरिंग कर दी। घटना में शिवसेना नेता और उनके एक समर्थक को दो-दो गोलियां लगी हैं। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं पुलिस ने इस मामले में भाजपा विधायक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। भाजपा विधायक का दावा है कि दूसरे पक्ष ने उनके बेटे के साथ बदतमीजी की, ऐसे में उन्होंने आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं।

पुलिस स्टेशन में हुई फायरिंग सीसीटीवी कैमरों में कैद

आमदार गायकवाड़ ने निशाना बनाकर गोली चलाई जिसके चलते पुलिस द्वारा मामला तत्काल दर्ज किया गया है। इस मामले के चलते सीसीटीवी चित्रण के माध्यम से जानकारी मिलने के कारण दोनों को गिरफ्तार किया गया है। हिललाईन पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल जगताप की नेतृत्व में शिवसेना के महेश पाटील और राहुल पाटील थे, जो मौके पर मौजूद थे। उनके सामने पुलिस अधिकारियों के बावजूद आमदार गायकवाड़ वहाँ थे। इस समय नागरिकों ने पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन करना शुरू किया था। इसे शांत करने के लिए पुलिस अधिकारी मौके पर थे। दालना में आमदार गायकवाड़ के सामने महेश गायकवाड़ मोबाइल में कुछ देख रहे थे। उनके पास उनके समर्थक राहुल पाटील और एक अन्य व्यक्ति थे। बहुत समय तक दालना में शांति बनी रही, किसी ने किसीसे बात नहीं की। फिर अचानक आमदार गायकवाड़ ने अपने स्वतंत्रता के लिए रिवॉल्वर से महेश और उनके समर्थकों की ओर गोलियां चलाई। गोलीबार के शोर के साथ, दालना में बैठे तीन लोग बाहर भाग गए। नेम लेते हुए गणपत ने गोलीबार करते हुए महेश को और उनके समर्थक राहुल को दालना में गिरा दिया। इस समय गणपत ने गोलीबार करते हुए खुद को सुरक्षित रखने के लिए रिवॉल्वर से रिवॉल्वर चलाने का प्रयास किया। महेश के गिरने वाले जख्मी हाथ को पकड़कर उसे मारने का प्रयास शुरू हो रहा था, लेकिन उच्च पुलिस अधिकारियों की गर्दन में आए हुए गणपत और महेश के समर्थकों ने दालना की ओर धावा बोला। इस समय दोनों को गहरे रक्तस्राव में गिरा दिया गया था। इस दौरान दोनों ने आपस में आपसी झगड़ा करते हुए एक दूसरे को मारने का प्रयास किया जो सीसीटीवी चित्रण में दिखाई देता है।

गोलीबार में घायल होने वाले महेश गायकवाड़ की स्थिति चिंताजनक है, इसकी जानकारी रुग्णालय प्रशासन ने प्रदान की है।

ठाणेः उल्हासनगर थाने में शुक्रवार रात को भाजपा के कल्याण पूर्व विभाग के आमदार गणपत गायकवाड़ द्वारा किए गए गोलीबार में घायल होने वाले शिवसेना के कल्याण पूर्व विभाग के शहरप्रमुख महेश गायकवाड़ की स्थिति चिंताजनक है, इसकी जानकारी रुग्णालय प्रशासन ने दी है। वहीं, राहुल पाटील की स्थिति स्थिर है और डॉक्टरों ने उनकी स्थिति को सुरक्षित रखने के लिए देखभाल की है, इसकी भी रुग्णालय प्रशासन ने बताया है। हिलल ाईन पोलीस ठाणे के वरिष्ठ निरीक्षक अनिल जगताप की दालना में शुक्रवार रात्रि में हुई घटना में आमदार गणपत गायकवाड़ और शहरप्रमुख महेश गायकवाड़ वहीं मौजूद थे। इस समय आमदार गायकवाड़ ने शहरप्रमुख महेश गायकवाड़ पर गोलीबारी की। इसमें महेश और उनके सहकारी राहुल पाटील दोनों घायल हो गए। इन दोनों को ठाणे के ज्यूपिटर रुग्णालय में इलाज के लिए ले जाया गया है। ज्यूपिटर रुग्णालय प्रशासन ने चिकित्सा बुलेटिन के जरिए इन दोनों की स्थिति का अपडेट दिया है। महेश गायकवाड़ ने २ फरवरी को रात्रि को रुग्णालय में उपचार के लिए दाखिला कराया। उन पर गोलीबारी के कई जखम हुए थे। उन पर रात्रि में शस्त्रक्रिया की गई, और इसके पश्चात उन्हें अतिदक्षता विभाग में ले जाया गया है। वह व्हेंटिल `टर पर हैं और उनकी स्थिति विचारित जा रही है। एक विशेषज्ञ टीम उनकी स्थिति का निरीक्षण कर रही है। इसी के साथ ही, राहुल पाटील भी बंदूकी की गोली से घायल होने के कारण रुग्णालय में उपचार के लिए दाखिल किया गया है। उन पर भी रात्रि में शस्त्रक्रिया की गई और वह भी अतिदक्षता विभाग में ठेवे जा रहे हैं। उनकी स्थिति स्थिर है और विशेषज्ञ डॉक्टरों के द्वारा ध्यानपूर्वक देखभाल की जा रही है। रुग्णालय प्रशासन ने इस संपूर्ण घटना की मेडिकल बुलेटिन के माध्यम से जानकारी प्रदान की है।

सामग्री :
२५० ग्राम पनीर (चौकोर कटा हुआ),
१/२ कप शिमला मिर्च (मीडियम कटी हुई)
२ कप दही,
१/४ टीस्पून लाल मिर्च पाउडर,
१ टीस्पून गरम मसाला,
१/४ टीस्पून हल्दी पाउडर,
१ टेबलस्पून बेसन,
१ टीस्पून नींबू का रस
नमक स्वादानुसार
१ प्याज कटी हुई,
२ टमाटर की प्यूरी,
१/४ कप काजू का पेस्ट
१/४ टीस्पून लाल मिर्च पाउडर,
१ टीस्पून गरम मसाला,
१/४ टीस्पून हल्दी पाउडर,
१ टीस्पून गरम मसाला,
१ टीस्पून कसूरी मेथी तेल जरुरत के अनुसार

विधि : सबसे पहले मैरीनेशन की सामग्री एक कटोरी में डालकर मिला लें। फिर पनीर, शिमला मिर्च और प्याज डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर आधे घंटे के लिए अलग रख दें। मीडियम आंच पर तवे पे तेल डाल कर गरम करने के लिए रख दें।- इसमें मैरीनेट किया हुआ पनीर, शिमला मिर्च और प्याज डालकर फ्राई कर लें। दूसरी ओर पैन में तेल डालकर गरम करने के लिए रख दें। इसमें प्याज डालकर भून लें। इसके बाद टमाटर प्यूरी डालकर पकाएं। अब इसमें काजू का पेस्ट डाल कर मिक्स करें। इसमें हल्दी पाउडर, गरम मसाला, ल ाल मिर्च और नमक डालकर भूनें। मसाले के तेल छोड़ने के बाद इसमें थोड़ा पानी डालकर एक उबाल आने तक पकाएं। फिर फ्राई किए हुए पनीर, शिमला मिर्च और प्याज डालकर मिक्स कर ५-१० मिनट तक पकाएं। आपका तवा पनीर टिक्का तैयार है।

दाल मखनी

सामग्रीः
100 ग्राम -काली साबुत उड़द दाल
50 ग्राम- काला चना या राजमा
1/4 खाने का सोडा
4-टमाटर
2-3- हरी मिर्च
थोड़ा सा - अदरक
2-3 टेबल स्पून -देशी घी
थोड़ी सी- हींग
1/2 चम्मच- जीरा
1/4 चम्मच -हल्दी पाउडर
1/4 चम्मच- लाल मिर्च पाउडर
1/4 चम्मच - गरम मसाला
स्वादुनासार -नमक
कटी हुयी हरी धनिया
विधिः

उड़द और चने या राजमा को धो कर 8 घंटे या रात में ही पानी में भिगो दें। इसके बाद दाल को धोकर कुकर में डालें। इसमें खाने वाला सोडा और नमक डाल कर पानी डालें और उबाल लें। अब टमाटर, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट तैयार कर लें। इसके बाद कढ़ाई में घी डालकर हींग और जीरा का तड़का लगाएं। इसके बाद इसमें कद्दूकस की हुई अदरक(थोड़ी सी), हल्दी पाउडर, धनियां पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डाल कर अच्छे से मिक्स करें। अब मसाले में टमाटर, हरी मिर्च का पेस्ट और क्रीम या मक्खन डालें। इसके बाद इस पूरे मिश्रण को अच्छे से भूनें। जब मसाला अच्छे से भुन जाए तो इसमें दाल डालकर मिक्स करें और आवश्यकतानुसार पानी मिलाएं। दाल को उबाल आने तक अच्छे से धीमी आंच पर पकाएं। इसके बाद हरी धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

चिली गार्लिक ब्रेडस्टिक्स

सामग्री
¼ कप मक्खन, नरम
6 लहसुन, ग्रेट किया हुआ
2 टेबल स्पून धनिया पत्ती,
1 टी स्पून मिक्स्ड हर्ब्स
1 टी स्पून चिल्ली फ़्लेक्स
¼ टी स्पून सफेद मिर्च पाउडर
¼ टी स्पून नमक
4 स्लाइस ब्रेड, सफेद या भूरा

विधिः सबसे पहले, एक छोटे कटोरे में ¼ कप मक्खन और ६ लहसुन लें। २ टेबल स्पून धनिया पत्ती, १ टीस्पून मिक्स्ड हर्ब्स, १ टीस्पून चिल्ली फ़्लेक्स, ¼ टीस्पून सफेद मिर्च पाउडर और ¼ टीस्पून नमक मिलाएं। अच्छी तरह से मिश्रण करें। अब ब्रेड के साइड्स को स्ट्रिप्स में काट लें। ब्रेड स्ट्रिप्स पर लहसुन मक्खन फैलाएं। तवे पर ब्रेडस्टिक्स को टोस्ट करें। ब्रेड को गोल्डन ब्राउन होने तक पलट-पलट कर पकाएं। अंत में, अधिक चिल्ली फ़्लेक्स के साथ चिली गार्लिक ब्रेडस्टिक्स का आनंद लें।

फाफड़ा

सामग्री
बेसन - १ कप
अजवाइन - १ टी स्पून
हल्दी - १/२ टी स्पून
सोडा - १ चुटकी
तेल - जरूरत के अनुसार
नमक - स्वादानुसार

विधिः फाफड़ा बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़ी बाउल में बेसन छान लें. इसके बाद बेसन में अजवाइन डालकर मिलाएं. अब इसमें आधा चम्मच हल्दी, १ टी स्पून तेल और एक चुटकी खाने का सोडा डालकर सभी को बेसन के साथ अच्छी तरह से मिक्स कर लें. अब हल्का गर्म पानी लें और थोड़ा-थोड़ा डालते हुए बेसन को गूंथ लें. ध्यान रखें कि बेसन न ज्यादा सख्त और न ज्यादा मुलायम होना चाहिए.बेसन का आटा गूंथने के बाद इसकी समान अनुपात की लोइयां तैयार कर लें और उसे एक सूती कपड़े से ढांक दें. अब एक लोई लें और उसे लंबा बेल लें. और एक प्लेट में अलग रख दें. इसी तरह सारी लोइयों से फाफड़े बेल लें.अब एक कड़ाही में तेल डालकर उसे मीडियम आंच पर गर्म करने के लिए रख दें. जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें बेले हुए फाफड़े डाल दें और उन्हें डीप फ्राई करें. फाफड़ों को पलट पलटकर १ से २ मिनट तक सेंकें जिससे वे दोनों ओर से सुनहरे होकर क्रिस्पी हो जाएं. इसके बाद फाफड़ों को एक प्लेट में निकाल लें. इसी तरह सारे फाफड़ों को तल लें. अब गरमागरम फाफड़े को कढ़ी और हरी मिर्च के साथ सर्व करें.

आलू का भरता

आलू- ५०० ग्राम उबले हुए
अमचूर पाउडर- १ टीस्पून
गर्म मसाला पाउडर- १ टीस्पून
चाट मसाला पाउडर- १ टीस्पून
नमक- स्वाद अनुसार
हरी मिर्च- २ से ३ बारीक कटी हुई
हरा धनिया- २ टेबलस्पून बारीक कटा हुआ
सूखी लाल मिर्च- २ से ३
जीरा- १ टीस्पून
काली मिर्च- १ टीस्पून
साबुत धनिया- २ टीस्पून
प्याज- २ मीडियम साइज के
हींग- चुटकीभर
तेल- एक चौथाई कप
विधिः

आलू का भरता बनाने के लिए सबसे पहले मसालें का पाउडर बना लें. इसके लिए एक पैन में जीरा, साबुत धनिया, सूखी लाल मिर्च और काली मिर्च को डालकर हल्का-हल्की खुशबू आने तक ड्राई रोस्ट कर लें. फिर गैस को बंद कर दें और मसालों को प्लेट में निकालकर ठंडा होने के लिए रख दें. जब तक मसाले ठंडे हो रहे हैं, इतने उबले हुए आलू को मैश कर लें. आलू को बारीक मैश न करें बल्कि थोड़ा मोटा मैश करें जिससे आलू का भरता खाते वक्त आलू के चंक्स मुंह में आएं. आलू को मैश करके एक साइड में रख लें. फिर मसालों के ठंडा होने के बाद इनको मिक्सी में डालकर दरदरा ग्राइंड कर लें. उसके बाद इस दरदरे पाउडर को मैश किए हुए आलू में डाल दें. फिर इसमें गर्म मसाला पाउडर, अमचूर पाउडर, चाट मसाला और स्वाद अनुसार नमक, हरी मिर्च और हरा धनिया डाल कर अच्छे से मिक्स कर लें. अब भरते को पकाने के लिए एक पैन में तेल डालकर गर्म होने के लिए रख दें. तेल गर्म होने पर इसमें जीरा और हींग को एक साथ डालकर थोड़ा सा चटखने दें. उसके बाद इसमें प्याज डालकर लाइट गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई करें.

फिर इसमें आलू का मिक्सचर जिसमें आपने मसाले डालकर मिक्स करके रखे हैं वह डाल दें. उसको डालकर ४ से ५ मिनट के लिए पका लें. जब आलू अच्छी तरह से पक जाएं तो उसके बाद इसमें थोड़ा सा हरा धनिया डालकर मिक्स कर लें. आपका स्वादिष्ट और आसान आलू का भरता तैयार है. इसको आप सर्विंग बाउल में निकालकर पराठे के साथ या रोटी के साथ सर्व कर सकते हैं.

Wholesale Furniture Market
Ulhasnagar,Mumbai

सस्ते फर्नीचर के 5 थोक बाजार
फर्नीचर खरीदिए आधे दामों पर
एक से बढ़कर एक एंटीक आइटम

शतरंज के अद्भुत सच...

दुनिया की सबसे महंगे शतरंज की कीमत लगभग ९.८ मिलियन डालर से अधिक है। अकेले एक राजा के टुकड़े का वजन १६५.२ ग्राम होता है जो १८ कैरेट के सोने का बना होता है और इसमें ७३ माणिक्य और १४६ हीरे जड़े होते हैं।

भारत का एक गांव तब शतरंज खेलने का आदी बन गया जब एक आदमी ने ५० साल पहले शराब का उपयोग बंद करने और जूआ खेलना बंद करने के लिए, सभी गावं वालो को शतरंज का खेल सीखा दिया।

एक कम्पनी है जो आपके घर के लिए छिपे हुए कमरें बनाने में माहिर है। और इस कमरें को खोलने के लिए एक शतरंज बोर्ड की आवश्यकता पड़ती है।

१९९९ में शतरंज ग्रेंडमास्टर 'गैरी कास्परोव' ने 'द वर्ल्ड इन ए गेम ऑफ़ चेस' नामक टूर्नामेंट में एक शतरंज का मैच खेला जो ४ महीने तक चला। ७५ से अधिक देशों के ५०००० से ज्यादा लोगों ने इस खेल में भाग लिया। गैरी ने ६२ साल की उम्र में भी खेल जीता था जब तक ५१ प्रतिशत से ज्यादा लोग इस्तीफा दे चुके थे।

१५ वीं शताब्दी में रानी इजाबेला की उपलब्धियों को दर्शाने के लिए शतरंज के नियमों को बदल दिया गया।

आर्मिनियाई स्कूलों में शतरंज एक महत्वपूर्ण विषय है।

शतरंज बोर्ड के हर प्यादे को जुआरी, सराय का मालिक की तरह सामान्य व्यवसाय का नाम दिया गया।

१६०० से पहले शतरंज का खेल प्रतिद्वंदी के सभी टुकड़ों पर कब्जा करके जीता जाता था बस एक अकेले राजा को छोडकर इस खेल की शैली को 'सत्यानाश' के रूप में जाना जाता था।

गणितीय रूप से देखने पर ब्रम्हाण्ड में परमाणुओं की तुलना में शतंरज के अधिक खेल संभव हैं।

दो ही चालों में प्रतिद्वंदी को शह और मात देना संभव है।

२०११ तक पूरे विश्व में ६०० मिलियन लोग शतरंज खेलना जानते थे।

२० घंटे १५ मिनट तक चले एक शतरंज के खेल ने सबसे लम्बे चैस खेल का रिकार्ड बनाया। लेकिन यह अन्ततः ड्रा रहा।

एक शतरंज बोर्ड पर पंक्तियों को रैंक्स तथा कॉलम को फाइल कहा जाता है।

शतरंज में एक स्थिति का वर्णन करने के लिए 'जुग्जवांग' नामक शब्द का इस्तेमाल किया जाता है जहां जाना कोई भी खिलाड़ी पसंद नहीं करता है क्यों कि वहां जाने से उनकी वर्तमान स्थिति खराब हो जाती है। दूसरे शब्दों में जो खिलाडी ऐसी स्थिति में कदम रखने के लिए मजबूर होता है उसे जुग्जवांग कहते हैं।

काफी चांसेस हैं कि आप एक शतरंज का खेल हार जायेंगे अगर खेल के बीच में आपका मोबाइल बजता है तो। शतरंज आईओसी द्वारा मान्यता प्राप्त एक खेल है और इसलिए खिलाड़ियों को डूग परिक्षण करवाना पड़ता है।

मेष :

मेष राशि के जातकों के लिए दिसंबर माह की शुरुआत थोड़ी उतार-चढ़ाव लिए रह सकती है। इस दौरान आपको घर-परिवार से मध्यम सुख की प्राप्ति होगी। खराब सेहत भी आपकी चिंता का बड़ा विषय बन सकती है। रिश्तों को बेहतर बनाए रखने के लिए अपनी राय किसी पर न थोपें। इस दौरान किसी वरिष्ठ व्यक्ति की सलाह से आप अपनी तमाम परेशानियों का हल खोजने में कामयाब हो जाएंगे। यह समय राजनीतिज्ञों के लिए विशेष रूप शुभ साबित होगा। दिसंबर महीने का उत्तरार्ध आपके परिवारिक जीवन और लव ल ाइफ के लिए बहुत ज्यादा शुभ रहेगा। आपसी प्रेम और विश्वास बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य के बन जाने से खुशी प्राप्त होगी।

वृषभः

वृष राशि के जातकों के लिए माह के दूसरे सप्ताह में किसी बड़ी चिंता के कारण मन परेशान रहेगा। समय पर सोचे हुए काम नहीं पूरे होने और दिनचर्या अव्यस्थित रहने के कारण शारीरिक एवं मानसिक थकान रहेगी। इस दौरान अचानक से कुछ बड़े खर्च आ जाने के कारण बजट गड़बड़ा सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में सीनियर अथवा जूनियर से उलझने से बचना चाहिए। आपको किसी भी बड़ी योजना अथवा भूमि-भवन में बहुत सोच-समझकर ही धन निवेश करना चाहिए। प्रेम संबंध के लिए उत्तरार्ध का समय गुडलक लिए हुए है। इस दौरान सिंगल लोगों की जिंदगी में मनचाहे पार्टनर का प्रवेश हो सकता है।

मिथुनः

मिथुन राशि के जातकों के लिए साल का आखिरी महीना करियर-कारोबार की दृष्टि से अनुकूल लेकिन सेहत और संबंध की दृष्टि से थोड़ा प्रतिकूल कहा जाएगा। ऐसे में आपको पूरे महीने अपने रिश्ते-नातों को बेहतर बनाए रखने के साथ अपनी सेहत और खानपान पर पूरा ध्यान देना चाहिए। इस माह भूलकर भी कोई ऐसी बात मुंह से न निकालें जिसके कारण आपके वर्षों से बने-बनाए रिश्ते टूट जाएं। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिसंबर महीने के मध्य का समय बेहद शुभ रहने वाला है। इस दौरान आपका प्रमोशन हो सकता है। यदि आप नौकरी में बदलाव के लि ए प्रयासरत थे तो आपको किसी अच्छी जगह से ऑफर मिल सकता है। व्यवसाय से जुड़े ल ोगों को भी कारोबार में खासा मुनाफा और प्रगति होगी। इस दौरान आपको अभिमान और आल स्य से बचने की आवश्यकता रहेगी। सुखी दांपत्य जीवन के लिए भी अपने बिजी शेड्यूल से अपने ल ाइफपार्टनर के लिए समय जरूर निकालें।

कर्कः

कर्क राशि के जातक दिसंबर के महीने में बेवजह के वाद-विवाद में न उलझें। पैतृक संपत्ति की प्राप्ति में अड़चनें आ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आपके विरोधी षडयंत्र रच कर आपकी छवि को धूमिल करने का प्रयास कर सकते हैं। व्यवसाय से जुड़े लोगों को माह की शुरुआत में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन माह के मध्य में एक बाद फिर आपका कारोबार पटरी पर लौट आएगा। यह समय विदेश से जुड़े कारोबार तथा काम करने वाले नौकरीपेशा लोगों के लिए बेहद शुभ रहने वाला है। किसी प्रिय व्यक्ति से सरप्राइज गिफ्ट मिल सकत है। घर में धार्मिक-मांगलिक कार्यों में शामिल होने के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह :

सिंह राशि के जातकों के लिए दिसंबर का महीना शुभता और सौभाग्य को लिए हुए है। इस माह नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में विशेष सफलता और प्रगति के योग बनेंगे। उनकी अतिरिक्त आय के साधन बनेंगे। संचित धन में वृद्धि होगी। कार्य विशेष को पूरा करने अथवा बिगड़ा काम बनाने में कोई मित्र या प्रभावी व्यक्ति काफी मददगार साबित होगा। माह के उत्तरार्ध में सिंह राशि के जातकों का मन धर्म-अध्यात्म में खूब रमेगा। इस दौरान किसी धार्मिक स्थान पर जाने या फिर किसी धार्मिक कार्यक्रम में सहभागिता का अवसर प्राप्त होगा। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। इस दौरान भूमि-भवन, वाहन आदि की प्राप्ति के योग बनेंगे। प्रेम संबंध की दृष्टि से यह सप्ताह अनुकूल है। लव पार्टनर के साथ प्रेम और विश्वास बढ़ेगा। परिवार के संग हंसी-खुशी समय बिताने के अवसर प्राप्त होंगे। दांपत्य जीवन सुखमय बना रहेगा।

कन्याः

कन्या राशि के जातकों के लिए माह की शुरुआत में नौकरीपेशा व्यक्ति को कामकाज से जुड़ी कुछेक मुश्किलें आ सकती हैं। काम में आने वाली अड़चन के साथ सेहत भी आपकी परेशानी का बड़ा सबब बन सकती है। व्यवसाय से जुड़े लोगों को बाजार में अपनी साख को बनाए रखने के लिए अपने कंपटीटर से कड़ा मुकाबल ा करना पड़ सकता है। कन्या राशि के जातकों को इस पूरे माह किसी भी प्रकार के जोखिम भरे निवेश से बचना चाहिए। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो भूलकर भी दूसरों के भरोसे

अपना कारोबार न छोड़ें अन्यथा आपको खासा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। माह के मध्य का समय आपके लिए राहत भरा सकता है। इस दौरान आपके शुभचिंतक, मित्र और परिजन आपके लिए काफी मददगार साबित हो सकते हैं। प्रेम संबंध में सावधानी के साथ कदम आगे बढ़ाएं और अपने साथी के प्रति ईमानदार रहें अन्यथा न सिर्फ बने बनाए संबंध टूट सकते हैं बल्कि आपको बदनामी भी झेलनी पड़ सकती है।

तुला :

तुला राशि के जातकों के लिए दिसंबर का महीना मिलाजुला रहने वाला है। इस दौरान आपके विरोधी आपके मान-सम्मान को ठेस पहुंचाने का काम कर सकते हैं। किसी बात को लेकर अपनों की नाराजगी भी झेलनी पड़ सकती है। इस महीने आप किसी से कोई ऐसा वादा न करें जिसे पूरा करने के लिए आपको बाद में बड़ी परेशानी का सामना करना पड़े। पारिवारिक मसले आपसी सहमति से सुलझेंगे। प्रोफेशनल काम करने वालों के लिए यह समय विशेष रूप से शुभ रहने वाला है। विभिन्न स्रोतों से धन की प्राप्ति होगी लेकिन साथ ही साथ खर्च भी खूब होगा। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा।

वृश्चिकः

दिसंबर महीने की शुरुआत में घर-परिवार से जुड़े मसले आपकी परेशानी का सबब बनेंगे। इस दौरान आपको अपने कागज संबंधी काम सही रखना होंगे अन्यथा बेवजह की परेशानियां झेल नी पड़ सकती हैं। यदि आप किसी नई योजना पर काम करने की सोच रहे हैं तो आपको उसे जल्दबाजी में शुरु करने की बजाय सही समय आने का इंतजार करना उचित रहेगा। दिसंबर महीने के मध्य का समय आपके लिए थोड़ा राहत भरा रह सकता है। करियर-कारोबार में अनुकूल ता बनी रहेगी। नौकरीपेशा लोगों की आमदनी के साधनों में वृद्धि होगी। अचानक धन प्राप्ति योग प्रबल है। किसी योजना या फिर बाजार में फंसा पैसा अप्रत्याशित रूप से निकल आएगा। प्रेम-प्रसंग के मामले में अनुकूलता बनी रहेगी। एकल जीवन जी रहे लोगों का माह के मध्य में विपरीत लिंगी व्यक्ति के प्रति आकर्षण बढ़ेगा।

धनुः

माह के दूसरे सप्ताह में धन लाभ के योग बनेंगे। इस दौरान नौकरीपेशा लोगों की अतिरिक्त आय के स्रोत बनेंगे और उनके संचित धन में वृद्धि होगी। उत्सव आदि में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। समाजसेवा से जुड़े लोगों के मान-सम्मान में वृद्धि होगी। माह के मध्य में आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। नौकरीपेशा लोगों के अधिकारी उनके कामकाज को लेकर संतुष्ट रहेंगे। युवाओं का अधिकांश समय मौज-मस्ती करते हुए बीतेगा। माह के उत्तरार्ध में आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर बहुत ज्यादा नियंत्रण रखने की जरूरत होगी क्योंकि उसी के जरिए आपके काम बनेंगे भी और बिगड़ेंगे भी। प्रेम संबंध के लिए यह माह मिलाजुला रहने वाला है। शादीशुदा लोगों को अपने जीवनसाथी की भावनाओं को इग्नोर नहीं करना चाहिए।

मकरः

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो आपके सिर पर इस माह कामकाज का अतिरिक्त बोझ आ सकता है, जिसे पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना होगा। कार्यक्षेत्र में परिश्रम के अनुपात में कम फल की प्राप्ति होगी। शारीरिक थकान या फिर पेट संबंधी परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। माह के मध्य में खुद की सेहत के साथ घर के किसी बुजुर्ग की सेहत भी आपकी चिंता का विषय बनेगी। यदि आप भूमि-भवन या वाहन खरीदने का प्लान कर रहे हैं तो इसके लिए दिसंबर महीने के उत्तरार्ध का समय ज्यादा शुभ रहेगा। इस दौरान यदि आप परिजन को विश्वास में लेकर उनके सहयोग और समर्थन से कोई बड़ा फैसला लेते हैं तो उसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। प्रेम-प्रसंग के लिए यह समय आपके लिए ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। पति-पत्नी के बीच संबंध मधुर बने रहेंगे।

कुंभः

कुंभ राशि के जातकों के लिए दिसंबर महीने की शुरुआत थोड़ी चुनौती भरी रह सकती है। इस नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर का सहयोग कम मिल पाएगा तो वहीं विरोधी षडयंत्र रचते हुए नजर आएंगे। उच्च शिक्षा या फिर विदेश में जाकर पढ़ाई करने की कामना में विलंब हो सकता है। इस दौरान आपके सामने कुछेक बड़े खर्च सामने आ सकते हैं, जिसके कारण आपका बना-बनाया बजट गड़बड़ा सकता है। इस दौरान अपने कारोबार पर विशेष ध्यान दें और किसी के बहकावे में आकर पास के फायदे में दूर का नुकसान करने की गलती न करें। रिश्ते-नाते की दृष्टि से माह का पूर्वार्ध थोड़ा चिंताजनक रह सकता है। इस दौरान संतान या परिवार के किसी अन्य सदस्य के साथ मतभेद हो सकता है। यदि आप अपने प्रेम संबंध को विवाह में तब्दील करना चाह रहे थे तो माह के उत्तरार्ध में परिजन इसके लिए स्वीकृति दे सकते हैं। इस दौरान आपको अपनी किसी भी मनोकामना को पूरा करने के लिए पिता या किसी वरिष्ठ व्यक्ति का पूरा समर्थन और सहयोग मिलेगा। आपका जीवनसाथी कठिन समय में आपका संबल बनेगा।

मीनः

महीने की शुरुआत में आपको अपनी सेहत और संबंध आदि को लेकर बहुत ज्यादा सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। इस दौरान किसी बात को लेकर स्वजनों के साथ मतभेद या बहस हो सकती है। जिससे बचने के लिए आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता रहेगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अपने विरोधियों से खूब सतर्क रहना होगा क्योंकि वे आपके काम में बाधा डालने और आपकी छवि को धूमिल करने के लिए साजिश रच सकते हैं। हालांकि कठिन समय में आपके सीनियर और आपके शुभचिंतक सहयोगी आपके साथ खड़े रहेंगे। दिसंबर महीने के दूसरे सप्ताह में घर की किसी महिला सदस्य की सेहत को लेकर आपका मन चिंतित रहेगा। माह के मध्य में नौकरीपेशा लोगों को बड़ा शुभ समाचार मिल सकता है। मनचाहे पद या तबादले की कामना पूरी हो सकती है। बेरोजगार लोगों को रोजगार की प्राप्ति हो सकती है। यदि आप अभी तक सिंगल हैं तो आपके जीवन में मनचाहे व्यक्ति की इंट्री हो सकती है। प्रेम संबंध के लिए यह माह आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। लव पार्टनर के साथ आपकी अच्छी ट्यूनिंग बनी रहेगी और उसके साथ आपके रिश्ते प्रगाढ़ होंगे। इस दौरान घर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान अथवा तीर्थ यात्रा के योग बनेंगे। माह के उत्तरार्ध में आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूर होंगे, जिसके कारण आपके भीतर अलग ही उत्साह और उर्जा बनी रहेगी, लेकिन इस दौरान आपको जोश में आकर होश खोने तथा किसी से गलत व्यवहार करने से बचना होगा।

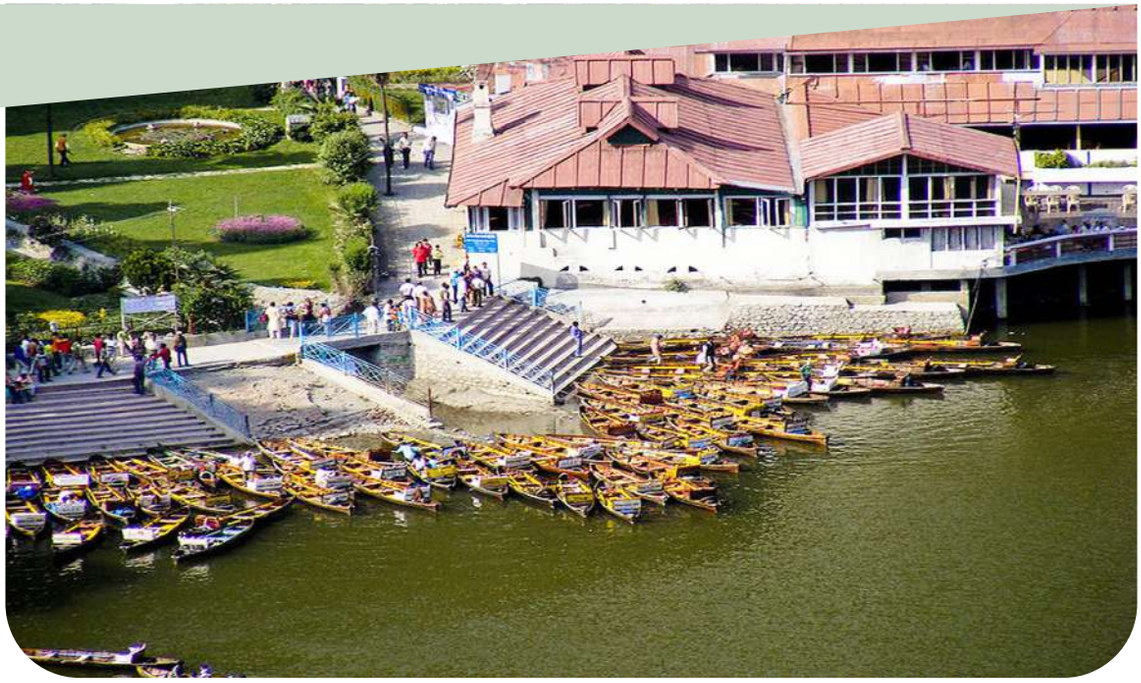

झीलों का शहर...

नैनीताल, पर्यटकों, सैलानियों, पदारोहियों और पर्वतारोहियों का चहेता नगर है जिसे देखने प्रति वर्ष हजारों लोग यहाँ आते हैं। कुछ ऐसे भी यात्री होते हैं जो केवल नैनीताल का 'नैनी देवी' के दर्शन करने और उस देवी का आशीर्वाद प्राप्त करने की अभिलाषा से आते हैं। यह देवी कोई और न होकर स्वयं 'शिव पत्नी' नंदा (पार्वती) हैं। यह तालाब उन्हीं की स्मृति का द्योतक है।

जहां गर्मियों में नैनीताल की खूबसूरती और ठंडा मौसम सैलानियों को अपनी ओर जैसे खींच लाते हैं. वहीं सर्दियों में बर्फबारी और विंटर स्पोर्ट्स के दीवानों के लिए नैनीताल स्वर्ग बन जाता है. कहा जाता है कि एक समय में नैनीताल जिले में ६० से ज्यादा झीलें हुआ करती थीं. यहां चारों ओर खूबसूरती बिखरी है. सैर-सपाटे के लिए दर्जनों जगहें हैं, जहां जाकर पर्यटक मंत्र-मुग्ध हो जाते हैं. लेकिन नैनीताल जाने पर समय और जानकारी के आभाव में दो-चार खूबसूरत नजारे देखने के बाद पर्यटक खुश हो जाते हैं और उनकी यादें अपने मन में बसाकर सालों तक नैनीताल का गुणगान करते रहते हैं.

नैनीताल में रेल और हवाई सेवाएं नहीं हैं, लेकिन यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन यहां से सिर्फ ३४ किमी

दूर काठगोदाम में है. काठगोदाम से नैनीताल के लिए राज्य परिवहन की गाड़ियां दिन में हर समय उपलब्ध रहती हैं. इसके अलावा शेयर टैक्सी १०० रुपये प्रति व्यक्ति और बुक करने पर ५०० रुपये में यहां रेलवे स्टेशन के बाहर ही मिल जाती हैं. अगर आप हवाई मार्ग से नैनीताल जाना चाहते हैं तो यहां का नजदीकी पंतनगर एयरपोर्ट करीब ५५ किमी दूर है.

देश के कुछ प्रमुख स्थानों से नैनीताल की दूरी

दिल्लीः ३२० किमी
अल्मोड़ाः ६८ किमी
हल्द्वानीः ३८ किमी
जिम कॉर्बेट पार्कः ६८ किमी
बरेलीः १९० किमी
लखनऊः ४४५ किमी
हरिद्वारः २३४ किमी
मेरठः २७५ किमी

नैनीताल की खोज सन १८४१ में एक अंग्रेज चीनी (शुगर) व्यापारी ने की.

बाद में अंग्रेजों ने इसे अपनी आरामगाह और स्वास्थ्य लाभ लेने की जगह के रूप में विकसित किया. नैनीताल तीन ओर से घने पेड़ों की छाया में ऊंचे-ऊंचे पर्वतों के बीच समुद्रतल से १९३८ मीटर की ऊंचाई पर बसा है। ताल का पानी बेहद साफ है और इसमें तीनों ओर के पहाड़ों और पेड़ों की परछाई साफ दिखती है. आसमान में छाए बादलों को भी ताल के पानी में साफ देखा जा सकता है. रात में नैनीताल के पहाड़ों पर बने मकानों की रोशनी ताल को भी ऐसे रोशन कर देती है, जैसे ताल के अंदर हजारों बल्ब जल रहे हों. ताल में बत्तखों के झुंड, रंग-बिरंगी नावें और ऊपर से बहती ठंडी हवा यहां एक अदभुत नजारा पेश करते हैं. ताल का पानी गर्मियों में हरा, बरसात में मटमैला और सर्दियों में हल्का नीला दिखाई देता है.

स्कंद पुराण के मानस खंड में इसे 'त्रि-ऋषि-सरोवर' कहा गया है. ये तीन ऋषि अत्री, पुलस्थ्य और पुलाहा ऋषि थे. इस इलाके में जब उन्हें कहीं पानी नहीं मिला तो उन्होंने यहां एक बड़ा सा गड्ढा किया और उसमें मनसरोवर का पवित्र जल भर दिया. उसी सरोवर को आज नैनी ताल के रूप में जाना जाता है. माना जाता है कि नैनी ताल में डुबकी लगाने का महत्व मानसरोवर में डुबकी लगाने जितना ही पवित्र है.

इसके अलावा नैनीताल को ६४ शक्ति पीठों में से एक माना जाता है. माना जाता है कि जब भगवान शिव माता सती के शव को लेकर पूरे ब्रह्मांड में भटक रहे थे तो यहां माता की आखें (नैन) गिर गए थे. माता की आखें यहां गिरी थी इसलिए इस जगह का नाम नैनी ताल पड़ा. माता को यहां नैयना देवी के रूप में पूजा जाता है.

नैनीताल जाने से पहले ही सबसे ज्यादा चिंता इस बात की होती है कि ठहरने की क्या व्यवस्था हो. यहां कई सरकारी गेस्ट और रेस्ट हाउस हैं, जिन्हें बुक करके आप चैन से सफर का प्लान बना सकते हैं.

नैनीताल जा रहे हैं तो याद रखें कि यहां शराब पीकर गाड़ी चलाना सख्त मना है. यहां गाड़ी में एफएम या म्यूजिक चलाना मना है. यहां चप्पल पहनकर ड्राइविंग करने पर भी चालान हो सकता है. गाड़ी में फर्स्ट एड बॉक्स होना बेहद जरूरी है और मालरोड पर पार्किंग की मनाही है. यही नहीं मालरोड पर गाड़ी ले जाना चाहते हैं तो दिन के अलग-अलग समय में अलग-अलग टैक्स चुकाना पड़ेगा.

अगर आप गर्मी में नैनीताल जा रहे हैं तो एक जोड़ी गर्म कपड़े जरूर रख लें. यहां हल्की सी बारिश हाने पर भी गर्मी के महीनों में जनवरी की तरह ठंड शुरू हो जाती है. गर्म कपड़े लेकर नहीं जाएंगे तो यहां की मशहूर भोटिया मार्केट में जेब ढीली करने का मौका जरूर मिल जाएगा.

तल्लीताल और मल्लीतालः नैनीताल का मल्ला भाग (ऊपरी हिस्सा) मल्लीताल और नीचला भाग तल्लीताल कहलाता है. मल्लीताल में एक फ्लैट खुला मैदान है और यहां पर खेल तमाशे होते रहते हैं. इस फ्लैट पर शाम होते ही सैलानी इकट्ठे हो जाते है. भोटिया मार्केट में गर्म कपड़े, कैंडल और बेहतरीन गिफ्ट आइटम मिलते हैं. यहीं पर नैयना देवी मंदिर भी है.

मल्लीताल से तल्लीताल को जोड़ने वाली सड़क को माल रोड कहा जाता है. माल रोड पर जगह-जगह लोगों के बैठने और आराम करने के लिए लिए बेंच लगे हुए हैं. सैर-सपाटे के लिए यहां आने वाले सैलानी पैदल ही करीब डेढ़ किमी की इस दूरी को शॉपिंग करते हुए तय कर लेते हैं. वैसे दोनों ओर से रिक्शों की अच्छी व्यवस्था है. लेकिन यहां रिक्शे को लिए भी लाइन लगानी पड़ती है. कोई भी रिक्शा चालक लाइन से अलग खड़े लोगों को रिक्शे में नहीं बिठा सकता, यह रिक्शा यूनियन का स्पष्ट निर्देश है.

नैनीताल की सात चोटियों में २६११ मीटर ऊंची चाइना पीक सबसे ऊंची चोटी है. चाइना पीक की दूरी नैनीताल से लगभग ६ किलोमीटर है. इस चोटी से हिमालय की ऊंची-ऊंची चोटियों के दर्शन होते हैं. यहां से नैनीताल झील और शहर के भी भव्य दर्शन होते हैं. यहां एक रेस्तरां भी है.

किलवरीः २५२८ मीटर की ऊंचाई पर दूसरी पर्वत चोटी है और इसे किलवरी कहते हैं. यह पिकनिक मनाने के लिए शानदार जगह है. यहां पर वन विभाग का एक विश्रामगृह (रेस्ट हाउस) भी है. इसका आरक्षण डी.एफ.ओ. नैनीताल करते हैं.

लड़ियाकांटाः इस पर्वत श्रेणी की ऊंचाई २४८१ मीटर है और यह नैनीताल से लगभग साढ़े पांच किलोमीटर दूर है. यहां से नैनीताल के ताल को देखना अपने आप में एक अनूठा अनुभव है.देवपाटा और केमल्स बैक नाम की ये दोनों चोटियां साथ-साथ हैं. देवपाटा की ऊंचाई २४३५ मीटर है जबकि केमल्स बैक २३३३ मीटर ऊंची है. इस चोटी से भी नैनीताल और उसके आसपास के इलाके के बेहद सुंदर नजारे दिखते हैं.

ED का दावाः चंद्रशेखर के काले कारनामों की राजदार जैकलीन, मोबाइल से अहम सबूत भी मिटाए

ईडी ने कहा सबूत बिना किसी संदेह के साबित करते हैं कि वह अपराध की आय का आनंद ले रही थी, उसका उपयोग कर रही थी और उसके कब्जे में है। इस प्रकार यह साबित होता है कि फर्नांडीज जानबूझकर आरोपी चंद्रशेखर के अपराध की आय के कब्जे और उपयोग में शामिल रही है। प्रवर्तन निदेशाल य (ईडी) ने उच्च न्यायालय को बताया कि २०० करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी बॉल ीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज जानबूझकर कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर के अपराध की आय के कब्जे और उपयोग में शामिल हुई थीं। ईडी ने हाई कोर्ट के समक्ष जैकलीन द्वारा दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की मांग पर आपत्ति जताते हुए हाई कोर्ट के समक्ष यह तर्क रखा। ईडी का यह तर्क फर्नांडीज की याचिका के जवाब में दायर एक हलफनामे में दिया गया है, जिसमें कथित तौर पर चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके खिलाफ एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई थी।

न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी के समक्ष फर्नांडीज के वकील ने ईडी के हलफनामे के जवाब में प्रत्युत्तर दाखिल करने के लिए समय मांगा। अदालत ने मामले की सुनवाई १५ अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी। अपने जवाब में ईडी ने दावा किया कि फर्नांडीज ने कभी भी चंद्रशेखर के साथ वित्तीय लेनदेन के बारे में सच्चाई का खुलासा नहीं किया और सबूत मिल ने तक हमेशा तथ्यों को छुपाया। वह आज तक सच को दबाकर बैठी है। यह भी सच है कि फर्नांडीज ने चंद्रशेखर की गिरफ्तारी के बाद उसके मोबाइल फोन से सारा डेटा मिटा दिया, जिससे सबूतों के साथ छेड़छाड़ हुई। उसने अपने सहयोगियों से सबूत नष्ट करने के लिए भी कहा।

ईडी ने कहा सबूत बिना किसी संदेह के साबित करते हैं कि वह अपराध की आय का आनंद ले रही थी, उसका उपयोग कर रही थी और उसके कब्जे में है। इस प्रकार यह साबित होता है कि फर्नांडीज जानबूझकर आरोपी चंद्रशेखर के अपराध की आय के कब्जे और उपयोग में शामिल रही है।

एजेंसी ने कहा कि शुरुआत में अपने बयानों में अभिनेत्री ने यह दावा करके अपने आचरण को छिपाने की कोशिश की कि वह चंद्रशेखर की शिकार रही हैं, हालांकि जांच के दौरान वह उनके द्वारा उत्पीड़न को साबित करने के लिए कोई ठोस सामग्री प्रदान करने में विफल रही।

ईडी ने कहा वह चन्द्रशेखर की आपराधिक पृष्ठ भूमि से अवगत थी, फिर भी वह अपने और अपने परिवार के सदस्यों के लिए अपराध की आय प्राप्त करती रही उसका आनंद लेती रही और उसे अपने पास रखती रही।

ईडी ने कहा कि शुरू में फर्नांडीज ने भारत और विदेश में अपने परिवार के लिए उनसे बड़ी रकम और मूल्यवान उपहार प्राप्त करने की बात स्वीकार नहीं की और कहा कि ये विलासिता की वस्तुएं आपराधिक गतिविधियों से उत्पन्न अपराध की आय नहीं थीं।

फर्नांडीज की इस दलील को भी गलत बताया कि अपराध में अभियोजन पक्ष के गवाह के रूप में पेश किया गया है जिसमें दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा प्राथमिकी दर्ज की गई थी और उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी नहीं बनाया जा सकता है। ईडी ने कहा कि अपराध की परिभाषा मनी लॉन्ड्रिंग यह निर्धारित नहीं करती है कि पीएमएलए की धारा ३ को ट्रिगर करने के लिए, किसी व्यक्ति को मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध में शामिल होने के अलावा विधेय अपराध में भी शामिल साबित किया जाना चाहिए।

जांच एजेंसी ने कहा कि फर्नांडीज को चंद्रशेखर के आपराधिक इतिहास के बारे में अच्छी तरह से पता था और यह तथ्य भी था कि लीना मारिया पॉल उसकी पत्नी है, लेकिन इसके बावजूद, उसने उसके साथ संबंध जारी रखा और उससे वित्तीय लाभ भी प्राप्त किया, जो अपराध की आय के अलावा और कुछ नहीं है।

जैकलीन आरोप लगाया कि ईडी ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी बनाते समय पक्षपातपूर्ण तरीके से काम किया है। ईडी ने नोरा फतेही को क्ल ीन चिट दे दी है, जबकि यह रिकॉर्ड पर स्वीकार किया गया तथ्य है कि उनके परिवार के सदस्य को उनके निर्देश पर सुकेश चंद्रशेखर से बीएमडब्ल्यू कार मिली थी। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि नोरा फतेही को सुकेश चंद्रशेखर से उपहार प्राप्त करने का तथ्य ईडी को 'अपराध की आय के अपव्यय' शीर्षक के तहत प्रस्तुत किया गया है।

हम आपके हैं कौन फिल्म पहले आमिर खान को थी ऑफर...

बॉलीवुड की कई ऐसी फिल्में हैं, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर अपनी छाप छोड़ी और इतिहास रच दिया. इनमें से कुछ फिल्में ऐसी भी हैं, जिन्हें पहले किसी और स्टार को ऑफर किया गया था और उसके ठुकराए जाने के बाद किसी दूसरे हीरो ने लीड किरदार निभाया. जिसके बाद फिल्म सुपरहिट साबित हुई. ऐसी ही एक फिल्म बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान ने भी की थी, जिसे उनके करियर की सबसे हिट फिल्मों में गिना जाता है. इस फिल्म का नाम था 'हम आपके हैं कौन', जिसे सूरज बड़जात्या ने डायरेक्ट किया था. फिल्म ने रिलीज होने के बाद बॉक्स ऑफिस पर धुआं उड़ा दिया था. दरअसल फिल्म के लिए पहले मेकर्स की पहल ी पसंद सलमान खान नहीं थे. इस फिल्म को पहले आमिर खान को ऑफर किया गया था. लेकिन उन्होंने फिल्म को ठुकरा दिया. बताया गया कि आमिर को फिल्म की स्क्रिप्ट ठीक नहीं लगी थी. इसके बाद सल मान खान को अप्रोच किया गया और वो इसके लिए तैयार हो गए. फिल्म में सलमान खान के साथ माधुरी दीक्षित को लीड रोल में लिया गया. जब फिल्म रिलीज हुई तो लोगों ने इसे खूब पसंद किया और इसने नए कीर्तिमान बना दिए.

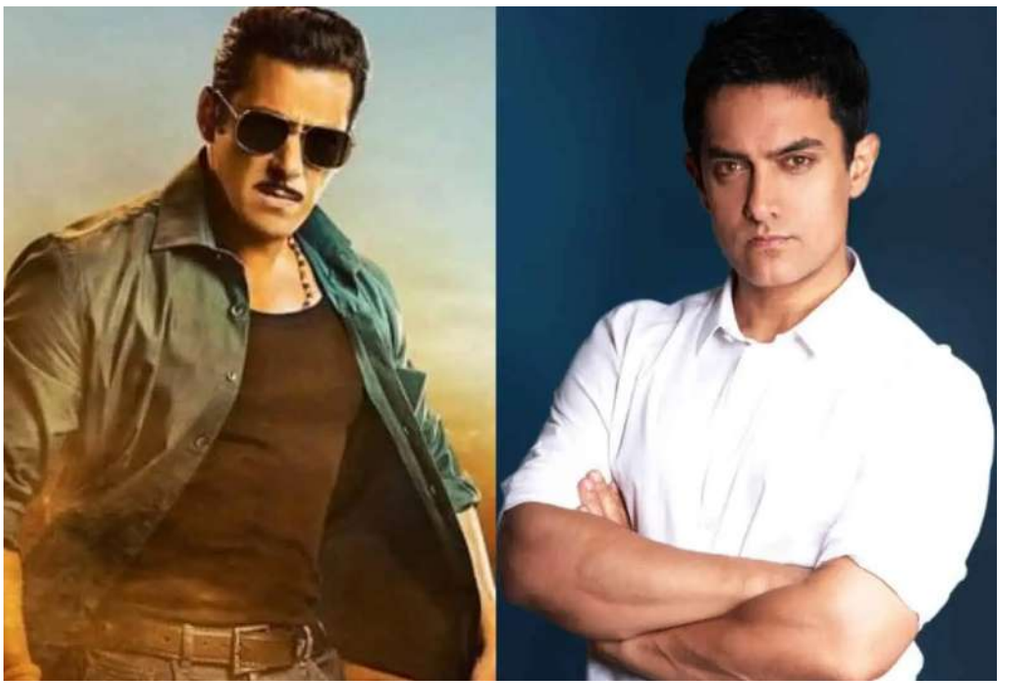

फिल्म का बजट करीब ६ करोड़ रुपये का था, लेकिन जब बॉक्स ऑफिस पर फिल्म आई तो इसने कमाई के नए रिकॉर्ड बनाने शुरू कर दिए. फिल्म ने १२० करोड़ से भी ज्यादा की कमाई की थी. जबकि ये फिल्म १९९४ में रिलीज हुई थी. यानी मेकर्स इस फिल्म को बनाने के बाद मालामाल हो गए थे. फिल्म की कहानी के साथ-साथ फिल्म के गानों ने भी लोगों के दिलों में खास जगह बनाई थी. आज भी इस फिल्म को काफी लोग पसंद करते हैं और इसके गाने खूब बजाए जाते हैं. इस फिल्म में कई हिट गाने थे. फिल्म ने सलमान खान के करियर को भी नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया था.

Akshay Kumar बनें शिव भक्त, 'हर-हर महादेव' के बाद अब लेकर आये नया गीत 'शंभू'

अक्षय कुमार ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने आने वाले गाने शंभू की एक झलक साझा की। अभिनेता एक दिल छू लेने वाले संगीत वीडियो के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है, जो ५ फरवरी, २०२४ को रिलीज होने वाली है। गाने के एक मोशन पोस्टर का अनावरण करते हुए, अभिनेता ने एक समर्पित शिव भक्त के रूप में अपने परिवर्तन को प्रदर्शित किया, जो भगवान शिव के प्रति सच्ची श्रद्धा प्रदर्शित करता है। मोशन पोस्टर में अक्षय पारंपरिक पोशाक पहने नजर आ रहे हैं, पवित्र त्रिपुंड तिलक, प्रतीकात्मक टैटू और गहरी भक्ति को दर्शाने वाले चित्रण के साथ इस अनदेखे अवतार में एक शिव भक्त के सार को अपना रहे हैं। पोस्टर में लंबी जटाओं, रुद्राक्ष की माला, एक नाक की अंगूठी और हाथ में त्रिशूल के साथ दिव्य आभा को भी दर्शाया गया है जो शिव पूजा में महत्वपूर्ण प्रतीक हैं।

शंभू को खुद अक्षय कुमार ने सुधीर यदुवंशी और विक्रम मॉन्ट्रोज़ के साथ मिलकर गाया है। गाने के बोल अभिनव शेखर ने लिखे हैं और संगीत विक्रम मॉन्ट्रोज़ ने दिया है। यह गाना ५ फरवरी को टाइम्स म्यूजिक यूट्यूब चैनल पर रिलीज होने के लिए तैयार है। इसके अलावा, अक्षय कुमार अपनी अगली बड़ी रिलीज 'बड़े मियां छोटे मियां' के लिए भी तैयार हैं। फिल्म में टाइगर श्रॉफ भी मुख्य भूमिका में हैं। यह ईद के मौके पर अजय देवगन की मैदान के साथ क्लैश करते हुए रिलीज होगी। वह रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन रही फिल्म सिंघम अगेन में भी नजर आएंगे। यह इस साल स्वतंत्रता दिवस पर बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

प्रथम विश्व ओड़िया भाषा सम्मेलन

कीस के ४० हजार आदिवासी विद्यार्थियों ने गाया 'बंदे उत्कल जननी'

भुवनेश्वर, ३फरवरीः आज पहले विश्व ओड़िया भाषा सम्मेलन का उद्घाटन हुआ जिसमें ४०,००० आदिवासी छात्रों ने ओडिशा का राज्यगान 'बंदे उत्कल जननी' गाया। कीस के भुवनेश्वर परिसर के साथ-साथ बलांगीर, कालाहांडी, मयूरभंज और बालासोर परिसरों में भी छात्रों ने ओडिशा राज्य गीत गाया और प्रथम विश्व ओड़िया भाषा सम्मेलन की शान बढ़ाई। छात्रों ने ओडिशा के मानचित्र पर बनाए गए मानव मानचित्र पर खड़े होकर यह देशभक्ति गीत गाया जबकि पूरा राज्य प्रथम विश्व ओड़िया सम्मेलन का जश्न मना रहा है।,कीस छात्रों द्वारा ओडिशा राज्य गीत के सामूहिक गायन ने इसे और भी भव्य बना दिया। कीट- कीस के संस्थापक प्रो.अच्युत सामंत ने पहले विश्व ओड़िया सम्मेलन के आयोजन में राज्य सरकार और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के प्रयासों की सराहना की और उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

बुरी तरह फंसे हेमंत सोरेन,

कैसे मुख्यमंत्री तक पहुंची जांच की आंच?

'मैं आंसू नहीं बहाऊंगा, आपके लिए आदिवासियों के आंसुओं का मोल नहीं': विधानसभा में हेमंत सोरेन

रांचीः झारखंड विधानसभा में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सुनियोजित तरीके से २०२२ से पटकथा लिखी जा रही थी. गिरफ्तारी की इस सुनियोजित साजिश में राजभवन भी शामिल था. ये पकवान धीमी आंच पर पकाया जा रहा था. मैं आंसू नहीं बहाऊंगा, वंचितों के आंसुओं का मोल नहीं. हम लोगों ने सिर झुकाकर चलना नहीं सीखा. आदिवासी, दलित, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहा है. वे देश में सुरक्षित नहीं. फ्ल ोर टेस्ट से पहले विधानसभा में हेमंत सोरेन ने आगे कहा कि सत्ता पक्ष की घृणा की ताक़त है आज की स्थिति. हम इनके बराबर में आए तो इनके कपड़े मैले होने लगे. ये हमें अछूत मानते हैं .इनका बस चले तो हमें वापस जंगल छोड़ आएं. इन्हें लगता है मुझे जेल में डालकर ये अपने मंसूबों में सफल होंगे, दोष साबित बुए तो राजनीति छोड़ दूंगा. यहां अनगिनत लोगों ने कुर्बानी देकर आदिवासी दलितों को बचाया है, इनको आदिवासी और दलितों से घृणा है. हम सत्ता लोलुपता के लिए कभी नहीं आए, आदिवासी के मान सम्मान के लिए लड़ रहे हैं

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के फ्लोर टेस्ट से पहले हेमंत सोरेन ने विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'यह झारखंड है, यह देश का एक ऐसा राज्य है जहां हर कोने में आदिवासी-दलित वर्गों से अनगिनत सिपाहियों ने अपनी कुर्बानी दी है. ED-CBI-IT जिन्हें देश के विशेष और काफी संवेदनशील व्यवस्थाएं कहीं जाती हैं. जहां करोड़ों रुपये डकार कर इनके सहयोगी विदेश में जा बैठे हैं, उनका एक बाल बांका करने की इनके पास औकात नहीं है. अगर है हिम्मत तो सदन में कागज पटक कर दिखाए कि यह साढ़े ८ एकड़ की ज़मीन हेमंत सोरेन के नाम पर है, अगर हुआ तो मैं उस दिन राजनीति से अपना इस्तीफा दे दूंगा.' कानून के अंदर गैर कानूनी काम करना कोई इनसे सीखे. झारखंड का इतिहास आपको कभी माफ नहीं करेगा. मैं हवाई जहाज से चलता हूं और बीएमडब्ल्यू में चलता हूं इस बात का इन्हें दुख है.

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खिलाफ दो अलग-अलग मामले चल रहे हैं। इनमें पहला मामल ा अवैध खनन लीट पट्टे से जुड़ा है। जबकि दूसरा अवैध जमीन घोटाले का है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राजभवन पहुंचकर अपना इस्तीफा सौंपा हैं। ईडी की लंबी पूछताछ के बाद वह बुधवार रात राज्यपाल से मुलाकात करने पहुंचे। इस दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस गठबंधन ने सोरेन सरकार में परिवहन मंत्री चंपई सोरेन को विधायक दल का नेता चुन लिया। चंपई रिश्ते में हेमंत सोरेन और उनके पिता शिबू सोरेन के करीबी रहे हैं। राज्य आंदोलन में चंपई ने शिबू सोरेन का साथ दिया था। हेमंत सार्वजनिक मंचों पर भी चंपई सोरेन के पैर छूकर आशीर्वाद लेते हुए दिखाई देते हैं।

क्या है जमीन घोटाले का पूरा मामला

जमीन घोटाले के मामले में जांच एक सर्कल अधिकारी (सीओ) से शुरू हुई थी। इसके बाद यह जांच आगे बढ़ी और आश्वासन रजिस्ट्रार कार्यालय तक पहुंची। जिससे खुलासा हुआ कि फर्जी दस्तावेजों के जरिए सैकड़ों एकड़ जमीन का फर्जी सौदा हुआ है और इसमें छोटे से बड़े कार्यालयों के अधिकारी और बड़े-बड़े कारोबारी भी शामिल हैं। इन सबके तार आखिर में मुख्यमंत्री तक जुड़ रहे थे।

यह मामला सेना की जमीन के सौदे से जुड़ा हुआ है। फर्जी नाम और पते के आधार पर सेना की जमीन की खरीद और बिक्री हुई। इस मामले में रांची नगर निगम ने प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। ईडी ने उसी प्राथमिकी के आधार पर ईसीआईआर (प्रवर्तन मामले की सूचना रिपोर्ट) दर्ज की थी और जांच शुरू की थी। सोरेन को इस मामले में बार-बार समन जारी किया जा रहा था। जमीन घोटाले के मामले में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के एक अधिकारी छवि रंजन और दो व्यापारियों सहित चौदह लोगों को गिरफ्तार किया गया था। छवि रंजन झारखंड के समाज कल्याण विभाग के निदेशक और रांची के उपायुक्त के रूप में कार्यरत थे।

अवैध खनन में धनशोधन मामला

जांच एजेंसी जमीन घोटाले के अलावा अवैध खनन में धनशोधन की जांच कर रही है। एजेंसी ने इसके तहत सोरेन के मीडिया सलाहकार, साहिबगंज जिल ` के अधिकारियों और एक पूर्व विधायक के परिसरों पर छापेमारी की थी। ईडी ने साहिबगंज जिले में कुल २८ जगहों पर छापेमारी की थी। इस दौरान उसने दावा किया था कि उसे कई अहम दस्तावेज और सबूत हाथ लगे हैं। एजेंसी ने सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के घर से ५.३१ करोड़ रुपये जब्त किए थे और बताया था कि उनके २७ बैंक खातों में ११ करोड़ रुपये जमा थे। इसके बाद ईडी ने पंकज मिश्रा को भी समन जारी किया था और फिर पीएमएलए के तहत उनकी गिरफ्तारी की थी। इसके बाद एजेंसी ने पीएमएल ए अदालत में १६ सितंबर २०२२ को आरोपपत्र दाखिल किया था। इस आरोपपत्र में झामुमो के पूर्व कोषाध्यक्ष रवि केजरीवाल का बयान भी दर्ज था। मुख्यमंत्री सोरेन ने मिश्राल संथाल परगना से पत्थर और रेत खनन से आने वाले पैसे को सीधे प्रेम प्रकाश को सौंपने को कहा था। इसके बाद उसी साल ईडी ने आठ जुलाई को मिश्रा के घर पर छापेमारी की थी।

झारखंड CM के दिल्ली आवास से खाली हाथ लौटी ED, भाजपा ने भगोड़ा होने का आरोप लगाया...

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिल्ली स्थित आवास पर पहुंची ईडी की टीम को सीएम हेमंत से पूछताछ करने में सफलता नहीं मिली। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईडी को खाली हाथ लौटना पड़ा। हालांकि, टीम में शामिल ईडी के अधिकारियों ने सोमवार शाम HR नंबर की गाड़ी जब्त कर ल ी है। भाजपा ने सीएम पर भगोड़ा होने का आरोप लगाया है। जमीन घोटाला मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से प्रवर्तन निदेशालय (ED) के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। प्रदेश में कथित तौर पर राजनीतिक अस्थिरता का माहौल गहराने लगा है। इसी बीच CM हेमंत सोरेन के दिल्ली आवास पर पूछताछ करने पहुंची टीम को सोमवार शाम निराशा हाथ लगी। ईडी के अधिकारी सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सवाल नहीं कर सके, क्योंकि पूरे दिन इंतजार करने के बावजूद मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं हो सकी।

देर शाम ED की टीम सीएम हेमंत के दिल्ल ी आवास से खाली हाथ लौटी। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी सामने आया है कि ईडी के अधिकारी दिल्ली आवास से कुछ अहम कागजात और हरियाणा नंबर (HR) की गाड़ी (बीएमडब्ल्यू) जब्त कर ले गए हैं। झारखंड विधानसभा में विपक्षी पार्टी भाजपा ने सीएम हेमंत पर भगोड़ा होने का आरोप लगाया है। इसी बीच परिवार ने कहा है कि किसी से मुलाकात नहीं होने की व्याख्या उसे भगोड़ा घोषित कर नहीं की जानी चाहिए।

३१ जनवरी से पहले रांची लौटेंगे मुख्यमंत्री

परिवार के सदस्य ने गोपनीयता की शर्त पर

बताया, सीएम की तरफ से ईडी को लगातार सूचना भेजी गई है। मुख्यमंत्री ने समन का अनुपालन भी किया है। उन्होंने ३१ जनवरी को दोपहर एक बजे रांची आवास पर बयान दर्ज कराने की बात भी बताई है। परिवार के मुताबिक सोरेन निजी काम से रांची से दिल्ली गए हैं। २७ जनवरी को दिल्ली रवाना हुए सीएम हेमंत ३१ जनवरी को बयान दर्ज कराने से पहले वापस लौट आएंगे।

दूसरी तरफ भाजपा ने आरोप लगाया है कि पूछताछ के डर से पिछले १८ घंटे से सीएम हेमंत फरार (absconder) हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) की विपक्षी पार्टी- भाजपा ने गवर्नर सीपी राधाकृष्णन से इस मामले का संज्ञान लेने की अपील की है। बीजेपी का कहना है कि पूरे प्रकरण के कारण झारखंड की विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा दांव पर ल गी है।

पूरे मामले से जुड़ी अहम बातें...

ED के अधिकारियों ने २० जनवरी को हेमंत सोरेन से रांची में उनके आधिकारिक आवास पर पूछताछ की।

नया समन जारी कर २९ या ३१ जनवरी को पूछताछ के लिए उपलब्धता की पुष्टि का निर्देश।

एजेंसी को भेजे पत्र में पूछताछ की तारीख और समय की पुष्टि नहीं।

३१ जनवरी को रांची आवास पर बयान दर्ज कराने की सहमति। ईडी को भेजे ई-मेल में लिखा- २० जनवरी को सात घंटे की पूछताछ की वीडियो रिकॉर्डिंग अदालत में सुरक्षित तरीके से पेश करने की अपील।

४८ वर्षीय सीएम हेमंत झामुमो प्रमुख भी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी की कार्रवाई राज्य सरकार के कामकाज को बाधित करने के लिए 'राजनीतिक एजेंडे से प्रेरित' है।

ईडी के अधिकारियों ने १२ घंटे तक सीएम का इंतजार किया

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक ईडी के अधिकारी, दिल्ली पुलिस के जवानों और अधिकारियों के साथ सुबह करीब नौ बजे से ही दक्षिणी दिल्ली में ५/१ शांति निकेतन भवन पहुंचे। रात नौ बजे के बाद भी ईडी के अधिकारी वहां मौजूद रहे। ईडी के अधिकारी रात ८ बजे कुछ देर के लिए परिसर से बाहर निकले। आवास के बाहर खड़ी एक बीएमडब्ल्यू कार की जांच भी की गई।

दिल्ली हवाई अड्डे पर भी निगरानी, इन जगहों पर भी नहीं मिले मुख्यमंत्री

एक सूत्र ने कहा ईडी की टीम मुख्यमंत्री से पूछताछ करने के लिए उनके आवास पर आई थी, लेकिन वह यहां नहीं मिले। ईडी की टीमें दिल्ली में झारखंड भवन और कुछ अन्य स्थानों पर भी गई, लेकिन मुख्यमंत्री नहीं मिले। सूत्रों ने कहा कि ईडी की टीमें सोरेन के लौटने तक आवास पर रहेंगी। अधिकारी दिल्ली हवाई अड्डे पर भी निगरानी रख रहे हैं। झारखंड के राज्यपाल का सख्त रूख; कहा- सीएम हेमंत को देने ही होंगे सवालों के जवाब

इससे पहले झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने भी सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी शख्स कानून से परे नहीं जा सकता। उन्होंने जमीन घोटाला मामले में ईडी की जांच से जुड़े एक सवाल पर कहा कि आज नहीं तो कल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को तमाम सवालों के जवाब देने पड़ेंगे। राष्ट्रपति शासन की कयासबाजी पर प्रदेश के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा, राजभवन पूरे हालात पर करीबी नजर बनाए हुए है। राज्यपाल

के मुताबिक अभी राष्ट्रपति शासन लगाने की संभावनाओं पर बात करना जल्दबाजी है।

'हेमंत सोरेन को आदिवासियों की नहीं, बल्कि लूट की ज्यादा चिंता थी', रविशंकर प्रसाद का हमला

भारतीय जनता पार्टी वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने गुरुवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें आदिवासियों की नहीं, बल्कि लूट की ज्यादा चिंता थी, इसीलिए उन्होंने सत्ता के नशे में चूर होकर जनता के खून-पसीने की कमाई को लग्जरी कारों और आलीसान बंगला बनाने में उड़ा दिया। रविशंकर प्रसाद ने पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सोरेन के समर्थकों द्वारा विपक्षी नेताओं पर द्वेषपूर्ण कार्रवाई करने को लेकर केंद्र सरकार पर लगाए गए आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने सोरेन के कार्यकाल में झारखंड में हुए घोटालों के बारे में बताते हुए कहा कि सोरेन ने आम जनता की खून पसीने की कमाई लूटकर लग्जरी गाड़ियां खरीदी और आलीशान बंगले बनाए। उन्होंने कहा, ''झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मौजूदा समय में प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में हैं, लेकिन उनके समर्थक यह झूठा आरोप लगा रहे हैं कि केंद्र सरकार के द्वारा विपक्षी पार्टियों को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है और विशेष रूप से आदिवासी नेताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है।

प्रसाद ने सोरेन सरकार में हुए घोटालों के बारे में कहा कि पहले तो सोरेन ने लूट और भ्रष्टाचार किया और जब कार्रवाई हो रही है तो कह रहे हैं कि एक आदिवासी को तंग किया जा रहा है। अपने समाज की चिंता करते हुए संघर्ष करना अच्छा है, परंतु झारखंड में 'चिंता कम और लूट अधिक है।' उन्होंने बताया कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन के खिलाफ मुख्यतः तीन मामले हैं, जिनमें पहला- जमीन की लूट, दूसरा- अवैध खनन और तीसरा- कोयला खदान में घोटाला। अभी सिर्फ एक मामले में सोरेन के खिलाफ कार्रवाई हुई है और अन्य दो मामलों में इनके खिल ाफ कार्रवाई होना बाकी है। ईडी की जांच में ३६ लाख रुपए सोरेन के घर से बरामद हुए हैं। जांच में पता चला है कि आम जनता के खून पसीने की कमाई के साथ घोटाले कर सोरेन ने दिल्ली की पॉश कॉलोनी शांति निकेतन में आलीशान घर बनाया है और इस घर से दो लग्जरी कारें (बीएमडब्यू) भी बरामद हुई हैं।

कौन हैं चंपई सोरेन? जो लेंगे हेमंत सोरेन की जगह...

चंपई सोरेन झारखंड के अगले मुख्यमंत्री होंगे। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने यह कदम मौजूदा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के इस्तीफे के फैसले के बाद उठाया है। चंपई हेमंत सोरेन के करीबी रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। मौजूदा सरकार में चंपई कैबिनेट मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। सरकार में झामुमो के अलावा कांग्रेस भी सहयोगी थी। चंपई सोरेन झारखंड विधानसभा के सदस्य हैं। वर्तमान में वह झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी से सरायकेला विधानसभा सीट से विधायक हैं। कैबिनेट मंत्री के रूप वह हेमंत सोरेन सरकार में परिवहन, अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। चंपई ने १९७४ में जमशेदपुर स्थित राम कृष्ण मिशन हाई स्कूल से १०वीं की पढ़ाई की थी।

'झारखंड टाइगर' के नाम से चर्चित

जब बिहार से अलग झारखंड राज्य की मांग उठ रही थी उस दौरान चंपई का नाम खूब चर्चा में रहा। शिबू सोरेन के साथ ही चंपई ने भी झारखंड के आंदोलन में भाग लिया। इसके बाद ही लोग उन्हें 'झारखंड टाइगर' के नाम से बुलाने लगे। २००५ में चंपई पहली बार झारखंड विधानसभा के लिए चुने गए थे। इसके बाद २००९ में भी विधायक बने। उन्होंने सितंबर २०१० से जनवरी २०१३ तक विज्ञान और प्रौद्योगिकी, श्रम और आवास मंत्री की जिम्मेदारी संभाली।वहीं जुलाई २०१३ से दिसंबर २०१४ तक खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, परिवहन कैबिनेट मंत्री थे।

२०१४ में तीसरी बार झारखंड विधानसभा के लिए चुने गए। वहीं २०१९ में चौथी बार विधायक बने। इसके साथ ही वह हेमंत सरकार में परिवहन, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री बन गए। शिबू सोरेन के साथ लंबे समय तक काम किया अवैध जमीन घोटाले में फंसे हेमंत सोरेन ने बुधवार को झारखंड के मुख्यमंत्री के पद से अपना इस्तीफा दे दिया। इस दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस गठबंधन ने सोरेन सरकार में परिवहन मंत्री चंपई सोरेन को विधायक दल का नेता चुन लिया।

इससे पहले सोरेन परिवार के बाहर जिन नामों पर चर्चा चल रही थी उनमें हेमंत सरकार के मंत्री का नाम सबसे आगे था। इनमें परिवहन मंत्री चंपई सोरेन का नाम सबसे आगे रहा है। वह हेमंत सोरेन के सबसे खास लोगों में शामिल हैं। चंपई ने शिबू सोरेन के साथ लंबे समय तक काम किया है।

झारखंड में 'ऑपरेशन लोटस' हुआ फेल, CM चंपई ने हासिल किया जादुई आंकड़ा

झारखंड की नई चंपई सोरेन की सरकार ने बहुमत साबित कर लिया है. इसके साथ ही झारखंड में 'ऑपरेशन लोटस' का प्लान विफल हो गया है. कांग्रेस ने झारखंड विधानसभा में मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार के बहुमत साबित करने के बाद सोमवार को कहा कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का 'ऑ परेशन लोटस' विफल रहा है तथा यह जनता की ताकत को साबित करता है. चंपई सोरेन सरकार ने सोमवार को सदन में विश्वासमत हासिल कर लिया. कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''झारखंड विधानसभा में 'इंडिया' गठबंधन का विश्वास मत हासिल करना लोगों की शक्ति को साबित करता है. हम लोकप्रिय रूप से चुनी हुई सरकार हैं और प्रवर्तन निदेशाल य (ईडी) लोगों की आवाज को खत्म नहीं कर सकता. ईडी जैसी एजेंसियों का उपयोग करके लोकतंत्र को नष्ट करने के केंद्र के फासीवादी प्रयासों का पूरी ताकत से विरोध किया जाएगा.''

उन्होंने कहा, ''उन्होंने (भाजपा ने) झारखंड के आदिवासियों, पिछड़ों और गरीबों की सरकार पर हमला किया और लोकसभा चुनाव में उन्हें उनके गुस्से का सामना करना पड़ेगा.'' कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, ''हमने आसानी से विश्वास मत जीता है. भाजपा का 'ऑ परेशन लोटस' असफल हो गया है. पहले उन्होंने (पूर्व मुख्यमंत्री) हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया, उनसे इस्तीफा दिलवाया. फिर उन्होंने चंपई सोरेन के शपथ ग्रहण में देरी की.''

जयराम रमेश ने कहा, ''यह सरकार एक वर्ष के शेष कार्यकाल तक बनी रहेगी और हमने जो काम किया है उसके आधार पर हम झारखंड के लोगों के पास नए जनादेश के लिए जाएंगे.'' बता दें कि सीएम चंपई सोरेन को विश्वास मत के समर्थन में ४७ वोट प्राप्त हुए. जबकि इसके विरोध में २९ वोट पड़े. सत्तापक्ष के समर्थन में जो ४७ वोट पड़े, उसमें जेएमएम के २७, कांग्रेस के १७, आरजेडी के १, झाविमो के १, सीपीआई-एमएल के १ और मनोनीत एक विधायक का वोट दिया है.

राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका

स्वर्णिम मुंबई

प्रतियोगिता नंबर-८०

सभी के लिए सुनहरा अवसर!

दीजिए आसान से सवालों का जवाब और

जीतिये 1,000/- का नकद इनाम!

१. खट्टे फलों में कौन सा एसिड होता है?

२. भारत में प्रधानमंत्री के औहदे को क्या माना जाता है?

३. ताजमहल, बीबी का मकबरा, एतमाद उद दौल ा किस चीज़ के स्मारक है?

४. सम्राट अशोक किसका उत्तराधिकारी था?

५. भारतीय संविधान को पहली बार कब संशोधित किया गया?

६. रौलेट एक्ट को किस वर्ष लागू किया गया था?

७. महाराणा प्रताप 'बुलबुल' किसे कहते थे?

८. बॉक्सर इवांडर होलीफील्ड को किस नाम से जाना जाता है?

९. सिंधु घाटी सभ्यता का बन्दरगाह कहाँ पर था?

१०. जैन धर्म में महावीर को क्या माना जाता है?

११. मगध के उत्थान के लिए निम्न मे से कौन सा शासक उत्तरदायी है?

१२. भारत में प्रोफ़ेशनल २०-२० क्रिकेट लीग को क्या कहते है?

१३. भारत के राष्ट्रपति कौन है?

१४. सचिन तेंदुलकर को हाल ही में किस खिताब से नवाज़ा गया था?

१५. ISRO के हेड्क्वॉर्टर्स कहा है?

१६. संसद में कौन से २ हाउसेस है?

१७. भारत का सबसे छोटा राज्य कौन सा है?

१८. रामायण के लेखक कौन थे?

१९. भारत में ब्लू सिटी के नाम से किस शहर को जाना जाता है?

२०. भारत में कौन सी नोट इशू सिस्टम फ़ॉलो की जाती है?

आपके द्वारा सही जवाब की पहेली इस माह की २५ तारीख तक डाक द्वारा हमारे कार्यालय में पहुंच जानी चाहिए। भरी गयी पहेली का रिजल्ट लॉटरी सिस्टम द्वारा निकाला जाएगा। विजेता के नाम और सही हल अगले माह के अंक में प्रकाशित किये जाएंगे। परिजन विजेता बच्चे का फोटो व उसका पहचान पत्र लेकर हमारे कार्यालय में आएं और मुंबई के बाहर रहने वाले विजेता अपने पहचान पत्र की सत्यापित प्रति डाक या मेल से निम्न पते पर भेजें।

Add: A-102, A-1 Wing ,Tirupati Ashish CHS. ,
Near Shahad Station Kalyan (W) , Dist: Thane,
PIN: 421103, Maharashtra.
Phone: 9082391833 , 9820820147
E-mail: swarnim_mumbai@yahoo.in,
mangsom@rediffmail.com
Website: swarnimumbai.com

नामः.....

पूरा पताः .....

.....

.....

.....

फोन नं.: .....

राजमा के अद्भुत लाभ

राजमा एक प्रकार का बीन्स है, जिसे दुनिया भर में खाया जाता है. राजमा में सबसे ज्यादा प्रोटीन होता है, जिस वजह से इसे प्रोटीन का मुख्य सोर्स कहा जाता है. यह स्वाद में जितना जबरदस्त होता है, उतने ही सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है.

- राजमा में फाइबर अधिक होता है, जो वजन को कंट्रोल करने में मदद करता है. फाइबर युक्त फूड्स शरीर में कैलोरी नहीं बढ़ने देते और पेट भरे होने का अहसास कराते हैं. फाइबर में एक तरह का स्टार्च भी मौजूद होता है, जो वजन नहीं बढ़ने देता है.
- राजमा के सेवन से पेट की सेहत अच्छी बनी रहती है. यदि आपको कब्ज की समस्या है, तो राजमा खाएं. फाइबर के कारण ही पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है, पेट साफ होता है.
- यदि आपको हड्डियों में दर्द रहता है, किसी भी तरह की समस्या है, तो राजमा का सेवन सप्ताह में दो से तीन बार करें. इसमें कैल्शियम की मात्रा भी अच्छी-खासी होती है, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं.
- यदि आप कैंसर जैसी घातक बीमारी से खुद को बचाए रखना चाहते हैं, तो राजमा खाएं. इसके सेवन से शरीर को बायोएक्टिव कम्पाउंड की प्राप्ति होती है, जो कैंसर होने के रिस्क को कम कर सकता है. इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं, जो शरीर में फ्री रैडिकल्स से होने वाले नुकसान को कम कर सकते हैं.
- राजमा में मौजूद आयरन शरीर में ऊर्जा की कमी नहीं होने देता है. इससे हीमोग्लोबिन का लेवल भी बढ़ता है, जिससे आप ऊर्जा से भरपूर महसूस करते हैं. राजमा में मौजूद प्रोटीन सेल्स का भी निर्माण करता है. शरीर की ताकत, ऊर्जा को बनाए रखने के लिए राजमा का सेवन जरूर करना चाहिए. इससे बॉडी बिल्डिंग में भी मदद मिलती है.

गर्म पानी का सेवन...

गर्म पानी का सेवन करने से त्वचा व बाहों को भी बहुत लाभ होता है। इससे पिंपल्स की समस्या तो दूर होती ही है साथ ही बाल भी चमकदार बरते है यह बालों की ग्रोथ के भी बढता है। सदिन्यों शुरू नहीं हुई कि ठंड से लोगों को गले की परेशानी रहती हैं जिससे आगे चल कर खांसी व गले में खराश जैसी समस्याओं को परेशानियों का सामना करना पडता है। अगर आप सच में इन सब परेशानियों से निजात जाती हैं तो गर्म पानी इस्तेमाल कर दें। रिसर्च में यह बात सामने आई है कि गर्म पानी पीने से शरीरके अंदर जमा जहरीले तत्व बाहर आ जाते हैं। साथ ही पेट व कब्ज संबधी कई रोग ठीक हो जाते हैं। गर्म पानी पीने से हमारी त्वचा सॉफ्ट व चमकदार बनती हैं। रोजाना गर्म पानी पीने से चेहरे के कील-मुंहासे से निजात मिलती है। शरीर में ब्लैड सर्कुलेशन का बढ़ता है। अगर शरीर में ब्लैक सर्कुलेशन ठीक रहेगा तो इंसान हर तरह की बीमारियों से बचा रहेगा। इसलिए आप गर्म पानी पीएं ये शरीर को कई रोगों से लडने की शक्ति प्रदान करता है साथ ही पाचन तंत्र को भी स्ट्रॉग बनाता है।

Ram Creations
Jewelry & Gifts
28974 Orchard Lake Rd, Farmington Hills | ramcreations.com | (248) 851-1400

WORLD PLAYER
WORLD PLAYER
MENSWEAR
MEGABUY
₹149-499
SAVE
₹ 100
MENS 100% CORDUROY
16 WALE WASHED SHIRTS
MRP ₹ 599
MEGABUY
₹ 499
SAVE
₹ 100
MENS 100% COTTON
SEMI FORMAL SHIRTS
MRP ₹ 599
MEGABUY
₹ 499
SAVE
₹ 100
MENS FORMAL
TROUSERS
MRP ₹ 699
MEGABUY
₹ 599

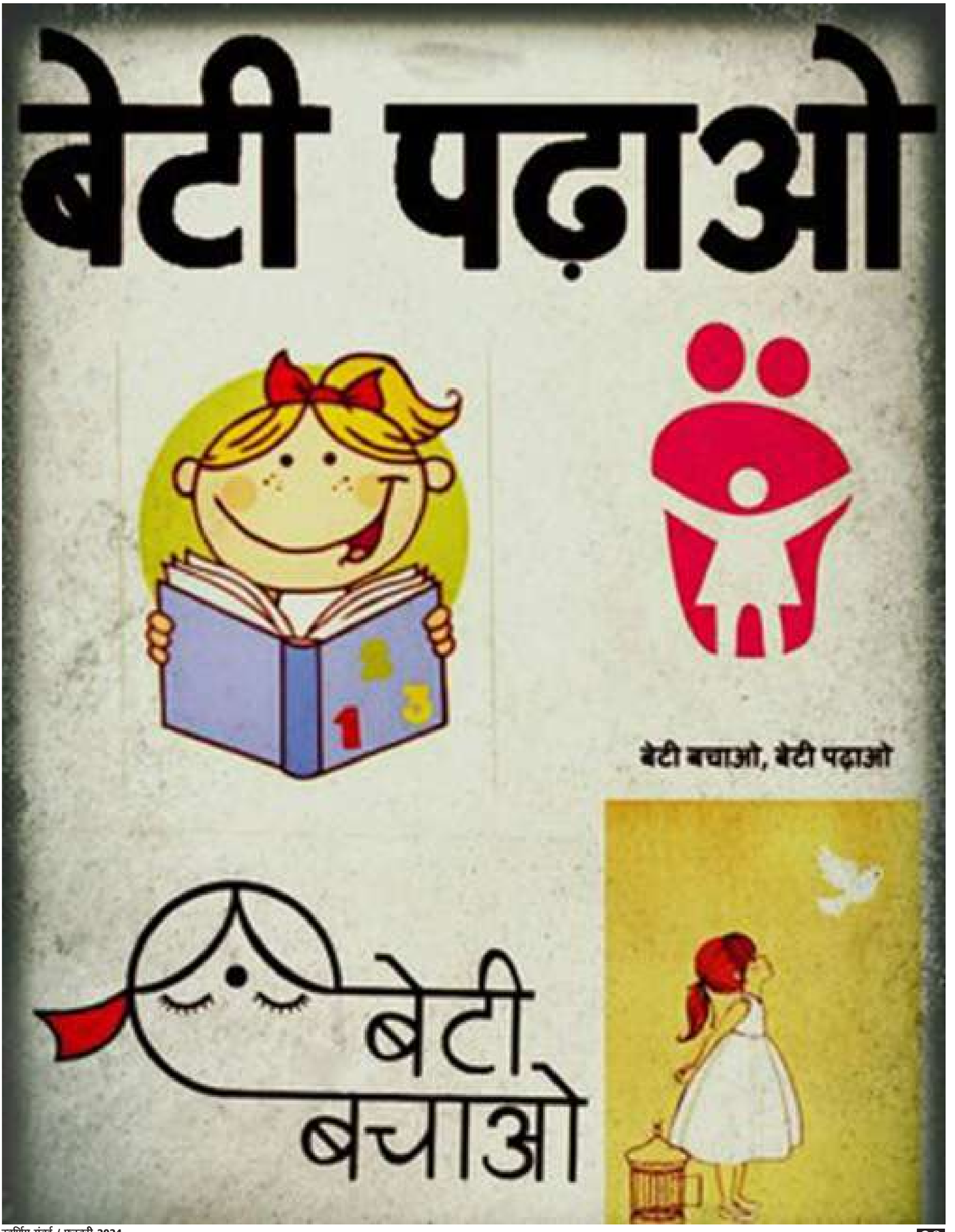

बेटी पढ़ाओ
बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ
बेटी
बचाओ

रजाई

छुट्टी के समय जब स्कूल-मास्टर स्कूल से बाहर निकलता, तो वह लड़कों की एक बाढ़ में होता। बहुधा उसे अनुभव होता कि लड़कों की बाढ़ में एक बंधन है। आज उसने सोचा यदि लड़कों का प्रवाह सदैव इसी प्रकार न चलता रहे, तो उसका जीवन भी सूखी नदी के रेतीले तटों पर व्यर्थ पड़ी नौका के समान नीरस होकर रह जाय। पुनः उसने सोचा, वास्तव में वह नौका ही है। प्रति वर्ष विद्यार्थियों के समूह पर-समूह परीक्षा-रूपी किनारों से पार उतारता है। उसकी समझ में न आया, कि विद्यार्थी जल-प्रवाह और यात्रियों का संघ दोनों वस्तुएँ कैसे बन सकते हैं? आखिर प्रवाह तो गतिशील ही था, जिसके सहारे उसकी टूटी-फूटी जीवन-नौका तैरकर एक काम किये जा रही थी, चाहे कठिन-से-कठिन गणित के प्रश्न मिनटों में हल कर लेने वाली उसकी बुद्धि उस अदृष्ट प्रवाह को समझ सकने में असमर्थ थी।

मास्टर ने सहज में ही अनेकों परिचितों की सलमों का उत्तर हाथ जोड़ कर दिया। अनेकों की नमस्ते, सत-श्री-अकाल, जय राम जी की झुक-झुककर ब्याज समेत लौटाई : परंतु भीतर से उसे कोई चिंता खाये जा रही थी। बाजार में तो वह यंत्रवत क्रियाएँ करता चला जा रहा था। सहसा एक भागी आ रही गाय उसे बाह्य चेतना में ले आई। वह चकित था कि वह किसी से क्यों नहीं टकराया, अथवा एक ओर वह गहरे नाले में क्यों न जा पड़ा।

मोड़ घूमते समय उसने कबाड़ी की दुकान पर एक रजाई लटकते देखी। मन ही-मन काँपकर उसने इधर-उधर देखा, कहीं उसे किसी ने पुरानी रजाई की ओर ललचाई हुई नजरों से देखते हुए न देख लिया हो।... वह तेजी से मोड़ मुड़ गया।

मास्टर पाँच बच्चों का पिता है। आजकल वह इन्हें पाँच गलतियाँ कहता है। पुराने जर्मन और आजकल के रूस में शायद उसकी पत्नी को अधिक बच्चे पैदा करने का मैडल और पुरस्कार मिलता। वह सोच रहा था कि कैसे परिस्थितियाँ गलतियों को शुद्धियाँ और शुद्धियों को गलतियाँ बना देती हैं। काश कि परिस्थितियाँ हर व्यक्ति के बस में होतीं।...परिस्थितियों की कुंजी केवल धनिकों के हाथ में ही न होती।

पाकिस्तान से शरणार्थी होकर आए तीन संबंधी भी उसके पास रहते थे। कभी उन्होंने भी उसके कठिन समय में उसकी सहायता की थी, जब वे स्वयं सुखी थे। मास्टर का वेतन अब सब कुछ मिलाकर एक सौ साढ़े सत्ताइस रुपये है। बड़ा वेतन है।...केवल वह आटा जो उसे सहायता दिये जाने के समय दो रुपये तेरह आने मन था, अब तीस रुपये मन बिकता है। परंतु मास्टर का वेतन तो उचित है। एक सौ साढ़े सत्ताइस रुपये, प्रोवीडेंट फंड काटकर। अतएव वह उन्हें कठिन समय में कैसे आश्रय न देता?....कृतघ्न न कहलाने का भी तो मूल्य होता है न।....

राशन-डिपो पर कई लोग ठहरे थे, परंतु मास्टर साहब को डिपो से भी कुछ नसीब न होता था। मास्टर साहब का वेतन एक सौ साढ़े सत्ताइस रुपये है। निर्दिष्ट रकम से एक रुपया अधिक लेने वाला भी डिपो से सस्ता राशन लेने का अधिकारी नहीं और मास्टर

मास्टर ने देखा, उससे कई गुना अधिक हैसियत वाले लोग डिपो से राशन ले रहे हैं। परंतु वे तो दुकानदार थे, कोई नौकरी-पेशा तो न था। बेचारी सरकार के पास भी तो उनकी स्वयं लिखी हुई बहियों के अतिरिक्त आय मापने का कोई यंत्र अथवा साधन न था। मास्टर झूठ नहीं बोल सकता। उसे हर कोई भद्र पुरुष कहता है। कई व्यंग्य से भी-जैसे दुश्चरित्र या बेईमान होना कोई गुण होता है।... मास्टर कानून का पूरा मानने वाला था। पढ़े-लिखे आदमी की कानून के उल्लंघन की वैसे भी अधिक सजा मिल सकती है।

साहब तो पूरे ढाई रुपये अधिक ले रहे थे। उसके साथी किराएदारों में एक बैंक क्लर्क भी था। वह एक सौ पन्द्रह वेतन पाता था। उसकी पत्नी और वह-बस यही उसका परिवार था। उसको राशन मिलता था। परंतु मास्टर जी का परिवार भी तो वेतन की तरह बड़ा था। अतएव वह किसी छूट का अधिकारी नहीं था।

मास्टर ने देखा, उससे कई गुना अधिक हैसियत वाले लोग डिपो से राशन ले रहे हैं। परंतु वे तो दुकानदार थे, कोई नौकरी-पेशा तो न था। बेचारी सरकार के पास भी तो उनकी स्वयं लिखी हुई बहियों के अतिरिक्त आय मापने का कोई यंत्र अथवा साधन न था। मास्टर झूठ नहीं बोल सकता। उसे हर कोई भद्र पुरुष कहता है। कई व्यंग्य से भी-जैसे दुश्चरित्र या बेईमान होना कोई गुण होता है।...मास्टर कानून का पूरा मानने वाला था। पढ़े-लिखे आदमी की कानून के उल्लंघन की वैसे भी अधिक सजा मिल सकती है। मास्टर तो देशभक्त भी है। अपने या अपने आदमियों के कारण वह देश और जाति की हानि सहन नहीं कर सकता।

मास्टर निकल गया-सब कुछ देखता। उसे मार्ग में पुनः रजाई का ध्यान आया। नई रजाई के लिए कम से कम बीस रुपये की आवश्यकता है। हिसाब लगाया-ढाई मन आटा, तीस दूना साठ और पंद्रह-पचहत्तर रुपये, घी बनस्पति बारह रुपये, ईंधन पन्द्रह रुपये और बड़ी रकम उसे बाद में याद आई-किराया तीस रुपये, दूध-चाय के लिए तेरह रुपये और आगे इसी प्रकार। कुल जोड़ एक सौ छियासी रुपये। बजट में प्रति मास लगभग साठ रुपये का घाटा। उसे बजट को चैलेंज करना चाहिए। परंतु उसको गृह-विज्ञान के अनुसार नई पुस्तकों एवं पत्रिकाओं पर व्यय की जा रही सात रुपए की राशि के सिवा कुछ अनावश्यक न मिला। वह मन-ही-मन इस खर्च पर लकीर खींचने लगा था, परंतु उसे अनुभव हुआ कि वह खर्च उसकी खुराक पर हो रहे खर्च से भी अधिक आवश्यक है।

आखिर उसने सोचा-'मैं मुख्याध्यापक की आज्ञा से एक ट्यूशन रखूँगा। तीस की आय बढ़ जाएगी। तीस का व्यय जैसे-तैसे कम करूँगा। परंतु रजाई के लिए बीस रुपए कहाँ से आएँगे?...रजाई सर्दी के लिए बहुत आवश्यक वस्तु है।...अतिथियों को अलग-अल ग चारपाई और बिस्तर देना भी अत्यावश्यक था। तीन लड़कियाँ इकट्ठी सोती थीं। एक ही चारपाई और एक ही रजाई में सोने से कद नाटे हो जायेंगे। लड़कियों के शरीर नाटे हो जाने से उन्हें आज के संसार में पहले ही कोई नहीं पूछता। कल उसने अपनी घरवाली को उनमें से बड़ी को अलग सुलाने के लिए कहा था।

'थोड़ी चारपाइयाँ हैं कैलाश? फिर इन्हें अलग-अलग क्यों नहीं लेटने को कहती तुम?'

कैलाश ने विनम्र उत्तर दिया था-'चारपाई तो एक और है परंतु और रजाई नहीं है। अभी बिल्लू भी मेरे साथ ही सोता है।'

'बीस रुपए की रजाई' ! पहले ही बजट में घाटा है। तीस की ट्यूशन, तीस खर्च में से कम करने ही पड़ेंगे। परंतु रजाई के लिए बीस और कहाँ से आएंगे? उसे स्मरण हुआ कि उसने परसों ही अपनी पुस्तकें और रद्दी बेचकर सात रुपए बारह आने पाए थे। परंतु रजाई के लिए बीस रुपये!...ओह !...कबाड़ी से पुरानी रजाई! हाँ ठीक है, कल पूछा जाएगा।

कई दिन वह प्रातः समय की ताक में रहा। दिन में वह कबाड़ी से पुनः पूछने का साहस न कर सका। एक दिन रात के समय गया बाजार बंद था। बेचारा 'नेशनबिल्डर' कौम का उस्ताद निराश लौट गया। बनाने वाला स्वयं बनाए जाने वालों के हाथों से क्या बन रहा था।...

उसने पुनः विचार किया-आखिर प्रातः ही दाँव लगाकर काम बनेगा। निगोड़ी रजाई भी थी जिसे कोई खरीदता ही न था। किसी के सामने खरीदकर अपमान होता था-यदि उसका नहीं, तो अध्यापकों की श्रेणी का। परंत राष्ट्र का बेचारा अध्यापक क्या कर रहा था? वह किसी से क्या छिपा रहा था? उसने पुनः विचार किया-वह 'इज्जत' को आँच न आने देगा।

रविवार का दिन था-छुट्टी का दिन। वह अपने बड़े लड़के को साथ लेकर उस दुकान पर गया। रजाई पूर्ववत वहीं पड़ी थी। वह एक ही छलाँग में दुकान में चला गया। सात रुपये में सौदा पट गया। रुपये देकर वह शीघ्र वापस लौट आया। दस कदम ही चला होगा कि किसी ने आवाज दी-'मुदीं से उतारी हुई रजाई खरीद ली है।'

उस्ताद घूमकर देखे बिना न रह सका। कहने वाला एक दरजी था। पास ही मास्टर का एक शिष्य था, जिसने आज से उसके घर पढ़ने आना था। उसने भी मास्टर के पास आकर कहा-'यह तो मुदीं से उतारी गई रजाइयाँ बेचता है, मास्टर जी?'

मास्टर सच का सा झूठ बोला-'हाँ बेटा, परंतु किसी आवश्यकता वाले की आवश्यकता तो पूरी हो जायेगी।'

कहने का ढंग कुछ ऐसा था कि जिस से संशय हो सकता था कि उसने रजाई किसी अन्य व्यक्ति के लिए खरीदी है। आखिर यदि यह झूठ भी था तो धर्मपुत्र युधिष्ठिर के बोले झूठ से बुरा न था।

दिन-भर रजाई धूप में पड़ी रही। शाम हो जाने पर रजाई कमरे में लाई गई। दीपक चलने के बाद वही लड़का पढ़ने के लिए आ गया। उसने रजाई पड़ी हुई देखकर नमस्ते कहने के बाद पूछा-'क्यों मास्टर जी, यह वही रजाई है न?'

मास्टर में दूसरी बार झूठ बोलने की सामर्थ्य न थी। उसने कहा-'वही है बेटा, परंतु आज मैं तुझे पढ़ा न सकूँगा, मेरी तबीयत खराब है, तू कल आ जाना।'

सचमुच उसकी तबीयत खराब थी, लड़का वापस लौट गया।

मास्टर ने रसोई में काम कर रही घरवाली से कहा-'कैलाश, नई रजाई मुझे दे दे। मेरे वाली पहली रजाई लड़कियों को दे देना। हाँ, सच-गोमती को अलग सुलाना।'

'क्यों आप खाना न खाएँगे?' -कैलाश ने रजाई पैरों पर ओढ़ते हुए कहा।

'नहीं' -मास्टर ने कहा और मुदीं से उतारी रजाई अपने पैरों पर खींच ली। कितने समय तक वह सोचता रहा कि कौन मुदीं से रजाई उतार लेता है और कौन जीवितों से।...वह अशांत था।...

-सुजान सिंह

COMPLETE SOLUTION FOR KNEE PAIN BY
Dr. Ortho
M.R.P. : ₹731
OFFER PRICE
₹449

FW16 PACK OF 3
MEN'S SANDAL
MRP ₹999/-
SHOP NOW
₹499/-
•COMFORTABLE •STYLISH •DURABLE •ANTI SKID & SLIP RESISTANT •LIGHT WEIGHT •COMFORTABLE

36 PCS
DESIGNER DINNER SET
MRP ₹ 2,500/-
SHOP NOW ₹999/-

NELCON
10 PCS STEEL
PUSH & LOCK BOWL SET
- Transparent Lid
SHOP NOW
MRP ₹ 1,500/- ₹499/-
•Air Tight Containers •Keeps Your Food Fresh
•Multipurpose food storage option
•100 % Food Grade Stainless Steel
•See through transparent Lid •Easy Grip
•Leak Proof •Carry As lunch Box •Fridge Friendly

पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ

पेड़-पौधे मत करो नष्ट,
साँस लेने में होगा कष्ट

पाषाणी

अपूर्व को सूचित किए बिना ही दोनों उसकी शुभकामना चाहती हुई कलकत्ता को चल दी। अपूर्व की मां कलकत्ते में अपने दामाद के यहां ठहरी। उसी दिन संध्या को अपूर्व मृगमयी के पत्र की आस छोड़कर और वचन को भंग करके स्वयं ही पत्र लिखने के लिए बैठा था तभी उसे जीजाजी का पत्र मिला कि तुम्हारी मां आई हैं। जल्दी आकर मिल ो और रात को भोजन यहीं करना, समाचार सब ठीक हैं। इतना पढ़ने पर भी उसका मन किसी अमंगल सूचना की आशंका कर घबरा उठा। वह तुरन्त ही कपड़े बदल, जीजाजी के घर की ओर चल दिया। मिलते ही उसने मां से पूछा- मां, सब मंगल तो है। मां ने कहा- सब देवी की कृपा है। छुट्टियों में तू घर क्यों नहीं आया, इसीलिए मैं तुझे लेने आई हूं? अपूर्व ने कहा- मेरे लिए इतनी तकलीफ उठाने की क्या जरूरत थी मां! मैं तो कानून की परीक्षा के कारण... ब्यालू करते समय दीदी ने पूछा- भइया! उस समय भाभी को तुम साथ ही क्यों नहीं लेते आये। भइया ने गम्भीरता के साथ कहा- कानून की पढ़ाई थी दीदी। जीजा ने हंसकर कहा- यह सब तो बहाना है, असल में हमारे डर से लाने की हिम्मत नहीं पड़ी। दीदी बोली- बड़े डरपोक निकले भइया। कहीं इस डर से बुखार तो नहीं चढ़ा।

अपूर्वकुमार बी.ए. पास करके ग्रीष्मावकाश में विश्व की महान नगरी कलकत्ता से अपने गांव को लौट रहा था। मार्ग में छोटी-सी नदी पड़ती है। वह बहुधा बरसात के अन्त में सूख जाया करती है; परन्तु अभी तो सावन मास है। नदी अपने यौवन पर है, गांव की हद और बांस की जड़ों का आलिंगन करती हुई तीव्रता से बहती चली जा रही है। लगातार कई दिनों की घनघोर बरसात के बाद आज तनिक मेघ छटे हैं और नभ पटल पर सूर्य देव के दर्शन हो रहे हैं। नौका पर बैठे हुए अपूर्वकुमार के हृदय में बसी हुई प्रतिमा यदि दिखाई देती तो देखते कि वहां भी इस नवयुवक की हृदय-सरिता नव वर्षा से बिल्कुल तट तक भर गई है और सरिता का जल ज्योति से झिल-मिल झिल-मिल और वायु से छप्-छप् कर रहा है।

नौका यथास्थान घाट पर लगी है। नदी के उस तट पर से वृक्षों की आड़ में से अपूर्व के घर की छत स्पष्ट दिखाई दे रही है। घर पर किसी को खबर तक नहीं कि अपूर्व शहर से लौट रहा है, अतः घर पर से लि वाने के लिए कोई नहीं आया? नाविक सूटकेस उठाने के लिए तैयार हुआ तो अपूर्व ने उसे इन्कार कर दिया। वह स्वयं ही सूटकेस हाथ में उठाकर आनन्द की लहर से झटपट नौका से उतर पड़ा। उतरते ही, घाट पर थी फिसलन, सूटकेस सहित वह दल-दल में गिर पड़ा, और ज्योंही गिरा, त्योंही न जाने किधर से मोटी ऊंची हास लहरी ने आकर समीप के पीपल पर बैठी हुई चिड़ियों को उड़ा दिया।

अपूर्व बहुत ही लज्जित हुआ और झटपट स्वयं को संभाल कर चहुंओर देखने लगा, देखा कि घाट के एक छोर पर जहां महाजन की नौका से नई ईंटें उतारकर इकट्ठी की गई हैं उन्हीं पर बैठी हुई एक नवयौवना हंसते-हंसते लोट-पोट हो रही है। अपूर्व ने पहचान लि या कि वह उसी के पड़ोसी की लाड़ली बेटी मृगमयी है। पहले इनका घर यहां से बहुत दूरी पर बड़ी नदी के तट पर था। दो-तीन साल गुजरे, नदी की बाढ़ के

कारण उन्हें वह स्थान छोड़कर वहां चला आना पड़ा।

मृगमयी के विषय में बहुत कुछ अपवाद सुनने के लिए मिलता है। ग्रामीणवासी पुरुष तो इसे स्नेह के स्वर में पगली कहकर पुकारते हैं; लेकिन उनकी घरवालियां इसके उद्दण्ड स्वभाव से सर्वदा त्रस्त, चिन्तित और शंकित रहा करती हैं। गांव के छोकरों के साथ ही उसका खेल होता है; क्योंकि समवयस्क लड़कियों के प्रति उसकी अवज्ञा की सीमा नहीं। बाल कों के राज्य में यह लड़की एक प्रकार से शत्रु-पक्ष की सेना के उपद्रव के समान-सी प्रतीत होती है।

पिता की लाड़ली बिटिया ठहरी और इसीलिए वह इतनी निर्भय रहती है। वास्तव में इस विषय में मृगमयी की मां अपने सहेलियों के आगे हर समय अपने पति के विरुध्द फरियाद किया ही करती, मगर फिर भी यह सोचकर कि पिता बेटी को लाड़ करते हैं और जब ये अवकाश के समय घर रहते हैं तो मृगमयी के नेत्रों के अश्रु उनके हृदय-पटल पर बहुत ही आघात पहुंचाते हैं, वे प्रवासी पति का स्मरण करके लड़की को किसी भी तरह पीड़ा नहीं पहुंचा सकती?

मृगमयी का रंग देखने में अधिक साफ नहीं है। छोटे-छोटे घुंघराले केश पीठ पर आच्छादित रहते हैं। चेहरे पर बिल्कुल बचपना छाया रहता है। बड़ी-बड़ी कजरारी आंखों में न तो लज्जा है, न भय और न हाव-भाव में किसी प्रकार का संशय? वह लम्बी, परिपुष्ट, स्वस्थ और सबल है। उसकी आयु अधिक है या कम, यह प्रश्न किसी के मन में उठता ही नहीं। यदि उठता तो ग्रामीण पड़ोसी इस बात पर मां-बाप की निन्दा करते कि अभी तक यह कुंवारी ही फिर रही है। जब कभी गांव के विदेशी जमींदार की नौका आकर घाट पर लगती है, तो उस दिन ग्रामीणवासी, उनकी आवभगत में घबरा से जाते हैं, गृहणियों की मुख-रंग-भूमि पर अकस्मात नाक के नीचे तक अवगुंठन खिंच जाता है; परन्तु मृगमयी न जाने कहां के किसी के वस्त्रों से हीन बच्चे को उठाये हुए घुंघराले केशों को पीठ पर बिखेरे जा खड़ी होती है। जिस देश में कोई शिकारी नहीं, कोई मुसीबत नहीं, उस देश की मृगी शावक की तरह निडर खड़ी हुई आश्चर्यचकित-सी देखा करती और अन्त में बाल-संगियों के पास जाकर इस नए मानव के आचार-व्यवहार के विषय में विस्तार के साथ भूमिका बांधती।

हमारे अपूर्वकुमार ने अवकाश के दिनों में घर आकर इससे पहले और भी दो-चार बार इस सीमाहीन नवयौवना को देखा है और फालतू समय में, यहां तक कि काम के समय में भी, इसके विषय में विचार किया है। इस धरा पर बहुत से चेहरे देखने में आते हैं; पर कोई-कोई चेहरा ऐसा होता है कि न कुछ कहना न सुनना, चट से मन के भीतर जाकर ऐसा बस जाता है कि उसे निकालना मुश्किल हो जाता है। केवल सौन्दर्य के कारण ही ऐसा होता है सो बात नहीं, वह तो कुछ और ही है, सम्भवतः वह है स्वच्छता। अधिकांश चेहरों पर मानव प्रकृति पूरी तौर से अपनी ज्योति से नहीं जगमगा पाती; जिस चेहरे पर हृदय के कोने में छिपा हुआ वह रहस्यमय व्यक्ति बिना रुकावट के बाहर निकलकर दिखाई देता है, वह चेहरा सैकड़ों-हजारों में छिपता नहीं; पल-भर में हृदय-पटल पर अंकित हो जाता है। इस लड़की के चेहरे पर, आंखों पर एक चंचल और उद्दण्ड नारी प्रकृति सदैव स्वच्छन्द और वन के दौड़ते हुए हिरन की तरह दिखाई देती रहती है, भागती-फिरती रहती है और इसलिए ऐसे सलौने चंचल मुख को एक बार देख लेने पर फिर सहज में वह भुलाये नहीं भूला।

पाठकगण को यह बताने की आवश्यकता नहीं कि मृगमयी की कौतुहलता से भरी हास्य-ध्वनि चाहे कितनी ही मृदु क्यों न हो, लेकिन अभागे अपूर्व के लिए वह तनिक कुछ दुखदायी ही साबित हुई? मारे लज्जा के उसका चेहरा सुर्ख हो उठा और हाथ का सूटकेस झट-पट नाविक के हाथ में सौंपकर वह शीघ्रता से अपने घर की ओर चल दिया।

नदी का किनारा, वृक्षों की छाया, पक्षियों का मृदु कलरव, प्रभात की मीठी-मीठी धूप और बीस वर्ष की अवस्था। कतिपय ईंटों का ढेर ऐसा कुछ खास उल्लेख योग्य नहीं; पर उस पर जो मानवी बैठी थी, उसने उस शुष्क और नीरस आसन पर भी एक प्रकार का मूक सौन्दर्य का भाव फैला रखा था। छिः! छिः! ऐसे दृश्य के मध्य में प्रथम पग उठाते ही, जिसका सारा का सारा व्यक्तित्व प्रहसर में परिवर्तित हो जाये तो उसके भाग्य की इससे बढ़कर निष्ठुरता और क्या हो सकती है?

ईंटों के ढेर से बहती हुई हंसी की तरंग सुनते-सुनते वृक्षों की छाया के नीचे दलदल में सनी निम्न दुकुल सूटकेस लिये हुए श्रीयुत अपूर्वजी किसी तरह अपने घर पहुँचे? अकस्मात ही बेटे के पहुंच जाने से विधवा मां मारे उल्लास के फूली न समाई। उसी समय खोया, दही, दूध और बढ़िया मछली की तलाश में दूर-पास सब स्थानों पर आदमी दौड़ाये गये और पास-पड़ोस में भी एक प्रकार की हलचल-सी पैदा हो गई।

भोजन की समाप्ति पर मां ने बेटे के आगे ब्याह का प्रस्ताव छेड़ा। अपूर्व इसके लिए तैयार था ही। कारण यह प्रस्ताव बहुत पहले से ही पेश था, केवल अपूर्व तनिक कुछ नई रोशनी के चक्कर में आकर हठ कर बैठा था कि बी.ए. पास किए बिना विवाह हर्गिज नहीं कर सकता इत्यादि। अब तक उसकी मां उसके पास होने की ही राह देख रही थी; सो अब किसी प्रकार की आपत्ति उठाने के मायने हैं कि झूठी बहानेबाजी। अपूर्व ने कहा- पहले लड़की तो देखो, फिर देखा जायेगा।

मां ने उत्तर दिया- लड़की-वड़की सब देखी जा चुकी है, उसके लिए तुझे फिक्र करने की जरूरत नहीं।

किन्तु अपूर्व उसके लिए स्वयं ही फिक्र करने के लिए उद्यत हो गया, बोला- लड़की बिना देखे मैं विवाह नहीं कर सकता।

मां सोच में पड़ गई। ऐसी अनोखी बात तो आज तक नहीं सुनी थी। फिर भी वह राजी हो गई।

रात को अपूर्व दीपक बुझाकर बिस्तर पर जा पड़ा। पड़ते ही बरसात यामिनी की सारी-की-सारी स्वर लहरी और पूर्व निस्तब्धता के उस पार से उसकी सेज पर एक उच्छ्वासित उच्च मृदु कंठ की हास-ध्वनि आ-आकर उसके कानों में झंकरित होने लगी। उसका अशांत मन स्वयं को बार-बार निरन्तर यह कह-कहकर व्यथित करने लगा कि सवेरे वह जो पैर फिसलकर गिर पड़ा था उसका किसी-न-किसी युक्ति से सुधार कर लेना ही चाहिए? उस नवयौवना को यह मालूम ही नहीं कि मैं अपूर्वकुमार हूं, अचानक फिसलन पर पांव पड़ जाने से दलदल में गिर जाने पर भी मैं कोई उपेक्षणीय गांव का वासी नहीं।

अगले दिन अपूर्व को लड़की देखने जाना था। अधिक दूर नहीं, पड़ोस में ही लड़की वालों का घर है। तनिक कुछ कोशिश करने के बाद ही कपड़े बदन पर डाले। निम्न दुकुल (धोती) और दुपट्टा जोड़कर रेशमी अचकन, सिर पर अमीरी रंग की गोल पगड़ी और पैरों में बढ़िया चमकते हुए जूते पहनकर, रेशमी कपड़े की बढ़िया छतरी हाथ में लटकाये वह सवेरे ही चल दिया।

भावी सुसराल में घुसते ही वहां कोलाहल-सा मच गया। अन्त में यथा समय कम्पित हृदय को झाड़-पोंछकर, रंग-वंग कर, जूड़े में गोटे आदि लगाकर, एक पतली रंगीन साड़ी में लपेटकर उसे भावी पति के सामने लाया गया। आगन्तुका एक कोने में लगभग घुटनों तक माथा झुकाये चुपचाप जड़-वस्तु-सी बैठी रही और उसके पीछे धैर्य बंधाये रखने के लिए खड़ी एक अधेड़ अवस्था की दासी। उसका एक भाई, जोकि अभी बच्चा ही था, अपने परिवार में अनाधिकार प्रवेश करने वाले इस नए व्यक्ति की पगड़ी, घड़ी की चैन

और उठती हुई मूंछों की ओर बड़े ध्यान से टकटकी लगाये देखने लगा। अपूर्व ने कुछ देर मूंछों पर हाथ फेरने के बाद अन्त में गम्भीरता के साथ पूछा- तुम क्या पढ़ती हो?

आभूषणों के भार से दबी हुई लज्जा की गठरी में से उसे अपने प्रश्न का कोई भी उत्तर नहीं मिला। दो-चार बार पूछे जाने और अधेड़ दासी द्वारा पीठ पर बारम्बार धैर्य की थपकियां पड़ने के बाद लड़की ने बहुत ही धीमे स्वर में शीघ्रता के साथ एक ही सांस में कहकर छुट्टी पा ली- कन्या बोधिनी दूसरा भाग, व्याकरण सार, भूगोल, अंकगणित और भारत का इतिहास।

इतने में बाहर किसी की तेज चलने की धम-धम की आवाज सुनाई दी और दूसरे ही क्षण दौड़ती-हांफती और पीठ पर केशों को हिलाती हुई मृगमयी वहां पर आ धमकी। उसने अपूर्व की ओर आंख उठाकर देखा तक नहीं, सीधी उस भावी वधू के भाई राखाल के पास पहुंची और उसके कोमल हाथ को पकड़कर खींचना शुरू कर दिया। राखाल उस समय भावी वधू को देखने में लीन था; वहां से वह किसी भी तरह टस से मस नहीं हुआ? दासी अपने संयत कण्ठ की मृदुता की भरसक रक्षा करती हुई यथासाध्य तीव्रता के साथ मृगमयी को धिक्कारने लगी। अपूर्व अपनी सारी-की-सारी मौनता और यश को एकत्रित करके पगड़ी बंधे माथे को ऊंचा करके बैठा रहा और उदर के पास ल टकती हुई घड़ी की चैन को हिलाने लगा।

अन्त में मृगमयी ने जब देखा कि उसका साथी किसी भी तरह विचलित नहीं हो रहा, तब उसने उसकी कमर पर जोर का मुक्का जमा दिया और लगे हाथों भावी वधू के माथे का अवगुंठन उघाड़कर वह आंधी के वेग के समान जिस प्रकार आई थी, उसी प्रकार भाग गई। दासी मन मारकर रह गई और भीतर-ही-भीतर घुमड़कर गरजने लगी। राखाल अचानक अवगुंठन के हट जाने से एकाएक खिलखिला पड़ा। इस खुशी में कमर पर पड़े मुक्के की चोट को भी उसने महसूस नहीं किया कारण, ऐसा लेन-देन अक्सर हुआ ही करता था, इससे किसी प्रकार की आज नवीनता नहीं थी। इसके लिए एक दृष्टान्त ही बहुत है।

एक दिन की बात है, मृगमयी के केश तब पीठ तक बढ़े थे; राखाल ने अचानक पीछे से आकर कैंची से उसके बाल काट दिए; इस पर मृगमयी को बहुत क्रोध आया और उसने चट से राखाल के हाथ से कैंची छीनकर अपने शेष केश बड़ी निर्दयता से कतर-कतरकर उसके मुंह पर दे मारे। मृगमयी के घुंघराले केशों के गुच्छे डाली से गिरे हुए काले अंगूरों के गुच्छों की तरह धरा पर गिर पड़े। इन दोनों में शुरू से ही इस प्रकार की प्रणाली प्रचलित थी।

इसके बाद वह शांत सभा अधिक देर तक न चल सकी। गठरी-सी बनी भावी वधू अपने को बड़ी कठिनता से लम्बी बनाकर दासी के साथ घर के भीतर चली गई। अपूर्व अपनी मूंछों पर हाथ फेरता हुआ उठ खड़ा हुआ। बाहर जाकर देखा कि उसका बढ़िया नया जूता वहां से गायब है। बहुत प्रयत्न करने पर भी इस बात का पता नहीं लगा कि जूते कौन ले गया और कहां गये?

घर वाले सभी बड़े परेशान से हुए और अपराधी के नाम पर अपशब्दों की बौछार होने लगी। जब किसी प्रकार भी जूतों का पता नहीं लगा, तो अन्त में विवश होकर घर के मालिक की फटी-पुरानी ढीली चट्टी पहनकर पतलून पगड़ी से सुसज्जित अपूर्व गांव के कीचड़ वाले रास्ते को बहुत सावधानी के साथ पार करता हुआ घर की ओर चल दिया।

तालाब के किनारे सुनसान पथ पर पहुंचते ही सहसा फिर उसे वही जोर का परिहासात्मक स्वर सुनाई दिया। मानो वृक्ष और पल्लवों की ओट में से कौतुकप्रिया बन देवी ही अपूर्व की उन पुरानी चट्टियों को देखकर एकाएक हंस पड़ी हो।

अपूर्व कुछ लज्जित-सा होकर ठिठक गया और इधर-उधर दृष्टि फेंककर देखने लगा। इतने में सघन झाड़ियों में से निकलकर किसी निर्लज्ज अपराधिनी ने उसके सामने नए जूते रख दिए और चट से बाहर जाने के लिए उद्यत हुई कि अपूर्व ने उसके दोनों हाथ पकड़कर अपनी कैद में ले लिया?

मृगमयी ने यथा-शक्ति टेढ़ी-तिरछी होकर पूरी शक्ति का प्रयोग करके भागने का बहुत प्रयत्न किया; लेकिन सब व्यर्थ। घुंघराले केशों से घिरे हुए उसके गोल-मटोल चेहरे पर सूर्य की किरणें, वृक्षों की डालियों और पल्लवों में छन-छनकर पड़ने लगीं। कौतूहलता से वशीभूत होकर कोई पथिक, जिस प्रकार दिवाकर की किरणों से चमकती हुई स्वच्छ चंचल निर्झरणी की ओर झुककर टकटकी लगाये उसकी तली को देखता रहता है, ठीक उसी तरह अपूर्व ने मृगमयी के ऊपर उठे चेहरे पर तनिक झुककर उसकी खंजन-सी चंचल आंखों के भीतर गहरी दृष्टि फेंककर देखा और फिर बहुत धीमे से उसे अपनी मुट्ठियों के बन्धन से मुक्त कर दिया। अपूर्व क्रोधित मुद्रा में मृगमयी को पकड़कर मारता तो उसे तनिक भी अचम्भा न होता; किन्तु इस प्रकार सुनसान पथ में इस अनोखी सजा का वह कुछ अर्थ ही न समझ सकी।

नर्तन करती हुई प्रकृति नटी के नूपुरों की झंकार की भांति फिर वही हास्य- ध्वनि उस नीरव पथ में गूंज उठी और चिन्तातुर अपूर्व धीरे-धीरे पग उठाता हुआ घर की ओर चल दिया। अपूर्व उस दिन अनेक प्रकार के बहाने बना-बनाकर न तो घर के अन्दर गया और न मां से भेंट की। किसी के यहां भोज का निमंत्रण था; वहीं खा आया। अपूर्व जैसा पढ़ा-लिखा और भावुक नवयुवक एक मामूली पढ़ी-लिखी लड़की के मुकाबले अपने छिपे हुए गौरव का बखान करने और उसे आन्तरिक महत्ता का पूर्ण परिचय देने के लिए क्यों इतना आतुर हो उठा; यह समझना बहुत कठिन है? एक निरी गांव की चंचल बाला ने उसे मामूली नवयुवक समझ ही लिया, तो क्या हो गया? और उसने पल भर के लिए अपूर्व का परिहास करके और फिर उसके अस्तित्व को किसी ताक पर रखकर, राखाल नाम के अबोध बच्चे के साथ खेलने के लिए इच्छा प्रकट की, तो उसमें अपूर्व का बिगड़ ही क्या गया? इन बच्चों के सामने उसे प्रमाणित करने की आवश्यकता ही क्या है कि वह विश्वदीप मासिक पत्र में पुस्तकों की समाल ोचना लिखा करता है और उसने सूटकेस में एसन्स, जूते, रूबिनी के कैम्फर, पत्र लिखने के रंगीन कागज और हारमोनियम शिक्षा, पुस्तक के साथ एक पूरी लि खी हुई प्रेस कॉपी, यामिनी के गर्भ में भावी उषा की तरह, प्रज्वलित होने की राह देख रही है; पर मन को समझना कठिन है, कम-से-कम इस देहाती चंचल ल ड़की के सामने श्री अपूर्वकुमार बी.ए. हार मानने के लिए किसी प्रकार भी तैयार नहीं।

संध्या को अपूर्व जब घर के भीतर पहुंचा, तो उसकी मां ने पूछा- क्यों रे, लड़की देख आया? कैसी है, पसंद है न?

अपूर्व ने कुछ लजाते हुए उत्तर दिया- हां, देख तो आया मां, उनमें से मुझे एक ही लड़की पसन्द है।

मां ने तनिक कुछ आश्चर्यचकित स्वर में पूछा- तूने कितनी लड़कियाँ देखी थीं वहां?

अन्त में दो-चार प्रश्नोत्तर के बाद मां को माल ूम हुआ कि उसके लड़के ने पड़ोसिन शारदा की ल ड़की मृगमयी पसंद की है। इतना पढ़-लिखकर भी यह पसंद।

परिणाम यह निकला कि कमबख्त अड़ियल टट्टू की तरह गर्दन टेढ़ी करके, कुछ पीछे को उठकर कह बैठी- मैं ब्याह नहीं करूंगी, जाओ।

इस पर भी उसे ब्याह करना ही पड़ा।

उसके बाद अध्ययन शुरू हुआ। अपूर्व की मां के

घर जाकर एक ही रात में मृगमयी की अपनी सारी दुनिया ने बेड़ियां पहन लीं। सास ने वधू का सुधर करना आरम्भ कर दिया। बहुत ही कठोर मुद्रा बनाकर उससे बोली- देखो बेटी, अब तुम नन्हीं बच्ची नहीं रहीं... हमारे घर में ऐसी बेहाई नहीं चल सकेगी।

सास ने यह बात जिस भाव से कही, मृगमयी ठीक उसे उसी रूप में न समझ सकी। उसने विचारा कि इस घर में यदि न चले, तो शायद कहीं दूसरी जगह जाना पड़ेगा। मध्यान्ह के बाद वह घर में नहीं दिखाई दी। 'कहां गई? कहां गई?' शोर मच गया। ढूंढ़ शुरू हुई। अन्त में विश्वासघातक राखाल ने उसके गुप्त स्थान का पता बताकर, उसे कैद करवा ही दिया। वह बड़-वृक्ष के नीचे श्री राधाकान्तजी के टूटे रथ में जाकर छिप गई थी।

सब ही के सामने मां ने और पास-पड़ोस की गृह-स्त्रियों ने उसे कितना डांटा-फटकारा और लज्जित किया, इसकी कल्पना स्वयं आप ही बना लें तो अच्छा हो?

रात्रि को खूब घनघोर घटाएं छा गईं और रिमझिम-रिमझिम मेह बरसने लगा। अपूर्व ने धीरे से मृगमयी के पास शैया पर जाकर उसके कान में धीमे स्वर में कहा- मृगमयी, क्या तुम मुझे प्यार नहीं करतीं?

मृगमयी ने तत्काल ही कड़क उत्तर दिया- नहीं, मैं तुम्हारे से हर्गिज प्यार नहीं कर सकती। मानो उसने सारी गुस्से की पोटली अपूर्व के माथे पर दे मारी।

अपूर्व ने खिन्न स्वर में पूछा- क्यों, मैंने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है? इस दोष की सन्तोषजनक कैफियत देना तो कठिन है। अपूर्व ने मन-ही-मन कहा, इस विद्रोह-मन को जैसे भी बने वश में करना ही होगा।

अगले रोज सास ने मृगमयी में विद्रोह भाव के सब लक्षण देखकर उसे अन्दर के कोठे में बन्द कर दिया। पिंजड़े में फंसी नई चिड़िया की तरह पहले तो वह कोठे के अन्दर फड़फड़ाती रही अन्त में जब कहीं से भी भागने का कोई मार्ग दिखाई न दिया तो हताश, क्रोध से उन्मत्त हो बिछौने की चादर की दांत से धज्जियां उड़ा दीं और धरा पर औंधी गिर पड़ी और मन-ही-मन पिता की याद करके रोने-चिल्लाने लगी।

ठीक इस समय धीरे-से कोई उसके समीप जाकर बैठ गया। बड़े स्नेह से उसके धूल-धूसरित केशों को कपोलों पर से एक ओर हटा देने का प्रयत्न करने लगा। मृगमयी ने बड़े जोर से अपना सिर हिलाकर उसका हाथ हटा दिया। अपूर्व ने उसके कानों के पास अपना मुंह ले जाकर बहुत ही कोमल स्वर में कहा- मैंने चुपके से द्वार खोल दिया है, चलो, अपने पीछे के बगीचे में आ जायें।

मृगमयी ने जोर से सिर हिलाते हुए कहा- नहीं।

अपूर्व ने उसकी ठोड़ी पकड़कर उसका मुंह ऊपर को उठाना चाहा और बोला- एक बार देखो तो सही कौन आया है? राखाल धरा पर औंधी लेटी हुई मृगमयी को घूरता हुआ हत्बुध्दि ही द्वार पर खड़ा था। मृगमयी ने बिना मुंह उठाये ही अपूर्व का हाथ झटककर अलग कर दिया। अपूर्व ने कहा-देखो राखाल तुम्हारे साथ खेलने आया है; इसके साथ खेलने नहीं जाओगी।

उसने कुपित स्वर में कहा- नहीं।

राखाल ने भी देखा कि मामला कुछ संगीन है। वह किसी प्रकार वहां से निकल, जान बचाकर भाग गया? अपूर्व चुपचाप बैठा रहा। अब मृगमयी अश्रु बहाकर सो गईं तब वह चुपके से उठा और द्वार की सांकल चढ़ा दबे पांव वहां से चल दिया।

इसके अगले ही रोज मृगमयी को पिता की एक चिट्ठी मिली उसमें उन्होंने प्राणप्यारी बेटी मृगमयी के ब्याह में न आने के कारण विलाप करके अन्त में नव दम्पति को शुभ आशीष दिया था।

मृगमयी ने सास मां के पास जाकर कहा- मैं पिताजी के पास जाऊंगी। सास मां ने अनायास ही वधू की इस असम्भव प्रार्थना को सुनकर उसे फटकार दिया, बोली-पिता का कहीं ठौर-ठिकाना भी है कि ऐसे ही पिताजी के पास जायेगी। तेरा तो हर काम दुनिया से निराला ही है। लाड़ मुझे पसन्द नहीं।

वधू ने कोई उत्तर नहीं दिया? अपने कमरे में जाकर उसने भीतर से द्वार बन्द कर लिया और बिल्कुल निराश मानव, जिस प्रकार देवी-देवताओं से प्रार्थना करता है, उस तरह वह कहने लगी- पिताजी, तुम मुझे ले जाओ यहां से। यहां मेरा कोई नहीं है? मैं यहां जीवित न रह सकूंगी।

अधिक रात चले जाने पर, जब उसके पति निद्रा में खो गये तब वह चुपके से द्वार खोलकर बाहर चल दी। वास्तव में बीच-बीच में मेघों की गर्जन सुनाई देती थी, फिर भी बिजली की रोशनी में रास्ता दिखाई देने लायक काफी रोशनी थी। पिताजी के पास जाने के लिए कौन से रास्ते को पकड़ना चाहिए, मृगमयी को कुछ भी पता न था। उसे तो केवल इतना ही विश्वास था कि जिस रास्ते में पत्रवाहक डाक लेकर जाते हैं, उसी मार्ग से दुनिया के किसी भी ठिकाने पर पहुंचा जा सकता है? मृगमयी भी उसी रास्ते पर चलती रही। चलते-चलते उसके शरीर का चूरा हो गया, रात्रि का ल गभग अन्तिम पहर भी खत्म हो चला। सुनसान वन में, जबकि दो-चार पक्षी पंख हिला-हिलाकर अनिश्चित स्वर में बोलना चाहते थे और समय का पूर्ण निर्णय न कर सकने के कारण दुविधा में फंस चुप रह जाते थे, उस समय मृगमयी सड़क के किनारे नदी के तट पर के बाजार में पहुंची। इसके बाद, वह विचार कर रही थी कि अब किस ओर चलना चाहिए, इतने में उसे परिचित 'झमझम' शब्द सुनाई दिया? थोड़ी देर में कन्धे पर चिट्ठियों का थैला लटकाए हांफता हुआ पत्रवाहक 'खट' आ पहुंचा। मृगमयी जल्दी से उसके पास जाकर करुण स्वर में बोली-

'कुशीगंज' में पिताजी के पास जाऊंगी, तुम मुझे साथ ले चलो न।

उसने उत्तर दिया- कुशीगंज कहां है, इसका मुझे नहीं मालूम। छोटा-सा उत्तर देकर वह घाट पर जा पहुंचा और घाट पर बंधी हुई डाक की नौका में बैठकर नाविक को जगाकर नौका खुलवा दी। उस समय उसे किसी पर दया करने या पूछ-ताछ करने की फुर्सत नहीं थी। देखते-देखते बाजार और घाट सजग हो गये। मृगमयी ने घाट पर पहुंचकर एक नाविक से कहा- मुझे कुशीगंज पहुंचा सकोगे।

उस नाविक ने उत्तर देने से पहले ही, बगल की नौका पर से कोई बोल उठा- अरे कौन है? मृगी बिटिया, तू यहां कैसे आई?

मृगमयी ने व्यग्रता से उत्तर दिया-बनमाली! मैं पिताजी के पास कुशीगंज जाऊंगी, तू अपनी नौका पर मुझे ले चल।

बनमाली उसके गांव का ही नाविक था। वह उस उच्छृंखल मानवी को भली-भांति पहचानता था। उसने पूछा- बाबूजी के पास जायेगी बिटिया। बड़ी अच्छी बात है। चल, मैं तुझे पहुंचा दूं।

मृगमयी नौका पर जा बैठी

नाविक ने नौका छोड़ दी। मेघों ने अश्रु बहाना शुरू कर दिया। सावन-भादों के समान पूरी चढ़ी हुई नदी के थपेड़े नौका को जोर से हिलाने लगे। मृगमयी का सारा शरीर थकावट और नींद के मारे टूटने-सा लगा, आंखें नींद से बोझिल हो गईं और वह आंचल बिछाकर लेट रही और लेटते ही वह चंचल नवयौवना नदी के हिंडोले में प्रकृति के स्नेह छाया में पालित शिशु की तरह बेधड़क सो गई।

आंख खुली, तो देखा कि वह अपनी ससुराल में पड़ी सो रही है। उसे जगते देख, महरी बड़बड़ाने ल गी। उसका बड़बड़ाना सुनकर सास मां भी आ पहुंची और जो मन में आया वह कहा। मृगमयी आंखें फाड़-फाड़कर शांत हो उनके मुख की ओर देखती रही। अन्त में सास मां ने भी जब उसके पिता की शिक्षा पर

व्यंग करना शुरू कर दिया तब मृगमयी ने जल्दी से उठ, बगल की कोठरी में घुसकर अन्दर से द्वार बन्द कर लिया।

अपूर्व ने लाज को बिल्कुल ही ताक पर रखकर मां से कहा, मां! वधू को दो-चार दिन के लिए उसके घर ही भेज देने में कोई हर्ज की बात नहीं?

मां ने अपूर्व को बुरी तरह आड़े हाथों लिया, बोली- नपूते! दुनिया में इतनी लड़कियां होते हुए भी न जाने, कहां से छांट-छांट के ऐसी हड़जाल को मेरी छाती पर डाल दिया। इस प्रकार के कटु शब्द अपूर्व को निर्दोष होते हुए भी सुनने पड़े। उस रोज सारे दिन घर के बाहर बूंदा-बांदी और अन्दर अश्रु की वर्षा होती रही।

अगले रोज अर्धरात्रि को अपूर्व ने मृगमयी को धीरे-से जाकर पूछा- मृगमयी, क्या तुम अपने पिताजी के पास जाना चाहती हो?

मृगमयी ने चौंककर जल्दी से अपूर्व का हाथ पकड़कर कृतज्ञ कंठ से उत्तर दिया-हां।

तब अपूर्व ने चुपके से कहा- तो चलो, हम दोनों चोरी-चोरी भाग चलें। मैंने घाट पर नौका प्रबन्ध कर रखा है।

मृगमयी ने इस बार कृतज्ञ दृष्टि से अपूर्व की ओर देखा और उसके बाद तत्काल ही उठ, कपड़े बदल, चलने के लिए उद्यत हो गई। अपूर्व ने मां को किसी प्रकार की फिक्र न हो, इसलिए एक पत्र लिखकर रख दिया और रात्रि के नीरव पहर में घर से निकल पड़े।

मृगमयी ने उस नीरव और शान्त अंधेरी में पहली ही बार अपने मन से पूर्ण अवस्था एवं विश्वास के साथ पति का हाथ पकड़ा; उसके अपने ही हृदय का उद्वेग उस स्पर्श मात्र से अपूर्व की नसों में भी संचारित होने लगा।

नौका उसी रात्रि के नीरव पहर में वहां से चल दी। अकस्मात् खुशी के होते हुए भी मृगमयी को बहुत जल्दी ही नींद ने आ दबाया। अगले रोज आनन्द-ही-आनन्द था। दोनों ओर कितने ही बाजार, खेत और जंगल दिखाई दे रहे थे। इधर-उधर कितनी ही नौकाएं आ-जा रही थीं। मृगमयी उन्हें देखकर पूछने लगी- उस नौका पर क्या है? ये लोग कहां से आ रहे हैं, इस स्थान को क्या कहते हैं? ये सवाल ऐसे पेचीदा थे जो अपूर्व ने कभी कॉलिज की किताबों में कहीं नहीं पढ़े थे और उसके कलकत्ता जैसी महानगरी के तजुर्बे के बाहर थे। फिर भी उसके मन को संतुष्ट करने के लिए जो भी उत्तर दिये थे, वे सब मृगमयी को बहुत अच्छे लगे थे।

दूसरी संध्या को नौका, कुशीगंज के घाट पर जा लगी। पास में ही टीन के एक छोटे से झोंपड़े में, मैली-सी धोती बांधे, कांच की भद्दी लालटेन जला, छोटे से डेक्स पर एक चमड़े की जिल्द वाला बड़ा-सा रजिस्टर रखकर, नंगे बदन, स्टूल पर बैठे, ईशानचन्द्र कुछ लिख-पढ़ रहे थे। इसी समय इस नव दम्पति ने झोंपड़े में प्रवेश किया। मृगमयी ने पुकारा- पिताजी। उस झोंपड़ी में आज तक ऐसी मृदु ध्वनि इस प्रकार से पहले और कभी नहीं सुनाई दी थी।

ईशान के नेत्रों से टप-टप आंसू गिरने लगे। उस समय वे निश्चय न कर सके कि उन्हें क्या करना चाहिए। उनकी बिटिया और दामाद मानो साम्राज्य के युवराज और युवराज्ञी हैं। यहां पटसन के ढेर के बीच में उनके बैठने लायक स्थान कैसे बनाया जा सकता है? इसी के निर्णय हेतु उनकी भटकती हुई बुध्दि और भी भटक गई और खाने-पीने का प्रबन्ध? यह भी दूसरी चिन्ता की बात थी। निर्धन बाबू अपने हाथ से दालभात पकाकर किसी प्रकार पेट भर लेता है, पर आज इस खुशी के अवसर पर क्या खिलाए और क्या करे?

मृगमयी पिता को असमंजस में देखकर फौरन बोली- पिताजी, आज हम सब मिलकर रसोई तैयार करेंगे।

अपूर्व ने इस नवीन प्रस्ताव पर उत्साह प्रगट किया। उस छोटी-सी झोंपड़ी में स्थान की कमी, आदमी की कमी और अन्न की बहुत कमी थी। लेकिन छोटे से छिद्र में से जिस प्रकार फौव्वारा चौगुने वेग से छूटता है, उसी प्रकार निर्धनता के सूक्ष्म सुराख से खुशी का फौव्वारा तीव्रता से छूटने लगा।

इसी प्रकार तीन दिन बीत गये। दोनों समय नियमित रूप से स्टीमर आता, यात्रियों का आना-जाना और शोरगुल सुनाई देता था, लेकिन संध्या के समय नदी का तट बिल्कुल सुनसान हो जाता था तब अपूर्व एक अनोखी स्वतन्त्रता का अनुभव किया करता था। तीनों मिलकर कहीं-कहीं रसोई तैयार किया करते थे। उसके बाद नई-नई चूड़ियों से भरे हाथों से उसका परोसा जाना, श्वसुर और जमाता का सम्मिलित रूप से भोजन करना और नई गृहिणी के भोजन की त्रुटियों पर परिहास किया जाना, इस पर मृगमयी का अभिमान करना, इन सब बातों से सबका मन पुलकित हो उठता था।

अन्त में अपूर्व ने कहा कि अब अधिक दिन ठहरना उचित नहीं। मृगमयी ने कुछ और दिन ठहरने की प्रार्थना की। लेकिन ईशान बाबू ने कहा- नहीं, अब नहीं।

विदा बेला पर बिटिया को छाती से लगा, उसके माथे पर स्नेहसिंचित हाथ को रखकर अश्रुमिश्रित स्वर में ईशानचन्द्र ने कहा-बिटिया, तू अपनी ससुराल में ज्योति जगाना, लक्ष्मी बनकर रहना...जिससे मेरे में कोई दोष न निकाल सके।

मृगमयी अश्रु बहाती हुई अपने पति के साथ विदा हो गई और ईशान बाबू अपनी उसी झोंपड़ी में लौटकर उसी पुराने नियम के अनुसार माल तोलकर दिन पर दिन और मास पर मास बिताने लगे।

दोनों अपराधियों की युगल जोड़ी अब घर पहुंची तो मां गम्भीर बनी रही, किसी से कुछ बात नहीं की? मां की ओर से किसी के व्यवहार में कोई दोष ही प्रदर्शित नहीं किया गया कि जिसकी सफाई के लिए दोनों में से कोई कुछ प्रयत्न करता? इस शान्त अभियोग ने, इस मूक अभियान ने, पर्वत की तरह सारी घर-गृहस्थी को अटल होकर दबा रखा।

जब यह सहन शक्ति से बाहर की बात हो गई तो अपूर्व ने कहा- मां, कॉलेज खुल गया है, अब मुझे कानून पढ़ने जाना है। मां ने कुछ उदासीनता प्रकट करते हुए कहा-बहू का क्या करोगे? अपूर्व ने कहा- यहीं रहेगी।

मां ने उत्तर दिया- ना बेटा, यहां पर उसकी जरूरत नहीं। उसे तुम अपने साथ ही लेते जाओ।

अपूर्व ने अभिमान पीड़ित स्वर में कहा-जैसी इच्छा।

कलकत्ता लौटने की तैयारी मां करने लगी। लौटने के एक दिन पहले, रात को अपूर्व जब अपने कमरे में विश्राम के लिए गया, तो देखा कि मृगमयी शैया पर पड़ी रो रही है। अनायास ही उसके हृदय को चोट पहुंची। व्यक्त स्वर में बोला- मृगमयी! मेरे साथ महानगरी चलने को मन नहीं चाहता क्या?

मृगमयी ने उत्तर दिया- नहीं।

अपूर्व ने पुनः पूछा- क्या तुम मुझसे प्रेम नहीं करतीं?

इस प्रश्न का कुछ भी उत्तर न मिला। विशेषतया इस प्रकार के प्रश्न का उत्तर बहुत ही सरल हुआ करता है; किन्तु कभी-कभी इसके अन्दर मनःस्तर की इतनी जटिलता होती है कि कन्या से ठीक वैसे उत्तर की आशा नहीं की जा सकती।

अपूर्व ने प्रश्न किया- राखाल को छोड़कर यहां से चलने की इच्छा नहीं होती है क्या?

मृगमयी ने बड़ी सुगमता से उत्तर दिया-हां।'

इसे सुनकर बी. ए. पास अपूर्व के हृदय में सुई के बराबर बालक राखाल की ओर से ईष्या का अंकुर उठ खड़ा हुआ। बोला- बहुत दिनों तक गांव नहीं ल

स्पेशल ऑफर के साथ

क़ाजल फुट वेयर

हमारे यहां सभी प्रकार के फुटवेयर उपलब्ध है

कर्जत स्टेशन के पास (वेस्ट)

आशापुरा ज्वैलर्स

सोने-चांदी के गहनों के व्यापारी

शिवाजी रोड, शहाड़ फाटक, उल्हासनहर-४
फोनः ०२५१-२७०९९६२

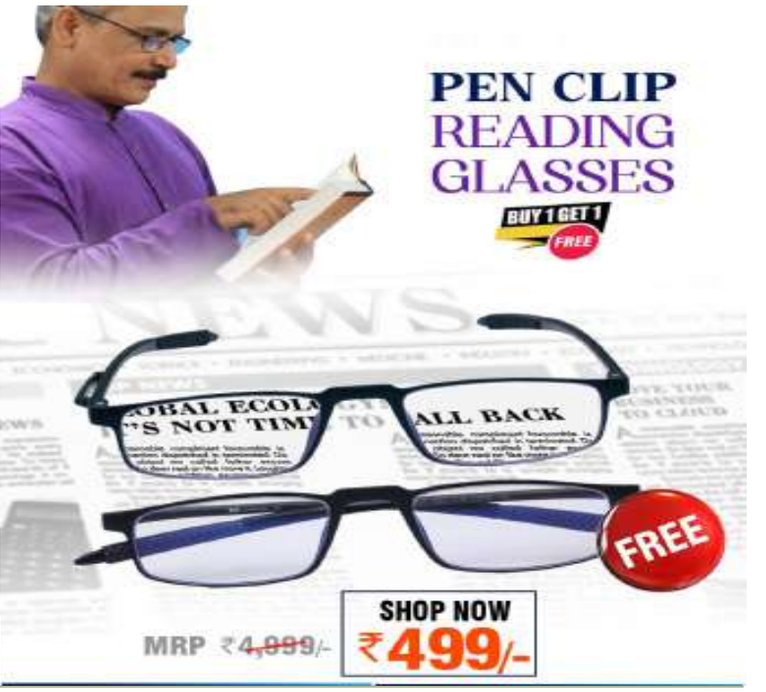

ौट सकूंगा। शायद दो-ढाई साल या इससे भी अधिक समय लग जाये।

इसके विषय में कुछ न कहकर मृगमयी बोली- वापस आते समय राखाल के लिए एक बढ़िया-सा राजस का चाकू लेते आना।

अपूर्व लेटे हुए था; तनिक उठकर बोला-तो तुम यहीं रहोगी। मृगमयी ने उत्तर दिया- हां, अपनी मां के पास जाकर रहूंगी। अपूर्व ने ठंडी-सी उच्छ्वास छोड़ी, बोला-अच्छा, वहीं रहना। अब जब तक बुलाने की चिट्ठी नहीं लिखोगी, मैं नहीं आऊंगा। अब तो खुश हो न।

मृगमयी ने इस प्रश्न का उत्तर देना व्यर्थ समझा और सोने लगी; किन्तु अपूर्व को नींद नहीं आई, तकिया ऊंचा किये उसके सहारे बैठा रहा।

रात्रि के अन्तिम पहर में सहसा चन्द्रमा दिखाई दिया और उसकी चांदनी बिस्तर पर आकर फैल गई। अपूर्व ने उस रोशनी में मृगमयी के चेहरे की ओर देखा। देखते-देखते उसे ऐसा महसूस हुआ कि रूप कथा की शहजादी को किसी ने चांदी की छड़ी छुआकर अचेत कर दिया हो। एक बार फिर सोने की छड़ी छुआते ही इस सोती हुई आत्मा को जगाकर उससे बदली की जा सकती है। चांदी की छड़ी परिहास है और सोने की छड़ी क्रुन्दन।

भोर से पहले ही अपूर्व ने मृगमयी को जगा दिया, बोला, मृगमयी, मेरे चलने का समय आ गया है। चल ो, मैं तुम्हारी मां के पास छोड़ आऊं।

मृगमयी बिस्तर से उठकर चलने के लिए तैयार हो गई। अपूर्व ने उसके दोनों हाथों को हाथों में लेकर कहा- अब एक विनती और है, मैंने कितने ही अवसरों पर तुम्हारी सहायता की है, आज परदेश जाते समय तुम मुझे उसका इनाम दे सकोगी।

मृगमयी ने आश्चर्य के साथ पूछा- क्या?

अपूर्व ने कहा- स्वेच्छा से केवल एक चुंबन दे दो।

अपूर्व की इस अनोखी विनती और शान्त चेहरे को देखकर मृगमयी हंसने लग गई, और फिर बड़ी कठिनाई से हंसी को रोककर वह चुंबन देने के लिए आगे बढ़ी। अपूर्व के मुंह के पास मुंह ले जाकर उससे न रहा गया, खिलखिलाकर हंस पड़ी। इस प्रकार दो बार किया और अन्त में शांत होकर आंचल से मुंह ढंककर हंसने लगी। जब कुछ न बन पड़ा तब अपूर्व ने डांटने के बहाने उसके कान खींच लिये।

अपूर्व ने भी बड़ी भारी प्रतिज्ञा कर रखी थी कि वह जबर्दस्ती से कभी भी मृगमयी से कुछ नहीं लेगा; क्योंकि इसमें वह अपना अपमान समझता था। उसकी इच्छा थी कि देवताओं के समान सगौरव रहकर स्वेच्छा से भेंट किए हुए उपहार को पाये, और अपने हाथ से उठाकर कुछ भी न ले।

मृगमयी फिर न हंसी। अपूर्व उसे उषा की प्रथम किरणों में निर्जन पथ से उसकी मां के घर छोड़ आया फिर लौटकर मां से बोला- मां! बहुत सोच-विचार कर इस निर्णय पर पहुंचा कि वधू को कलकत्ता ले जाने से पढ़ाई में बहुत नुकसान होगा और फिर उसकी वहां कोई साथिन भी तो नहीं है... तुम तो उसको अपने पास रखना नहीं चाहतीं। इसलिए मैं उसे उसके घर छोड़ आया हूं। इस प्रकार गर्व के चूर्ण में ही मां पुत्र का विच्छेद हुआ।

मां के घर पहुंचकर मृगमयी को पता लगा कि अब यहां उसका किसी प्रकार मन ही नहीं लगता है? उस घर में जाने कौन-सा परिवर्तन आ गया है कि समय काटे नहीं कटता। क्या करे, कहां जाये, किससे मिल `, उसकी कुछ भी समझ में नहीं आया?

थोड़े ही दिनों में मृगमयी को कुछ ऐसा लगने ल गा, कि घरबार और गांव भर में कोई आदमी ही नहीं है? अब कलकत्ता जाने को उसका मन इतना आतुर क्यों है, पहले ऐसा क्यों नहीं था? यह उलझन उसकी समझ में नहीं आई। उसने वृक्ष के शुष्क पत्ते के समान ही डंठल से गिरे हुए उस अतीत जीवन को आज अपनी इच्छा से अनायास ही दूर फेंक दिया।

प्राचीन कथाओं से सुना जाता है कि पहले निपुण अस्त्रकार ऐसी बारीक खड्ग बना सकते थे कि जिससे आदमी को काटकर दो टुकड़े कर देने पर भी उसे माल ूम नहीं पड़ता और जब उसे हिलाया जाता था तो उसके दो टुकड़े हो जाते थे। विधाता की खड्ग ऐसी ही सूक्ष्म है, कि कब उन्होंने मृगमयी के बचपन और जवानी के बीच वार किया, वह जान ही न सकी। आज न जाने कैसे तनिक हिल जाने से उसका बचपना जवानी से अलग जा गिरा, और तब वह आश्चर्यचकित होकर देखती ही रह गई।

मायके में उसकी वह चिर-परिचित कोठरी उसे अपनी नहीं मालूम पड़ी। जो मृगमयी वहां काम करती थी, अब मालूम हुआ कि यहां रही ही नहीं। अब उसके हृदय की सारी स्मृति एक-दूसरे ही घर में, दूसरे ही कमरे में, दूसरी ही शैया के आस-पास गूंजती हुई उड़ने लगी। मृगमयी अब बाहर नहीं दिखाई पड़ती, उसकी हास्य-ध्वनि अन्दर ही घुटकर रह जाती। उसका बचपन का साथी राखाल तो उसे देखकर त्रस्त हो भाग जाता, खेलकूद की बात तो अब उनके मन में ही नहीं आती।

मृगमयी ने अपनी मां से कहा- मां, मुझे सास मां के घर ले चल।

उधर कलकत्ते जाते समय बेटे की उदासीनता को याद करके मां का हृदय विदीर्ण हो रहा था। क्रोध में आकर वधू को वह अपनी ससुराल छोड़ आया, यह बात उसके मन में सुई की तरह चुभने लगी थी।

इतने में एक दिन अवगुंठन डाले मृगमयी आ पहुंची। चेहरा उसका मुर्झा-सा गया था और उसने सास मां के चरणों का स्पर्श किया। आशीष देने के स्थान पर सास मां की आंखों में अश्रु भर आये और उसी क्षण मृगमयी को उठाकर जलते हुए कलेजे से लगा लिया। उसी क्षण दोनों का मिलाप हो गया। मृगमयी के चेहरे की ओर निहारकर सास मां को बड़ा आश्चर्य हुआ। अब वह पहली मृगमयी नहीं रही थी, ऐसा परिवर्तन तो कतिपय सबके लिए सम्भव नहीं। ऐसे परिवर्तनों के लिए बड़ी ताकत की आवश्यकता होती है। सास मां ने बहुत सोच-समझकर निश्चय किया था कि वधू के सारे दोषों को धीरे-धीरे से सुधारेगी, किन्तु यहां तो पहले से ही किसी विशेष सुधरक ने उसे नव-जीवन दे डाला था।

अब वधू ने सास मां को अच्छी तरह पहचान लि या था; और सास मां ने उसको। मृगमयी के हृदय में आषाढ़ माह के सजल मेघों के समान अश्रुओं से पूर्ण गर्व उमड़ने लगा। उस गर्व से उसकी बड़ी-बड़ी आंखों की छायादार घनी पलकों पर और भी गहरा आवरण डाल दिया। वह मन-ही-मन अपूर्व से कहने ल गी, मैं अब तक अपने को न समझ सकी तो न सही पर तुमने मुझे क्यों नहीं समझने का प्रयत्न किया? तुमने मुझे दण्ड क्यों नहीं दिया? तुमने अपनी इच्छा के वशीभूत ही क्यों नहीं चलाया? मुझ डाइन ने जब तुम्हारे साथ महानगरी चलने को इन्कार किया, तो तुम मुझे जबर्दस्ती पकड़कर क्यों नहीं ले गये? तुमने मेरा कहना क्यों पूरा किया? मेरे हठ के आगे क्यों झुके? मेरी अवज्ञा को क्यों सहन किया?

इसके उपरान्त, फिर उसे उस दिन की याद आई, पहले पहल जिस दिन अपूर्व सवेरे तालाब के किनारे सुनसान रास्ते में उसे बन्दी बना कर मुंह से कुछ न कहकर केवल उसके मुख की ओर निहारता रहा था। उस दिन के उस तालाब की, उस पथ की, वृक्ष की नीचे उस छाया की, भोर की उस सुनहली धूप की, हृदय भार से झुकी हुई उस गहरी चितवन की उसे स्मृति छा गई और सहसा उसका पूरा-पूरा अर्थ अब उसकी समझ में आ गया था। इसके उपरान्त विदा की बेला

पर जिस चुंबन को वह अपूर्व के होंठों तक ले जाकर लौटा आई थी वह अधूरा चुंबन अब मरु-मरीचिका की ओर तृषित मृग की तरह उत्तरोत्तर तीव्रता के साथ उन बीते हुए दिनों की ओर उड़ान भरने लगा किन्तु तृष्णा उसकी किसी प्रकार भी न मिट सकी। अब रह-रहकर उसके मन में यही बातें उठा करतीं; यदि, उस समय तू ऐसा करती, उनकी बात का यदि ऐसा उत्तर देती, तब ऐसा करती।

अपूर्व के मस्तिष्क में इस बात का बड़ा दुःख रहा कि मृगमयी ने उसे अच्छी तरह पहचाना नहीं और मृगमयी ने भी आज बैठे-बैठे यही सोचा कि उन्होंने उसे क्या समझा होगा, क्या सोचते होंगे? अपूर्व ने उसे पाषाणी चंचल, उद्दण्ड, नादान लड़की समझ लिया होगा। लबालब भरे हुए तरलामृत की धारा से अपनी प्रेम तृष्णा मिटाने में उसे समर्थ नवयौवना नहीं जाना। इस वेदना से धिक्कार के मारे लज्जा से वह धारा में धंसी जा रही थी और प्रियतम के चुंबन और सुहाग के उस ऋण को वह अपूर्व के तकिए को दे-देकर उऋण होने का प्रयत्न करने लगी।

इसी प्रकार काफी दिन बीत गए।

चलते समय अपूर्व कह गया था, जब तक तुम्हारा पत्र नहीं आयेगा, तब तक मैं नहीं आऊंगा। मृगमयी इसी बात को याद कर, कमरे का द्वार बन्द कर, एक दिन पत्र लिखने के लिए बैठी अपूर्व ने जो सुनहरी किरणों के कागज दिये थे उन्हें निकालकर बैठी-बैठी विचारने लगी, क्या लिखे? बड़े यत्न के बाद हाथ जमा कर टेढ़ी-मेढ़ी रेखायें अंकित कर उंगलियों में स्याही पोत कर छोटे-बड़े अक्षरों में ऊपर सम्बोधन बिना किए ही एकदम लिख दिया- तुम मुझे चिट्ठी क्यों नहीं भेजते? तुम कौन हो? घर चले आओ और क्या होना चाहिए? वह सोचकर भी किसी निर्णय पर न पहुंच सकी? अन्त में उसने कुछ विचार कर लिया- अब मुझे चिट्ठी लिखना और कैसे रहते हो सो लिखना; जल्दी आना सब अच्छी तरह हैं और कल हमारी काली गाय के बछड़ा हुआ है। इतना लिखकर चिट्ठी लिफाफे में बन्द कर दी और फिर हृदय के प्यार से सिंचित शब्दों में लिख दिया श्रीयुत अपूर्वकुमार राय। प्यार चाहे कितना ही उड़ेला गया हो, किन्तु तो भी रेखा सीधी, अक्षर सुन्दर और लिखावट सही नहीं हुई।

लिफाफे पर नाम के सिवा और कुछ लिखना भी आवश्यक है, मृगमयी इस बात से परिचित न थी।

कहीं सास मां या कोई और न देख ले, इस भय से लिफाफे को विश्वस्त दासी के हाथ डाक में डलवा दिया।

कहने की आवश्यकता नहीं कि उस पत्र का कुछ फल नहीं निकला और अपूर्व घर नहीं लौटा।

मां ने देखा कि कॉलेज बन्द हो गया, फिर भी अपूर्व घर नहीं आया। सोचा, अब भी वह उनसे गुस्से है। मृगमयी ने भी समझ लिया कि अपूर्व उससे गुस्सा कर रहा है और तब वह अपने पत्र की याद करके, मारे लज्जा के गड़ जाने लगी। वह पत्र उसका कितना तुच्छ और छोटा था। उसमें तो कोई बात ही नहीं लि खी गई, उसने अपने मन के भाव तो उसमें लिखे ही नहीं...फिर उनका ही क्या दोष? यह सोच-सोचकर वह तीर बिंधे शिकार की तरह भीतर-ही-भीतर तड़पने लगी। दासी से उसने बार-बार पूछा- उस पत्र को तू डाक में डाल आई थी। दासी ने उसे कितनी ही बार समझाया- हां, बहूजी, मैं खुद चिट्ठी को डिब्बे में डाल आई हूं। बाबूजी को वह मिल भी गई होगी।

अन्त में अपूर्व की मां ने मृगमयी को पास बुल ाकर पूछा- बहू, वह बहुत दिनों से घर नहीं आया, मन चाहता है कि कलकत्ता जाकर उसे देख आऊं, क्या तुम साथ चलोगी?

मृगमयी जबान से कुछ न कह सकी; परन्तु स्वीकृति रूप में सिर हिला दिया और अपने कमरे में जाकर, तकिए को छाती से लगाकर, इधर से उधर करवटें बदलकर, हृदय के आवेश को दबाकर हल्की होने का प्रयत्न करने लगी और इसके बाद भावी आशंका के विषय में सोचकर रोने लगी।

अपूर्व को सूचित किए बिना ही दोनों उसकी शुभकामना चाहती हुई कलकत्ता को चल दी।

अपूर्व की मां कलकत्ते में अपने दामाद के यहां ठहरी। उसी दिन संध्या को अपूर्व मृगमयी के पत्र की आस छोड़कर और वचन को भंग करके स्वयं ही पत्र लिखने के लिए बैठा था तभी उसे जीजाजी का पत्र मिला कि तुम्हारी मां आई हैं। जल्दी आकर मिल ो और रात को भोजन यहीं करना, समाचार सब ठीक है। इतना पढ़ने पर भी उसका मन किसी अमंगल सूचना की आशंका कर घबरा उठा। वह तुरन्त ही कपड़े बदल, जीजाजी के घर की ओर चल दिया। मिल ते ही उसने मां से पूछा- मां, सब मंगल तो है।

मां ने कहा- सब देवी की कृपा है। छुट्टियों में तू घर क्यों नहीं आया, इसीलिए मैं तुझे लेने आई हूं?

अपूर्व ने कहा- मेरे लिए इतनी तकलीफ उठाने की क्या जरूरत थी मां! मैं तो कानून की परीक्षा के कारण...

ब्यालू करते समय दीदी ने पूछा- भइया! उस समय भाभी को तुम साथ ही क्यों नहीं लेते आये।

भइया ने गम्भीरता के साथ कहा- कानून की पढ़ाई थी दीदी।

जीजा ने हंसकर कहा- यह सब तो बहाना है, असल में हमारे डर से लाने की हिम्मत नहीं पड़ी।

दीदी बोली- बड़े डरपोक निकले भइया। कहीं इस डर से बुखार तो नहीं चढ़ा।

इस तरह हंसी-मजाक चलने लगा, परन्तु अपूर्व वैसे ही उदासीन बना रहा। मां जब कलकत्ते आई, तब मृगमयी भी चाहती तो वह भी कलकत्ते आ सकती थी, पाषाणी कहीं की। इस प्रकार सोचते-सोचते उसे सारा मानव-जीवन व्यर्थ-सा प्रतीत होने लगा।

ब्यालू के बाद बड़ी जोर की आंधी आई और बहुत तेज वर्षा होने लगी। दीदी ने कहा- भइया, आज यहीं रह जाओ।

अपूर्व ने कहा- नहीं दीदी, मुझे जाना ही होगा, बहुत-सा काम पड़ा है।

जीजा ने कहा- ऐसी रात में तुम्हें क्या काम है? एक रात को ठहर ही जाओगे तो कौन-सा काम बिगड़ जायेगा?

बहुत कहने-सुनने के उपरान्त अनिच्छा से अपूर्व को उस रात दीदी के पास ठहरना पड़ा।

राजी हो जाने पर दीदी ने कहा- भइया, तुम थके हुए दिखाई देते हो, अब चलकर आराम कर लो।

अपूर्व की यही इच्छा थी कि शैया पर अंधेरे में अकेले जाकर सो रहे तो उसकी जान बचे। बातें करना भी तो उसे बुरा लगता था।

सोने के लिए जिस कमरे के द्वार तक उसे पहुंचाया गया, वहां जाकर देखा कि भीतर अन्धकार छाया था। दीदी ने कहा-डरो मत भइया, हवा से बत्ती बुझ गई मालूम होती है, दूसरी बत्ती लिये आती हूं।

अपूर्व ने कहा- नहीं दीदी, अब उसकी आवश्यकता नहीं है। मुझे अंधेरे में ही सोने की आदत है।

दीदी के चले जाने पर अपूर्व अंधकार से भरे कमरे में सावधानी के साथ शैया की ओर बढ़ा।

शैया पर बैठना चाहता था कि इतने में चूड़ियों के खनकने की आवाज सुनाई दी और कोमल बाहुपाश में वह बुरी तरह जकड़ गया। उन्हीं क्षणों पुष्प से कोमल व्याकुल ओष्ठों ने डाकू के समान आकर अविरल अश्रु धारा के भीगे हुए चुम्बनों के मारे उसे आश्चर्य प्रकट करने तक का अवसर न दिया।

अपूर्व पहले तो चौंक पड़ा। इसके बाद उसकी समझ में आया कि जो काम वह पाषाणी को मनाने के लिए अधूरा छोड़ आया था, उसे आज अश्रुओं के वेग ने पूर्ण कर दिया है।

- रवीन्द्रनाथ टैगोर

Faces Canada Magneteyes Kajal Duo Pack

Faces Canada Magneteyes Kajal Duo Pack

Good Vibes Onion Hairfall Control Oil I Strengthening I Hair Growth I No Parabens, No Sulphates, No Mineral Oil, No Animal Testing (100 ml)

Good Vibes Argan Oil Hairfall Control Vitalizing Serum I Frizz Control, Shine, Stregthening I No Parabens, No Sulphates, No Animal Testing (50 ml)

3 Austrian Diamond
Jewellery Sets
(3AUD2)
M.R.P. : ₹1,999
Only At
₹499

SCOTTISH CLUB
PACK OF 5 V NECK T-SHIRT
M.R.P. ₹2,495/-
OFFER PRICE ₹599

NIRLON
12 CAVITY
NON- STICK APPAM PATRA
WITH LONG HANDLE & LID
MRP ₹999/-
SHOP NOW
₹399/-

10 BEDSHEET SETS
+ 15 PILLOW COVERS
MEGA COMBO
SHOP NOW
₹1,999/-

Easy Go Stylish
LEATHERITE TROLLY BAG
SHOP NOW
₹1,499/-

धनिया की खेती

धनिया एक वार्षिक जड़ी बूआी का पौधा है जिसका प्रयोग रसोई में मसाल ` के तौर पर किया जाता है। इसके बीजों, तने और पत्तों का प्रयोग अलग अल ग पकवानों को सजाने और स्वादिष्ट बनाने के लिए किया जाता है। इसके पत्तों में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है। घरेलू नूस्खों में इसका प्रयोग दवाई के तौर पर किया जाता है। इसे पेट की बिमारियों, मौसमी बुखार, उल्टी, खांसी और चमड़ी के रोगों को ठीक करने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसकी सब से ज्यादा पैदावार और खप्त भारत में ही होती है। भारत में इसकी सब से ज्यादा खेती राजस्थान में की जाती है। मध्य प्रदेश, आसाम, और गुजरात में भी इसकी खेती की जाती है।

धनिया भारत की प्रमुख मसाला फसलों में से एक है। इसकी खेती भी भारत में बहुत बड़े पैमानें पर की जाती है जिसे हम मसाला फसल के रूप में जानते है। धनिया के पौधे से प्राप्त बीज और पौधे दोनों को उपयोग किया जाता है। धनिया की पत्ती का प्रयोग हम सब्जी में डालकर सब्जी को स्वादिष्ट बनाने के लिए करते है और धनिया की चटनी तो हर कोई खाना चाहता है। कृषि एक्सपर्ट की मानें तो इसके बीज में वाष्पशील तेल पाया जाता है, जो हमारे खानें को और भी स्वादिष्ट बनाता है। भारत के कुछ हिस्सों में धनिया के बीज का प्रयोग हम तेल, कैंडी, शराब, सूप बनाने के लिए भी करते है। धनिया के प्रयोग से साबुन और खुशबूदार चीजों को भी बनाया जाता है।

भारत में भी धनिया की खेती बहुत प्रमुखता से की जाती है , मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, आंध्रप्रदेश धनिया का उत्पादन करने वाले प्रमुख राज्य है। धनिया हमारे शरीर को भी कई बीमारी से बचाती है , इसके अंदर कैल्शियम, आयरन, फाइबर, विटामिन-ए, सी, कैरोटिन और कॉ पर आदि चीजें पाई जाती है। डॉ की मानें तो अगर आप नियमित रूप से धनिया के दो बीज प्रतिदिन चबाते है तो आपको कभी भी शुगर नहीं होगा। आज के समय में धनिया की खेती काफी फायदेमंद खेती मानी जाती है।

हाइब्रिड धनिया की किस्मे रोगों और कीटों के प्रति प्रतिरोधी होती है जिसके कारण फसल को कोई हानि नहीं पहुंचती है हाइब्रिड धनिए की किस्मे

स्वादिष्ट और सुगंध के साथ कम समय में तैयार होने वाली किस्मे होती है हाइब्रिड बीज से तैयार की गई फसल पारंपरिक बीज से तैयार फसल की तुलना में अधिक समय तक टिकती है और ताजी बनी रहती है इसलिए हाइब्रिड धनिए की खेती आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है।

हाइब्रिड धनिए की किस्मो को विभिन्न प्रकार की किस्मों से वर्षों की मेहनत करके विकसित किया जाता है जिसमें उनके विशेष अच्छे गुणो को बढ़ाने के लिए सालों मेहनत की जाती है इसके बाद यह उच्च उपज और बेहतर स्वाद तथा लंबी लाइफ और कीटों तथा बीमारियों के प्रति प्रतिरोधी बन पाती है जिसके कारण किसानों को फसल से सामान्य खेती की तुलना में हाइब्रिड किस्म से अधिक उपज और लाभ होता है।

हाइब्रिड धनिया की किस्मो का चुनाव

पहले आपको अपने क्षेत्र की जलवायु और मिट्टी के अनुसार ही हाइब्रिड धनिए की किस्मो का चुनाव करना चाहिए क्योंकि धनिए की अलग-अलग किस्म की जलवायु और मिट्टी मांग अलग-अलग होती है इसलिए आपको अपने जिले के कृषि विज्ञान केंद्र पर जाकर अपने क्षेत्र के लिए उपयुक्त हाइब्रिड धनिए की किस्म की जानकारी ले लेनी चाहिए। संकर धनिया की खेती के लिए मिट्टी तैयार करना एक महत्वपूर्ण कार्य है धनिया की हाइब्रिड किस्म के लिए ६ से ७ के बीच पीएच मान स्तर वाली तथा अच्छी जल निकास वाली भूमि उपयुक्त रहती है खेत की अच्छे से जुताई करके मिट्टी में जैविक पदार्थ जैसे कंपोस्ट खाद या सड़ी हुई गोबर की खाद डालनी चाहिए।

हाइब्रिड धनिया की खेती करने के लिए वर्षा ऋतु का मौसम सबसे अच्छा होता है इस मौसम में बोए गए धनिए के बीज तेजी के साथ अंकुरित होते हैं वर्षा

ऋतु के मौसम में धनिए के बीज बोते समय उसे समय मिट्टी की नमी को ध्यान में रखकर बीज की बुवाई करनी चाहिए धनिया की खेती से आप १५ अक्टूबर से १५ नवंबर के बीच भी बुवाई करके अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। मिट्टी की अच्छे से तैयारी करने के बाद मिट्टी को ढीली करके और बड़े गुच्छो को हटाकर बीज की क्यारियां तैयार की जाती है।

खेत में नाली बनाते समय नाली के बीच की दूरी १५ से २० सेंटीमीटर रखनी चाहिए।

बीज की बुवाई करते समय दो बीज के बीच की दूरी २ से ३ सेंटीमीटर होनी चाहिए यदि आप कूड़ो में बीज की बुवाई करते हैं तो समान रूप से बीज की बुवाई कर सकते हैं। धनिया के बीज की बुवाई करने के बाद उनको ऊपर पतली मिट्टी की परत से ढक देते हैं और हल्के हाथ से दबा देते हैं। बीजों की बुवाई करने के बाद खेत में हल्की सिंचाई कर देनी चाहिए अधिक सिंचाई करने से बीज सड़ सकते हैं।

हाइब्रिड धनिए की फसल में सिंचाई कैसे करें

हाइब्रिड धनिए की खेती करने के लिए उचित पानी और सिंचाई की आवश्यकता होती है इसलिए पौधों को नियमित रूप से पानी देकर मिट्टी में नमी बनाए रखना चाहिए तथा गर्म दिनों में अधिक सिंचाई की जानी चाहिए। आवश्यकता अनुसार ही पानी देना चाहिए अत्यधिक पानी देने से पौधों की जड़े सड़ने लगते हैं और पानी से संबंधित बीमारियां और किट का भी संक्रमण हो जाता है। इस प्रकार की समस्या से बचने के लिए उचित जल निकास की व्यवस्था करनी चाहिए यदि आंख आपके क्षेत्र में जल भराव की अधिक समस्या रहती है तो आप ड्रिप सिंचाई विधि या स्प्रिंकरण प्रणाली का भी उपयोग कर सकते हैं।

यदि आपके क्षेत्र में पानी की कमी है तो आप पौधों के चारों ओर की मिट्टी को मल्चिंग के द्वारा मिट्टी की नमी को सुरक्षित रख सकते हैं और साथ ही खरपतवार की समस्या से भी छुटकारा पा सकते हैं।

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन

सबसे पहले अपनी मिट्टी की जांच कर लेनी चाहिए कि आपकी मिट्टी में किसी भी प्रकार पोषक तत्वों की कमी तो नहीं है इसके बाद रोपण से पहले मिट्टी में अच्छी तरह से संतुलित जैविक उर्वरक या खाद मिल नी चाहिए जब पौधे कुछ बड़े हो जाए या वनस्पति अवस्था के दौरान पौधों को नाइट्रोजन युक्त उर्वरक देने चाहिए। धनिया के पौधे में फूल आने और फल ल गने के दौरान पोटेशियम और फास्फोरस उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए ऐसा करने से पैदावार अधिक होती है।

धनिया की खेती में खरपतवार नाशक दवा उपयोग

धनिए की खेती में खरपतवार के द्वारा ४० से ४५इ तक उपज कम हो सकती है इसलिए धनिया की खेती में खरपतवार नियंत्रण करना एक सबसे महत्वपूर्ण कार्य होता है धनिया की खेती में नीचे दी गई खरपतवार नाशक दवा का उपयोग कर सकते हैं।

पेडिमिथलीन ३० EC - इस खरपतवार नाशी दवा का उपयोग धनिए की बुवाई के बाद खरपतवार नियंत्रण करने के लिए किया जाता है इस दवा को बुवाई के दो से तीन दिन बाद ६०० से ७०० लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टर छिड़काव किया जाता है।

क्विजोलोफाप इथाईल ५ EC - इस दवा का उपयोग भी धनिए की खेती में खरपतवार नियंत्रण करने के लिए किया जा सकता है इसकी ५० ग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर ६०० से ७०० लीटर पानी में १५ से २० दिन के अंतराल पर किया जा सकता है।

हाइब्रिड धनिए में कीट एवं रोग प्रबंधन हाइब्रिड धनिया की किस्मे कीट और बीमारियों के प्रति प्रतिरोधी होते हैं किंतु कुछ स्थिति में हाइब्रिड धनिया की फसल में भी कीट और रोग लगा सकते हैं इसलिए उनका निवारण करना बहुत आवश्यक होता है। किट और रोगों से बचने के लिए फसल चक्र का उपयोग करना चाहिए।

धनिया के फसल की कटाई बीजों के किस्म के आधार पर की जाती है। धनिया की फसल १२० -१३० दिन में पककर तैयार हो जाती है। इसके पौधे की कटाई हम दो तरह से कर सकते है , जिसके लिए अलग - अलग समय का निर्धारण किया गया है। अगर किसान भाइयों आपने धनिया की बुवाई पत्तियों के लिए किया है तो पत्तों के बड़ा होते ही इसकी कटाई कर लेनी चाहिए। इसके अलावा किसान भाइयों अगर आप बीजों के रूप में फल प्राप्त करना चाहते है तो इसके लिए आपको तोडा इंतजार करके कटाई करनी चाहिए। धनिया की पत्तियां जब पीली पड़कर गिरने लगें तो इसकी कटाई कर लेनी चाहिए। कटाई करने के बाद आप इन्हे सूखा लें , जब इसके डंठल पूरी तरह से सूख जाएं तो बीजों को अलग कर लेना चाहिए। धनिया की मांग भी बाजारों में हमेशा रहती है , इसलिए इसकी खेती करना काफी फायदें का सौदा हो सकता है।

कीट या रोग से प्रभावित पौधों को खेत से निकाल कर रख कर देना चाहिए।

रोग प्रतिरोधी या कीट प्रतिरोधी किस्मो का इस्तेमाल करना चाहिए।

धनिया के पौधे की नियमित रूप से देखभाल करनी चाहिए।

एफिडस या लीफ माइनर जैसे सामान्य किट के प्रबंध के लिए नीम का तेल, ल हसुन पर आधारित स्प्रे का उपयोग कर सकते हैं।

यदि आपको कीट या रोगों को नियंत्रित करने में कोई परेशानी आ रही हो तो आप कृषि विशेषज्ञ की सलाह ले सकते हैं।

हाइब्रिड धनिए की कटाई कब और कैसे करें

धनिया की फसल ८० से ९० दिनों में कटाई के योग्य हो जाती है धनिए को

पौधों के आधार से काटना चाहिए यदि आप बीज उत्पादन के लिए धनिए की खेती कर रहे हैं तो आप परिपक्व होने तक जब तक बीज बुरे ने हो जाए तब तक कटाई ना करें।

कटाई के बाद क्या करें

किसी भी प्रकार की श्रुति ग्रस्त या बदरंग पत्तियों को या बीजों को निकाल देना चाहिए और किसी भी प्रकार की गंदगी या मलबे को हटाने के लिए कटी हुई धनिया की पत्तियों को अच्छी तरह से धोकर साफ कर लेना चाहिए धनिए की पैकिंग या भंडारण करने से पहले पत्तियों को आंशिक रूप से हवा में सुख ल `ना चाहिए।

धनिया की पत्तियों को रखने के लिए छिद्रित प्लास्टिक बैग का उपयोग करना चाहिए जिसका तापमान २ से ४ डिग्री सेल्सियस के तापमान पर रेफ्रिजरेटर में रखना चाहिए तथा धनिए के बीजों का स्वाद और सुगंध बनाए रखने के लिए इन्हें एयर टाइट कंटेनर में ठंडी और सुखी जगह पर रखना चाहिए।

लेखकों से निवेदन

मौलिक तथा अप्रकाशित-अप्रसारित रचनाएँ ही भेजें।
सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, साहित्यक, स्वास्थ्य, बैंक व व्यवसायिक से संबंधित रचनाएँ आप भेज सकते हैं।
प्रत्येक रचना पर शीर्षक, लेखक का नाम, पता एवं दूरभाष संख्या अवश्य लिखें, साथ ही लेखक परिचय एवं फोटो भी भेजें।
आप अपनी रचना ई-मेल एवं वॉटसअप *(whatsup)* द्वारा भेज सकते हैं।
स्वीकृत व प्रकाशित रचना का ही उचित भुगतान किया जायेगा।
किसी विशेष अवसर पर आधारित आलेख को कृपया उस अवसर से कम-से-कम एक या दो माह पूर्व भेजें, ताकि समय रहते उसे प्रकाशन-योजना में शामिल किया जा सके। रचना भेजने के बाद कृपया दूरभाष द्वारा जानकारी न लें। रचनाओं का प्रकाशन योजना एवं व्यवस्था के अनुसार यथा समय होगा।

Add: A-102, A-1 Wing ,Tirupati Ashish CHS. ,
Near Shahad Station Kalyan (W) , Dist: Thane,
PIN: 421103, Maharashtra.
Phone: (W) 9082391833 , 9820820147
E-mail: swarnim_mumbai@yahoo.in,
www.swarnimumbai.com

राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका

स्वर्णिम मुंबई

RNI NO. : MAHHIN-2014/55532

ADVERTISEMENT TARRIF

No.	Page	Colour	Rate
1.	Last Cover full page	Colour	50,000/-
2.	Back inside full page	Colour	40,000/-
3.	Inside full page	Colour	25,000/-
4.	Inside Half page	Colour	15,000/-
5.	Inside Quater page	Colour	07,000/-
6.	Complimenty Adv.	Colour	03,000/-
7.	Bottam Patti	Colour	2500/-

6 Months Adv. 20% Discount

1 Year Adv. 50% Discount

Mechanical Data: **Size of page:** **290mm x 230mm**

PLEASE SEND YOUR RELEASE ORDER ALONG WITH ART WORK IN PDF & CDR FORMAT

Add: A-102, A-1 Wing ,Tirupati Ashish CHS. , Near Shahad Station Kalyan (W) , Dist: Thane,
PIN: 421103, Maharashtra.
Phone: 9082391833 , 9820820147

RNI NO. : MAHHIN-2014/55532